दैनिक जागरण

वर्ष 73 अंक 329 पृष्ठ 12
रीवा, गुरुवार 27 अगस्त 2026
श्रावण शुक्ल पक्ष 15, विक्रम संवत 2083
नगर मूल्य 5 रुपए

नेपाल में अचानक आया सैलाब
28 देशों के 500 से अधिक लापता
157 लोगों की मौत

जलप्रलय

नेपालः नुवाकोट जिले के त्रिशुली नदी में अचानक आई बाढ़ में त्रिशुली बाजार के कई घर पानी के साथ बह गए तो कई मलबे में दब गए।

कैलाश मानसरोवर यात्रा पर गए 133 भारतीय भी लापता

काठमांडू, जेएनएन। नेपाल-तिब्बत बॉर्डर पर बुधवार सुबह 9 बजे अचानक आई बाढ़ ने नेपाल के रसुवा जिले में भारी तबाही मचा दी। सुबह 9 बजे तिब्बत की दिशा से भोटेकोशी नदी में अचानक पानी का तेज बहाव आया जिसमें कई इलाके चपेट में आ गए। जिससे 157 से अधिक लोगों की मौत हो गई है और 28 देशों के 500 से ज्यादा पर्यटक लापता हैं। नेपाल के पर्यटन बोर्ड के अनुसार, लापता पर्यटकों में भारत के 133, मलेशिया के 17, यूके के 33, दक्षिण कोरिया के 8, दक्षिण अफ्रीका के 4, अमेरिका के 54, ऑस्ट्रेलिया और नीदरलैंड के 1 और इटली के 2 पर्यटक शामिल हैं। बता दें कि भारतीय पर्यटक कैलाश मानसरोवर यात्रा पर गए थे। वहीं नेपाली अधिकारियों का कहना है कि एक बार फिर बाढ़ का खतरा मंडरा रहा है। जिस ग्लेशियल झील के फटने से अचानक बाढ़ आई थी, वहां अभी भी करीब 7 मीटर ऊंचा डैम बना हुआ है। यह कभी भी टूट सकता है। वहीं नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनाल ने बताया है कि रसुवा में आपदा की स्थिति भूकंप के साथ आए हिमस्खलन के कारण हुई थी। अधिकारियों ने पहले सोचा था कि भूकंप के कारण भूस्खलन हुआ होगा -लेकिन अब अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण का कहना है कि 'भूकंपीय ऊर्जा वास्तव में भूस्खलन से उत्पन्न हुई थी।

नेपाल में 42 किमी की सड़क बही: बेत्रावती से रसुवागढ़ी-तिब्बत सीमा तक करीब 42 किमी सड़क पूरी तरह क्षतिग्रस्त हुई। इसके अलावा स्याफ्रुबेसी से सीमा तक 16 किमी सड़क को भी नुकसान पहुंचा। बाढ़ का असर रसुवा से नुवाकोट, धादिंग होते हुए चितवन तक देखा गया। रसुवा में टिमुरे, स्याफ्रुबेसी, हाकुबेसी, मेलुंग, सल्लेटार, शांतिबाजार, पैरेबेसी, खाल्टी बस्ती और बेत्रावती समेत करीब एक दर्जन बस्तियां प्रभावित हुईं। बाढ़ धादिंग के गल्छी तक पहुंची और आगे मुग्लिन की ओर बढ़ने की चेतावनी दी गई।

प्रधानमंत्री बालेन शाह ने मोदी को कहा धन्यवाद: प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को फोन पर संवेदना और मदद की पेशकश के लिए धन्यवाद दिया है। बालेंद्र शाह ने एक्स पर लिखा कि इस कठिन समय में भारत की एकजुटता और सहायता का प्रस्ताव दोनों देशों की गहरी मित्रता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि नेपाल भारत के गर्मजोशी भरे समर्थन और सहयोग की भावना की सराहना करता है। इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी ने बाढ़ में जान गंवाने वालों पर शोक जताते हुए नेपाल को हर संभव मानवीय और राहत सहायता देने का भरोसा दिलाया था।

85 सुरक्षाकर्मी लापता, 19 पुल क्षतिग्रस्त : नेपाल प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार, सेना और पुलिस समेत कम से कम 85 सुरक्षाकर्मी अब भी संपर्क से बाहर हैं। वहीं, लापता पर्यटकों में 93 नेपाली पर्यटक शामिल हैं। अब तक 19 पुल क्षतिग्रस्त हुए हैं। तमिलनाडु के 57 पर्यटकों में से 37 का अब तक पता नहीं चल सका है, जबकि 20 लोगों के बारे में जानकारी मिल गई है। अधिकारियों के अनुसार, ये पर्यटक हिमालय क्षेत्र में एक मंदिर की ओर जा रहे थे।

शी जिनपिंग ने राहत-बचाव तेज करने का दिया आदेश

तिब्बत में आई बाढ़ के बाद चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने राहत और बचाव कार्य तेज करने के निर्देश दिए हैं। बाढ़ में कई लोगों की मौत हुई है। लापता लोगों की तलाश जारी है। बचाव अभियान के लिए 145 पुलिसकर्मियों और जवानों को प्रभावित इलाके में भेजा गया है।

नेपाल में 13 हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट को नुकसान

बाढ़ से नेपाल के जलविद्युत क्षेत्र को भी बड़ा नुकसान हुआ है। शुरुआती जानकारी के मुताबिक रसुवा और नुवाकोट जिलों में कम से कम 13 हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट प्रभावित हुए हैं। इनमें चालू और निर्माणाधीन दोनों परियोजनाएं शामिल हैं। लांगटांग हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट को भी भारी नुकसान की खबर है। 20 मेगावाट की इस निर्माणाधीन परियोजना का पावरहाउस बाढ़ में पूरी तरह बह गया है। यहां 60 लोग लापता बताए जा रहे हैं। तिब्बत क्षेत्र में भी भीषण बाढ़ से भारी नुकसान की खबर सामने आई है। चीन के सरकारी प्रसारक सीसीटीवी के अनुसार, तिब्बत के ग्यिरोंग में कम से कम तीन लोगों की मौत हुई है, जबकि 265 लोग अब भी लापता हैं। ये आंकड़े शुरुआती जानकारी के आधार पर बताए गए हैं और इनका सत्यापन अभी जारी है।

बिना बारिश कैसे आया सैलाब

नेपाल में बिना बारिश आखिर भीषण सैलाब कैसे आया। इस पर काठमांडू पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, काठमांडू विश्वविद्यालय के प्रोफेसर और जलवायु शोधकर्ता रिजन भक्त कायस्थ ने बताया है कि प्रारंभिक आकलन से पता चलता है कि हिमस्खलन ने तिब्बत के केरुंग इलाके में लेंडे नदी को अवरुद्ध कर दिया, जिससे भोटे कोशी और त्रिशूली नदी में अचानक बाढ़ आ गई।

पर्माफ्रॉस्ट का कमजोर होना: ऐसा माना जा रहा है कि तिब्बत में लेंडे नदी के ऊपरी जलग्रहण क्षेत्र में पर्माफ्रॉस्ट के बड़े पैमाने पर ढहने से बाढ़ के हालात बने। पर्माफ्रॉस्ट पृथ्वी की सतह के नीचे स्थित वह भूमि, मिट्टी, चट्टान या तलछट है।
ग्लेशियर का फटना: भूवैज्ञानिकों का आकलन है कि नेपाल में बाढ़ का प्रमुख कारण ग्लेशियर या ग्लेशियर झील का फटना भी हो सकता है। ऐसा माना जा रहा है कि अधिक ऊंचाई होने के कारण ऊपर ग्लेशियर झील का निर्माण हुआ होगा, जो अचानक टूटा।

बर्फ का अचानक पिघलना: स्थानीय प्रशासन और आपदा अधिकारियों का दावा है कि उन्होंने ऊंची चोटियों से पिघली हुई बर्फ और बर्फ के बड़े हिस्से टूटकर सीधे भोटे कोशी नदी के ऊपरी हिस्सों में गिरते देखा है।

नदियों के रास्ते में भूस्खलन से रुकावट: तिब्बत में भूकंप आते रहते हैं। भूवैज्ञानिकों का मानना है कि इस कारण नदियों के रास्ते में पहाड़ का मलबा गिरने से झील का निर्माण हुआ होगा।

मोदी बोले- भारत हर संभव मानवीय मदद देने को तैयार

नेपाल में बाढ़ से हुई जनहानि पर प्रधानमंत्री मोदी ने दुख जताया है। उन्होंने नेपाल के प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह से बात कर बाढ़ में जान गंवाने वाले लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा कि इस मुश्किल समय में भारत नेपाल के लोगों के साथ मजबूती से खड़ा है। प्रधानमंत्री मोदी ने नेपाल के पीएम बालेन्द्र शाह से भी बात की है।

- रसुवा में पिछले 24 घंटे में 7 मिमी से ज्यादा बारिश नहीं हुई
- बाढ़ की वजह बारिश नहीं, बल्कि तिब्बत में ग्लेशियर झील का फटना हो सकता है
- भोटे कोशी बेसिन में 122 ग्लेशियर झीलें हैं। कौन सी फटी अभी इसकी पुष्टि नहीं
- बचाव में 14 हेलीकॉप्टर लगे
- नेपाल के रसुवा, नुवाकोट, धाडिंग, गोरखा और चितवन जैसे इलाके प्रभावित
- 2015 में आए भूकंप के बाद नेपाल में सबसे भीषण आपदा
- 40-42 किलोमीटर सड़क और कम से कम 19 पुलों को नुकसान पहुंचा है

त्रिशुली बाजार पूरी तबाह

विदुर नगरपालिका के वार्ड नंबर 1 के वार्ड अध्यक्ष लेनिन रंजीत ने कहा कि रसुवा और नुवाकोट से होकर बहने वाली भोटेकोशी और त्रिशुली नदियों में आई बाढ़ के कारण नुवाकोट का ऐतिहासिक त्रिशुली बाजार लगभग पूरी तरह डूब गया है। त्रिशुली जलविद्युत संयंत्र, बाजार में बने नए और पुराने दोनों कंक्रीट के पुल, त्रिशुली स्कूल, मंदिर और घर बह गए हैं। फिलहाल बाज़ार के लोग विदुर और कॉलोनी इलाकों में शरण ले रहे हैं। उनके मुताबिक, त्रिशुली के लोगों को बाढ़ की सूचना देकर तुरंत वहां से निकलने के लिए कहा गया था। पर लोगों को यकी नहीं हुआ। अधिकारियों के मुताबिक, नुवाकोट के ऐतिहासिक त्रिशुली बाजार को 'संगुबाजार' के नाम से भी जाना जाता है. यहां करीब 500 घर हैं और आबादी 2,000 से ज्यादा है।

उप्र-बिहार में अलर्ट, गंडक बैराज के 36 गेट खोले

नेपाल में आई भीषण बाढ़ ने सीमावर्ती राज्यों उत्तर प्रदेश और बिहार में भी खतरे की घंटी बजा दी है। भोटेकोशी और त्रिशूली नदियां गंडक नदी प्रणाली में मिलती हैं, जो बिहार के अंदरूनी हिस्सों तक बहती है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने प्रशासन को सतर्क रहने की चेतावनी दी है । बिहार के बगहा स्थित गंडक बैराज के 36 गेट खोल दिए गए हैं। केंद्रीय जल आयोग के अनुसार, इस बाढ़ के बाद गंडक में 3 मीटर ऊंची लहरें उठ सकती हैं, फ्लैश फ्लड आने की भी आशंका है। बिहार के 8 जिलों में हाई अलर्ट जारी किया गया है। ये जिले पश्चिमी चंपारण (बगहा), पूर्वी चंपारण (मोतिहारी), गोपालगंज, सारण, मुजफ्फरपुर, वैशाली, सीतामढ़ी और शिवहर हैं। बिहार के सीएम सम्राट चौधरी ने अधिकारियों के साथ बैठक की।

नेपाल के चितवन के कुरिनेटार में त्रिशुली नदी पर बना झूला पुल पानी के तेज बहाव में बह गया।

भारतीय दूतावास ने जारी किए हेल्पलाइन नंबर

काठमांडू में भारतीय दूतावास ने आज नेपाल में अचानक आई बाढ़ से प्रभावित भारतीय नागरिकों की मदद और जानकारी के लिए इमरजेंसी नंबर जारी किए हैं (+977 985 131 6807, +977 970 910 7500)। नेपाल टूरिज्म बोर्ड ने भी हेल्पलाइन नंबर (1234, 1144, और 9851289445) जारी किए हैं।

10 टन मानवीय सहायता और आपदा राहत भेजी गई

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि भारत ने नेपाल में बाढ़ से निपटने में मदद के लिए 10 टन मानवीय सहायता एवं आपदा राहत (एचएडीआर) सामग्री और आवश्यक दवाएं भेजी हैं। वहीं विश्व स्वास्थ्य संगठन के महानिदेशक टेड्रोस अधानोम घेब्रेयेसस के अनुसार, नेपाल में चिकित्सा आपूर्ति जुटाकर भेजी है।

हरियाणवी सिंगर को उप्र में मारी गोली, मौत

शामली, जेएनएन। उप्र के शामली में बुधवार शाम 32 साल के यूट्यूबर और हरियाणवी सिंगर अंकित बालियान की जिम के बाहर हत्या कर दी गई। हमलावरों ने उन पर 18 राउंड फायरिंग की। सिर, पेट में 5 गोली लगने से वह गिर गए। पुलिस ने उन्हें अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। वारदात शाम करीब 7 बजे की है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, 4 हमलावर पहले से घात लगाकर बैठे थे। घटना से गुस्साए लोगों ने सड़क जाम कर दिया है। मां अंकित की लाश गोद में लेकर सड़क पर बैठ गई हैं। पुलिस सीसीटीवी फुटेज से हमलावरों की पहचान की कोशिश कर रही है। बताया जा रहा है कि अंकित जिला पंचायत चुनाव की तैयारी कर रहे थे। उनकी हत्या की वजह अभी स्पष्ट नहीं हो सकी है।

अजब-गजब 30 दिन की पैरोल पर गया था 40 साल तक जेल नहीं लौटा, जेल प्रबंधन लिखवता रहा पत्र

उम्रकैद का सजायाफ्ता वर्षों बना रहा सरकारी शिक्षक!

हैदराबाद, जेएनएन। तेलंगाना हाई कोर्ट में एक ऐसा मामला सामने आया है, जिसने जेल प्रशासन की निगरानी व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। हत्या के मामले में उम्रकैद की सजा पाए एक कैदी को दिसंबर 1983 में 30 दिन की पैरोल मिली थी। बाद में उसकी पैरोल 17 मार्च 1984 तक बढ़ाई गई। उसे 18 मार्च को जेल लौटना था, लेकिन वह वापस नहीं आया। इसके बाद वह 40 साल से ज्यादा समय तक जेल से बाहर रहा। इस दौरान उसने सरकारी शिक्षक के तौर पर नौकरी की, 2013 में रिटायर हुआ और 2004 में उसे 'बेस्ट टीचर' अवॉर्ड भी मिला। आखिरकार 16 मई 2024 को एक स्पेशल टास्क फोर्स ने उसे पकड़ लिया।

रिपोर्ट के मुताबिक, इस व्यक्ति को 1983 में हत्या के एक मामले में दोषी ठहराया गया था और उम्रकैद की सजा सुनाई गई थी। 17 दिसंबर 1983 को उसे 30 दिनों के लिए पैरोल पर रिहा किया गया। बाद में यह अवधि 17 मार्च 1984 तक बढ़ाई गई। लेकिन पैरोल खत्म होने के बाद उसने 18 मार्च 1984 को जेल में सरेंडर नहीं किया। वह चार दशक से ज्यादा समय तक जेल से बाहर रहा और 2024 में उसे गिरफ्तार किया गया। इसके बाद उसे सेंट्रल जेल भेज दिया गया। कैदी की पत्नी ने उसके खिलाफ की गई कार्रवाई को चुनौती देते हुए तेलंगाना हाई कोर्ट का रुख किया था। उसने दलील दी कि अधिकारियों ने करीब 40 साल की देरी के बाद कार्रवाई की।पत्नी के मुताबिक, उसका पति सरकारी शिक्षक के तौर पर काम करता रहा। वह 2013 में रिटायर हुआ और 2004 में उसे 'बेस्ट टीचर' अवॉर्ड भी मिला था। पत्नी ने उस आदेश को भी चुनौती दी, कोर्ट ने खारिज कर दिया।

दोषी जानबूझकर गिरफ्तारी से बचा

राज्य सरकार ने याचिका का विरोध किया। सरकार ने बताया कि पैरोल से वापस नहीं लौटने पर पुलिस अधीक्षक को कई पत्र भेजे गए थे और बाद में उसे पकड़ने के लिए स्पेशल टास्क फोर्स बनाई गई। अदालत के मुताबिक दोषी ने जानबूझकर गिरफ्तारी से बचने की कोशिश की। सरकारी शिक्षक के तौर पर नौकरी करने और रिटायर होने का उसका दावा भी इस ओर इशारा करता है कि उसने अपनी सजा छिपाकर 'धोखे से' सरकारी नौकरी हासिल की। कोर्ट ने यह भी कहा कि वह व्यक्ति अपने जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा जेल से बाहर बिताने और इससे मिलने वाले सभी फा यदों का आनंद लेने में सफल रहा।

मेडिकल आधार पर भी पैरोल देने से इनकार

कैदी की पत्नी ने मेडिकल आधार पर भी पैरोल की मांग की थी। हालांकि, हाई कोर्ट ने इसे भी खारिज कर दिया। अदालत ने कहा कि जेल में मेडिकल सुविधाएं उपलब्ध हैं। तेलंगाना हाई कोर्ट की जस्टिस टी. माधवी देवी ने याचिका खारिज करते हुए पैरोल पर जेल से बाहर जाने वाले कैदियों की निगरानी के लिए व्यवस्था मजबूत करने का निर्देश दिया। कोर्ट ने कहा कि पैरोल पर बाहर जाने वाले कैदियों की निगरानी के लिए स्पेशल टास्क फोर्स बनाई जाए। यह सुनिश्चित करने के लिए दिशा-निर्देश और जरूरी व्यवस्था तैयार की जाए कि पैरोल खत्म होने पर कैदी समय पर जेल लौटें। ऐसे मामलों पर कड़ी नजर रखी जाए, क्योंकि इस तरह की चूक दूसरे कैदी भी प्रोत्साहित होंगे।

गीवा कंपनी ने व्यक्त किया खेद

कृति सेनन का विज्ञापन विवाद के बाद हटाया

मुंबई, जेएनएन। ज्वेलरी ब्रांड गीवा ने बुधवार को एक्ट्रेस कृति सेनन के विवादास्पद रक्षाबंधन विज्ञापन को हटा दिया है। विज्ञापन में कृति ब्रालेट-स्टाइल ब्लाउज, केप और ड्रेप्ड स्कर्ट पहने थीं। गीवा ने विवाद बढ़ता देख बुधवार कहा कि विज्ञापन हटा लिया गया है। गीवा ने कहा, 'एक ब्रांड के तौर पर हमारा हमेशा से मानना रहा है कि इन खुशी के पलों को पूरे परिवार के साथ मनाया जाए। उद्देश्य पालतू जानवरों के साथ प्यार और जश्न को आगे बढ़ाना था। भावनाएं आहत करना हमारा इरादा नहीं था।' अगर समाज के कुछ हिस्सों की भावनाओं को ठेस पहुंची है, तो हमारा ऐसा कोई इरादा नहीं था।

रक्षाबंधन पर्व की खरीदी के लिए बाजारों में उमड़ रही भीड़

10 रुपए से लेकर 2000 रुपए तक की राखियां बाजार में उपलब्ध, गिफ्ट, कपड़े सहित जेवर खरीदने में जुटे लोग

जागरण, रीवा। भाई-बहन के पवित्र त्योहार रक्षाबंधन पर्व को लेकर बाजर सज चुका है। बाजार में रक्षा सूत्रों के साथ ही कपड़े, गिफ्ट आदि की दुकानें सज गई हैं, बहनें अपने भाइयों को रक्षा सूत्र बांधने बाजार में सजी राखी की दुकानों में खरीदारी करने उमड़ रही हैं, बाजार में फिलहाल 10 रुपए से लगाकर 2000 रुपए तक की राखियां उपलब्ध हैं। जिनकी खरीदारी के लिए सुबह से ही बाजार में लोगों का आना शुरू हो गया है। दिनभर राखी के अलावा कपड़े, गिफ्ट व ज्वेलर्स की दुकानों पर खरीदारों की भीड़ देखी जा सकती है, खासकर शाम के समय बाजारों में भीड़ अधिक बढ़ रही है, व्यापारियों की मानें तो इस वर्ष राखी के दामों में 10-15 फीसदी बढ़ोतरी हुई है, लेकिन इससे खरीदारों को कोई फर्क नहीं पड़ रहा। शुक्रवार को रक्षाबंधन पर्व है, जिसे लेकर भाई-बहनों खासकर बच्चों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। भाई अपनी बहनों के लिए तो बहनें अपने भाईयों के लिए गिफ्ट, कपड़े वगैरह खरीद रहे हैं। वहीं शहर से जाने व आने वाली ट्रेन, बसों में भी खचाखच भीड़ देखने को मिल रही है। शहर से जहां बहनें राखी मनाने अपने मायके जा रहीं हैं वहीं शहर की बहनें अपने ससुराल से मायके लौट रहीं हैं।

सुबह 5:57 से 9:48 तक रहेगा शुभ मुहूर्त

इस वर्ष रक्षाबंधन में शुक्रवार को राखी बांधने का शुभ मुहूर्त शुक्रवार सुबह 5 बजकर 57 मिनट से लेकर 9 बजकर 48 मिनट तक रहेगा। इस समय तक पूर्णिता तिथि व्याप्त है और भद्रा का साया नहीं है। इसके अलावा अभिजीत मुहूर्त दोपहर 11 बजकर 44 मिनट से दोपहर 12 बजकर 35 मिनट तक रहेगा। दोपहर/अपरान्ह मुहूर्त दोपहर 1 बजकर 52 मिनट से शाम 4 बजकर 35 मिनट तक रहेगा। रक्षाबंधन के दिन चंद्रग्रहण भी लग रहा है, लेकिन वह भारत में दिखाई नहीं देगा। इसलिए इसका कोई सूतक या धार्मिक प्रभाव भारत में मान्य नहीं होगा।

शासन द्वारा मान्यता प्राप्त
कामता सोनोग्राफी सेन्टर
(अल्ट्रासाउण्ड)
डॉ. रश्मी शुक्ला
M.D. (Radio Diagnosis) G.S.V.M. Medical College Kanpur
Ex. J.R. AIIMS New Delhi
Ex. Consultant Radiologist Alpha Imaging & MRI Kanpur
Ex. Consultant Radiologist Noble Hospital Kanpur
ए-ब्लॉक, समदड़िया सेन्टर प्वाइन्ट, न्यू बस स्टैण्ड, रीवा (म.प्र.) 07662-451599,9399312433

उप मुख्यमंत्री ने किये खेमसागर हनुमान जी के दर्शन

रीवा। उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने आज रीवा स्थित प्रसिद्ध खेमसागर हनुमान मंदिर (सुप्रीम कोर्ट) में हनुमान जी के दर्शन-पूजन किया संकटमोचन हनुमान जी से सभी प्रदेशवासियों के जीवन मंम सुख, समृद्धि एवं आरोग्य की कामना की।

अकीदत और भाईचारे के साथ मनी ईद मिलादुन्नबी

जश्न-ए-ईद मिलादुन्नबी का त्योहार अकीदत और भाईचारे के साथ सम्पन्न

शहर एवं जिले की मस्जिदों, मदरसों व खानकाहों में हुए विभिन्न आयोजन, हजारों लोगों ने मुख्य जुलूस में की शिरकत

रीवा। सारे आलम के लिये रहमत बनाकर भेजे गये खुदाबन्द करीम के महबूब नबी हजरत मुहम्मद सल्लल्लाहो अलैहे वसल्लम की दुनिया में तशरीफआवरी के मुबारक मौके पर 12वीं रबीउल अव्वल को जश्न-ए-ईद मिलादुन्नबी का त्योहार पूरे शहर एवं जिले में जोशो-खरोश, अकीदत और आपसी भाईचारे के साथ मनाया गया। इस मुबारक अवसर पर शहर एवं जिले की विभिन्न मस्जिदों में सुबह सादिक के वक्त सलातो-सलाम का नजराना पेश किया गया तथा फातेहा के बाद तबर्रुक तकसीम किया गया। शहर की मस्जिदों, मदरसों एवं खानकाहों में कुरआन ख्वानी, फातेहा एवं लंगर-ए-आम का एहतमाम किया गया। इसके उपरांत विभिन्न स्थानों से जुलूसों का सिलसिला शुरू हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में अकीदतमंदों ने शामिल होकर अपनी अकीदत का इजहार किया। पूरे जुलूस के दौरान प्रशासन एवं संचालन समिति द्वारा निर्धारित गाइडलाइन का पालन किया गया। जुलूस में शामिल अकीदतमंदों के लिये शहर के विभिन्न स्थानों पर लंगर, फल, बिस्किट, मिठाइयां एवं अन्य खाद्य सामग्री वितरित की गई। जगह-जगह लोगों ने जुलूस में शामिल अकीदतमंदों का स्वागत करते हुए सेवा एवं सत्कार किया। इस दौरान आपसी भाईचारे, सौहार्द का वातावरण बना रहा तथा जुलूस शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न हुआ।

500 लोगों की बस्ती झेल रही सड़क का अभाव

जागरण, रीवा। रायपुर कर्चुलियान विकासखण्ड की ग्राम पंचायत अहिरगांव के लगभग 500 रहवासी वर्षों से रास्ते की बाट जोह रहे हैं, लेकिन रास्ते का लाभ आज तक नहीं मिला। गांव में रास्ता न होने से ग्रामवासियों को आवागमन में खासी दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। जिसकी शिकायत ग्राम के लोगों ने कलेक्टर से कर गांव में शीघ्र ही सड़क निर्माण की मांग की है। कलेक्टर को की गई शिकायत में ग्रामीणों ने बताया कि ग्राम अहिरगांव के लोगों को लोगों को आज तक सड़क का लाभ नहीं मिला, स्कूल जाने वाले बच्चे कीचड़ के कारण स्कूल नहीं जा पा रहे, बीमारों को खटिया पर डालकर अस्पताल ले जाना पड़ रहा है, एम्बुलेंस तो ठीक गांव में कोई सा भी वाहन नहीं आ सकता। जबकि यहां रास्ता दर्ज है किन्तु रास्ते का निर्माण आज तक नहीं हो पाया। यहां स्थित बस्ती में लगभग 500 परिवार निवास कर रहे हैं, जिन्हें सड़क के साथ ही मूलभूत सुविधाएं भी नहीं मिल रही।

अभी भी सामान समेटने में लगे हैं झिरिया वासी

जागरण, रीवा। झिरिया के रहवासी बाढ़ के सप्ताह भर बाद भी सामान समेटने में लगे हैं। यहां भरे पानी से कई लोगों के घरों में रखा राशन, बिस्तर, कपड़े, टीवी, फ्रीज वगैरह सब बर्बाद हो गए, बाढ़ का पानी भरने से घरों में रखा सामान पानी में तैरकर एक कमरे से दूसरे कमरे में चला गया, झिरिया कॉलोनी निवासी शीला सिंह बघेल, शांति, प्रमोद सोधिया, संजय सिंह, पूनम, आर्य सिंह, दीपक सिंह आदि ने बताया कि इस बाढ़ ने लोगों का काफी नुकसान किया है। कई लोगों के पास तो खाने का अनाज तक नहीं बचा, जिस दिन बाढ़ आई उस दिन तो लोगों को राहत कैंप में पहुंचा दिया गया, जब तक वहां रहे भोजन वगैरह की दिक्कत नहीं हुई, किन्तु पानी उतरने के बाद जब घर लौटे तो पाया कि घर में रखा सारा राशन खराब हो चुका है, बिस्तर, कपड़े सब गीले हैं, टीवी, फ्रीज, मिक्सर आदि भी बर्बाद हो गए हैं। सामान तो कई लोगों ने समेट लिया, किन्तु यहां की बदबू अभी भी बरकरार है, निगम वाले आए थे सड़क पर दवा का छिड़काव करके चले गए, जबकि घरों में फैली बदबू के साथ ही मच्छरों की भरमार है, रहना मुश्किल हो रहा है।

निगम प्रशासन की अनदेखी या लापरवाही

खदान में बसा दी कॉलोनी : पानी के बीच आधा सैकड़ा मकान

निकासी की नहीं कोई जगह, अब पंप से निकाल रहे पानी

मुख्यमार्ग में पहुंचने नाव का सहारा, 8 दिन से पानी में कैद लोग

जागरण, रीवा

जहां कभी पत्थर की खदान हुआ करती थी उस स्थान पर वर्तमान में कॉलोनी बसा दी गई है। पिछले बुधवार से हुई लगातार बारिश से खदान में बसी पूरी कॉलोनी डूब में आ गई। जिन सड़कों पर लोग पैदल या वाहन से चला करते थे, वहां अब नावें उतर आई हैं। कॉलोनी के लगभग आधा सैकड़ा लोग पिछले 8 दिनों में पानी में ही कैद होकर रह गए हैं। बुधवार को उपमुख्यमंत्री के निर्देश पर अल्ट्राटेक कंपनी से 60-60 एचपी का मोटर मंगाकर पानी निकाला जा रहा है। इस बीच 9 लोगों का रेस्क्यू कर अस्पताल पहुंचाया गया। शहर के वार्ड क्रमांक 10 में खदान में स्थित गायत्री नगर कॉलोनी में बाढ़ के आठवें दिन भी लोग सड़कों की बजाय अपने घरों से नाव और ट्रक के ट्यूब के सहारे आवागमन कर रहे हैं। कॉलोनी के रहवासियों ने बताया कि अकेले कॉलोनाइजर की गलती नहीं है, यहां प्लॉट क्रय करने वालों की भी गलती है। वर्षों पूर्व यहां पत्थर निकालने की खदानें हुआ करती थीं, जिस पर प्लॉटिंग करके खदान विक्रय कर दी गई, सस्ते दामों के फेर में पड़कर लोगों ने यहां प्लॉट क्रय कर लिए और अब भुगत रहे हैं। यहां अहम पहलू यह है कि कॉलोनी बसाने वालों ने टीएनसीपी से अनुमति बगैर प्लाट बिक्री कर दिया और लोगों ने खरीद लिया। लेकिन नगर निगम प्रशासन ने बिना किसी जाच पड़ताल के निगम की आय बढ़ाने खदान में मकान बनाने की अनुमति दे दी।

लोगों से सड़क, बिजली, पानी टैक्स और संपत्ति कर निगम प्रशासन वसूल रहा है लेकिन बुनियादी सुविधाएं नहीं दे पा रहा है। यहां जल निकासी की कोई व्यवस्था ही नहीं है। जब 20 से 30 फीट गहरा नाला खोदा जाय तभी पानी की निकासी संभव है। बताया गया है कि जिन लोगों ने खदान में प्लाट लिया वह मकान बनाने के लिए प्लाट तो समतल करवा लिया, मिट्टी भरवा का घर ऊंचा बनवा लिया लेकिन पानी निकासी नहीं हो रही है। इतना ही नहीं यहां खदान के कई बड़े गड्ढे भी हैं जिनकी गहराई बहुत अधिक बतायी जा रही है।

2016 के बाद बसाई गई कॉलोनी

निगम प्रशासन से मिली जानकारी अनुसार खदान में बसी यह कॉलोनी 2016 में आई बाढ़ के बाद बसाई गई। जाहिर है यह जानते हुए भी कि यह डूब क्षेत्र है फिर भी कॉलोनी काटी, लोगों ने प्लॉट खरीदा और मकान बनाया। यहां नगर निगम रीवा की गलती है जिसने टीएनसी की अनुमति के बिना मकान बनाने की अनुमति दी। जाहिर है इस कॉलोनी के डूबने के पीछे जितना कॉलोनाइजर और नगरनिगम प्रशासन दोषी है, उतना ही यहां प्लॉट लेकर मकान बनाने वाले भी हैं।

पहले करोड़ों के पत्थर बेचे फिर खदान में कर दी प्लाटिंग

जिस खदान में आज कॉलोनी नजर आ रही है वह तीन दशक पहले तक एक छोटी पहाड़ी थी जो अवधेश प्रताप सिंह विवि से लगी निजी लोगों की जमीन थी। जो सामान्य से करीब 60 से 70 फीट ऊंची थी। इसमें उच्च गुणवत्ता का लाइम स्टोन पाया जाता था, जिसे पहले अवैध रूप से उत्खनन कर करोड़ों में बेचा, उसके बाद खदान में प्लॉटिंग कर दी, जो सामान्य से 20 फीट नीचे बतायी जा रही है। ऐसे हालात में वर्तमान में मोटर के अलावा पानी निकासी की कोई व्यवस्थाभी संभव नहीं है।

नोटिस देकर भूले, फिर दे दी अनुमति

नगर निगम सूत्रों की मानें तो यहां की गई प्लॉटिंग की शिकायत होने के बाद संबंधितों को तीन बार नोटिस भी दिया गया, किन्तु कार्रवाई के नाम पर कुछ नहीं हुआ। निगम प्रशासन भूल गया और खदान में बनायी गई अवैध कॉलोनी में मकान बनने की अनुमति दे दी।

प्रशासन पर फोड़ रहे ठीकरा

यहां कॉलोनीवासी भी इस समस्या के लिए उतने ही जिम्मेदार है जितना निगम प्रशासन। यह जानते हुए कि खदान में पानी भरेगा और निकासी की कोई व्यवस्था नहीं है फिर भी प्लॉट लेकर मकान बनाया और अब प्रशासन पर ठीकरा फोड़ रहे हैं। निगम प्रशासन इसलिए दोषी है कि यह जानते हुए कि खदान में कॉलोनी बसाई जा रही है जिसमें जलभराव की समस्या होगी मकान बनाने की अनुमति दी।

पहुंचे डिप्टी सीएम, 9 लोगों का रेस्क्यू कर पहुंचाया गया अस्पताल

जलभराव की सूचना उपरांत उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल प्रातःकाल ही वार्ड 10 स्थित गायत्री नगर पहुंचे। उनके निर्देश पर होमगार्ड एवं आपदा प्रबंधन की टीम ने राहत और बचाव अभियान चलाकर नौ लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला। इनमें कई गंभीर रूप से बीमार महिला-पुरुष भी शामिल थे। रेस्क्यू के बाद सभी को उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है। जानकारी के अनुसार गायत्री नगर जलभराव के कारण लोगों का घरों से बाहर निकलना मुश्किल हो गया है। इसी दौरान स्थानीय निवासी रीना तिवारी के फेफड़ों में गंभीर संक्रमण और शुभम सिंह परिहार के दुर्घटना में घायल होने की सूचना प्रशासन को मिली। दोनों को उपचार की आवश्यकता थी, लेकिन अधिक पानी के कारण एंबुलेंस अथवा अन्य वाहन उनके घर तक नहीं पहुंच पा रहे थे। मामले की जानकारी मिलने पर जिला सेनानी होमगार्ड मीनाक्षी चौहान ने तत्काल रेस्क्यू टीम को मौके पर रवाना किया। पांच सदस्यीय टीम ने जलभराव के बीच पहुंचकर प्रभावित लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने का अभियान शुरू किया। रेस्क्यू टीम ने चार से पांच गंभीर मरीजों सहित कुल नौ लोगों को पानी के बीच से सुरक्षित निकाला।

जिम्मेदार बोले

यह कॉलोनी चार साल पूर्व बसी है। कई लोगों को भवन निर्माण की अनुमति दी गई है। यह निर्माण शाखा के लोग ही बता पायेंगे कि कैसे अनुमति दी गई है।

एमएस सिद्दीकी उपायुक्त नगर निगम रीवा

****

इस कॉलोनी में कुछ लोग अनुमति लेकर मकान बनाए हुए हैं। कई की अनुमति नहीं है। मेरी तीन महीने पहले ही पदस्थापना हुई है। मुझे नहीं पता कि कैसे अनुमति दी गई थी। तत्समय के प्रभारी अधिकारी बता पायेंगे।

अमन सिंह तिवारी उपयंत्री जोन क्रमांक-3

कॉलोनीवासियों की जुबानी

कॉलोनी वासी पूजा मिश्रा का कहना है कि हमारे घर के अंदर तक पानी भर गया था, बिजली का एक फेज है एक बंद है, पीने का पानी भी नहीं भर पा रहे। अंधेरे में पड़े रहते हैं, कोई बिजली उपकरण चालू करते हैं तो चिंगारी निकलने लगती है, यहां भरा पानी देखने आज तक कोई भी जिम्मेदार नहीं आए। सामने वाले घर के बगल से उसके पीछे स्थित नाले में पानी निकाला जा सकता है, किन्तु वह मकान मालिक खनन नहीं करने दे रहे। लगभग सौ परिवार के लोग परेशान हो रहे हैं।

****

यहीं के रहवासी रामसुमन द्विवेदी का कहना है कि कॉलोनी के कुछ मकान ऐसे भी हैं जहां तक लोग पहुंच ही नहीं पा रहे, उनकी क्या स्थिति होगी कोई देखने वाला नहीं। यहां का पानी निकालने के लिए बड़ी मोटर चाहिए, जिससे पानी की निकासी हो सके। यहां जिन्होंने भी मकान बनाए हैं उन्होंने नगर निगम से अनुमति ली है और जो टैक्स भर रहे उसकी रसीद वगैरह भी हमारे पास हैं। कॉलोनाइजर के पास किसी प्रकार की अनुमति है या नहीं इसकी हमें जानकारी नहीं।

****

शंभु प्रसाद तिवारी, रहवासी का कहना है कि लोग परेशान हो रहे हैं, गलती कॉलोनी काटने वाली की नहीं, यहां से पहले पत्थर निकाले जाते थे, किन्तु अब यहां मकान बन गए। यहां जो पानी भरा है वह थोड़ा नहीं कह सकते बहुत ज्यादा पानी भरा है, जिन्होंने मकान बनाए उन्हें नगर निगम से अनुमति मिली है। और सभी प्रकार के टैक्स भी अदा कर रहे हैं। इसके बाद भी आज तक कोई देखने नहीं आया। ये तो ठीक हैं कि एक-दूसरे से आपस में बात कर पा रहे हैं, उधर पीछे खुशबू सिंह परिहार, कमल सिंह बघेल, ओमप्रकाश तिवारी आदि के घर की तरफ तो बहुत अधिक पानी भरा है, पता नहीं कैसे रह रहे होंगे।

****

एक अन्य कॉलोनीवासी हरिहर सिंह ने कहा क हम यहां तक आ सकते हैं, इसलिए देखने चले आते हैं, लेकिन कोई जिम्मेदार अभी तक यहां देखने नहीं आए। लोग परेशान हो रहे हैं, चारों ओर पानी ही पानी है, जिससे कॉलोनी में बीमारियां फैलने का खतरा भी मंडरा रहा है। यदि और बारिश होती है तो लोगों के घरों में पानी भर जाएगा।

दुकान कृषि उपज मण्डी की, दुकान के सामने बैठने का किराया वसूल रहे किराएदार

जागरण, रीवा। करहिया मण्डी में कृषि उपज मण्डी द्वारा सब्जी व्यापारियों को दुकानें किराए पर दी गई हैं, जिनके अंदर किराएदार व्यापारी अपनी दुकान का सामन रखते हैं, जबकि दुकान के सामने का हिस्सा अन्य सब्जी व्यापारियों को 8 हजार रुपए मासिक किराए पर दे रखी है। जबकि किराएदार व्यापारी मण्डी में अपनी दुकान के सामने दुकान न लगाकर मण्डी में अन्य स्थानों पर अपनी दुकानें लगा रहे हैं। दुकानों के सामने सब्जी का व्यापार करने वाले सब्जी व्यवसायियों ने नाम प्रकाशित न करने की शर्त पर बताया कि उनसे प्रतिमाह 8 हजार रुपए किराया दुकान के सामने दुकान लगाने का लिया जा रहा है, जिसकी किसी प्रकार की रसीद अथवा किरायानामा उन्हें नहीं दिया जाता। दुकान अंदर है, जबकि वे लोग सड़क पर दुकानें लगा रहे हैं, जिनकी दुकान है वह अपनी दुकान मण्डी में दूसरी जगह लगा रहे हैं, जिनसे मण्डी प्रशासन द्वारा दुकान का मासिक किराया भर लिया जा रहा है, वे कहीं पर भी दुकान लगा लेते हैं, उनसे दुकान लगाने का किराया नहीं लिया जाता, जबकि वे दुकानदार अन्य व्यापारियों को अथवा यहां आने वाले ग्राहकों से 10 प्रतिशत टैक्स भी वसूल रहे हैं। किराए से सड़क पर दुकानें लगाने वाले व्यापारियों ने बताया कि पहले से यहां चारों ओर दुकान लगी हैं, उनके पास दुकानें लगाने का स्थान नहीं है, जिसके चलते वे लोग यहां सड़क किराए पर लेकर अपना व्यवसाय कर रहे हैं, दूसरा कोई चारा भी नहीं, मण्डी यदि सब्जी बाजार में थोड़ा और विस्तार कर दे तो उन्हें भी दुकानें लगाने की जगह मिल सकती है, किन्तु ऐसा नहीं किया जा रहा। जो व्यापारी मण्डी की दुकानों के सामने दुकानें नहीं लगाकर दीवार के सहारे अथवा सड़क पर कहीं पर भी दुकानें लगाते हैं, उन्हें मण्डी में दुकान लगाने की राशि देना पड़ती है, किसी ने बताया कि यहां जो कमाते हैं उसमें आधे से ज्यादा तो किराए पर ही चला जाता है। व्यापारियों ने बताया कि जो लोग यहां सब्जी का व्यापार करते हैं, वे अधिकांश सब्जियां मण्डी से ही खरीदते हैं, जो किसान सब्जी का उत्पादन करते हैं, वे अपनी सब्जी लेकर आते हैं, उन्हें भी यहां व्यापार करने की राशि देना पड़ती है। यहां की जा रही धांधली की ओर मण्डी के अधिकारी, कर्मचारी ध्यान नहीं दे रहे, जिससे नुकसान यहां व्यापार करने वालों को उठाना पड़ रहा है।

मेट्रो हॉस्पिटल, रीवा
METRO HOSPITAL
आयुष्मान कार्ड के माध्यम से
निःशुल्क डायलिसिस सुविधा उपलब्ध है
प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना PM-JAY
24/7 इमरजेंसी सेवा उपलब्ध है
अपॉइंटमेन्ट के लिए सम्पर्क करें:
07662-314775,7771000668,7771000669
न्यू बस स्टैंड के पास, शारदा पुरम रोड, रीवा

वर्ष 73 अंक 329 पृष्ठ 12
रीवा, गुरुवार 27 अगस्त, 2026
श्रावन शुक्ल पक्ष 15, विक्रम संवत् 2083
नगर मूल्य 5 रुपए

दैनिक जागरण

www.dainikjagranmpcg.com

24X7 ताजी खबरें पढ़ने के लिए क्यूआर कोड स्कैन करें

ऑफ बीट

चीनी युवतियों में बढ़ा आर्मपिट हेयर डाई ट्रेंड

चीन में युवा महिलाओं के बीच एक नया और अनोखा ट्रेंड तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। यहां युवतियां अपने अंडरआर्म्स (आर्मपिट) के बालों को डाई (रंग) कर रही हैं। जिस चीज को कभी सामाजिक रूप से असहज या गलत माना जाता था, उसे अब ये महिलाएं फैशन स्टेटमेंट और अपनी 'शारीरिक स्वतंत्रता' (बॉडीली ऑटोनॉमी) के प्रतीक के रूप में अपना रही हैं। चीन के लोकप्रिय लाइफस्टाइल प्लेटफॉर्म 'रेडनोट' पर युवा महिलाएं अपने रंगे हुए आर्मपिट हेयर की तस्वीरें और वीडियो जमकर शेयर कर रही हैं। युवतियां अपने अंडरआर्म्स के बालों को नीले, चमकीले और अन्य आकर्षक रंगों से डाई कर रही हैं। सोशल मीडिया पर बालों को ब्लीच करने और रंगने के तरीके सिखाने वाले ट्यूटोरियल (टिप्स) भी काफी पसंद किए जा रहे हैं।

संक्षिप्त खबरें

चीनी 15 और प्याज 8 रुपए हुआ सस्ता

नई दिल्ली, जेएनएन। सरकार की सख्ती के बाद चीनी के बढ़ते भाव पर ब्रेक लगने लगा है। सप्ताह भर पहले जहां चीनी का एक्स-मिल भाव 68 रुपये किलो तक पहुंच गया था, वहीं अब यह करीब 53-55 रुपये किलो रह गया है। महाराष्ट्र में भाव 51-52 रुपये और कोलकाता में थोक भाव करीब 53 रुपये किलो तक आ गया है। हालांकि, इसका पूरा लाभ अभी उपभोक्ताओं तक नहीं पहुंचा है। आयातित चीनी की खेपों के पहुंचने, बंदरगाहों पर मौजूद चीनी के बाजार में आने और बिना बिके घरेलू कोटे की आपूर्ति बढ़ने से चीनी बाजार दबाव में आ सकता है, जिससे उपभोक्ताओं को राहत मिलने की उम्मीद है।

जज बन दी धमकी, ठग सुकेश चंद्रशेखर दोषी

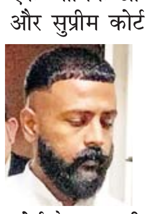

नई दिल्ली, जेएनएन। दिल्ली की तीस हजारी कोर्ट ने ठग सुकेश चंद्रशेखर को एक न्यायिक अधिकारी पर दबाव बनाने और सुप्रीम कोर्ट के जज बनकर फोन करने के मामले में दोषी ठहराया है। कोर्ट गुरुवार को सजा सुनाएगी। कोर्ट ने माना कि सुकेश ने खुद को पहले सुप्रीम कोर्ट के तत्कालीन जज के निजी सचिव और बाद में जज के रूप में पेश किया और न्यायिक अधिकारी से उसे जल्द जमानत देने का दबाव बनाया। जमानत नहीं देने पर अधिकारी को पेशेवर नुकसान की धमकी भी दी गई। अदालत ने सुकेश चंद्रशेखर को भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 170 के तहत सरकारी अधिकारी का रूप धारण करने, धारा 189 के तहत सरकारी कर्मचारी को नुकसान पहुंचाने और धारा 507 के तहत गुमनाम तरीके से धमकी देने का दोषी ठहराया है।

राजधानी भोपाल में पहली बार सुप्रीम कोर्ट का जज बनकर की धोखाधड़ी

बुजुर्ग दंपति को दो माह डिजिटल अरेस्ट में रखा, 22 लाख रु. ठगे

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। कोलार के बीमाकुंज में रहने वाले बुजुर्ग दंपति को जालसाजों ने दो महीने तक डिजिटल अरेस्ट पर रखा। मनी लॉन्ड्रिंग केस में अरेस्ट वारंट का डर दिखाकर खाते में करोड़ों रुपए के लेनदेन का झांसा दिया। सुप्रीम कोर्ट का फर्जी जज बनकर 22 लाख रुपए ऐंठ लिए। आरोपियों ने पीड़ित को आंध्रप्रदेश से भोपाल तक वीडियो सर्विलेंस पर रखा। रकम जमा करवाने के बाद फर्जी सुप्रीम कोर्ट का आर्डर भेजा। ठगी का अहसास होने पर उन्होंने साइबर क्राइम भोपाल में इसकी शिकायत की। जांच के बाद कोलार रोड पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ धोखाधड़ी समेत अन्य धाराओं में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। कोलार रोड थाना प्रभारी संजय सोनी ने बताया कि 65 वर्षीय सुवर्णा लक्ष्मी पति नरसिम्हा राव ए-9 कृष्णा काम्प्लेक्स, गणपति इन्क्लेव बीमा कुंज कोलार में रहती हैं। वह मूलतः निखिल शिवागुरू आश्रम थाना मुपपला जिला पलनाडू राज्य आंध्रप्रदेश की रहने वाली हैं। उन्होंने पुलिस को बताया कि मैं हाऊस वाइफ हूं और मेरे पति प्राइवेट कंपनी से रिटायर्ड हैं।

22 लाख जमा करवा लिए

बुजुर्ग दंपति 10 जून को आंध्रप्रदेश से भोपाल पहुंचे। उन्होंने अपने सोने के जेवरात गिरवी रखकर 22 लाख रुपए का लोन लिया। यह पैसा केनरा बैंक के खाते में आरटीजीएस के माध्यम से आया। इसके बाद 23 जुलाई तक डिजिटल सर्विलेंस पर रखे रहे। इस बीच बुजुर्ग दंपति को पता लगा कि सुप्रीम कोर्ट का आर्डर गलत है।

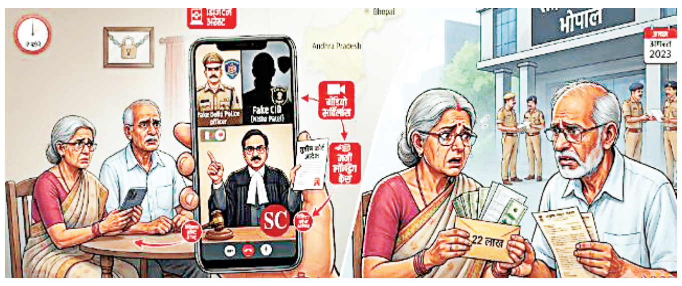

फर्जी अफसर बोली सुप्रीम कोर्ट से बेल करा दूंगी

पीड़िता ने पुलिस को बताया कि फर्जी पुलिस आफिसर ने मेरे पति का मोबाइल नंबर भी ले लिया था। बोला था कि यदि तुम्हारा फोन बंद आएगा तो हम तुम्हारे पति से वीडियो कॉल से बात करेंगे। 21 मई को मेरे पति के पास किसी निशा पटेल जो अपने आप को चीफ इन्वेस्टिगेशन आफिसर सीआईडी होना बताया उसका वीडियो कॉल आया, जिसका चेहरा नहीं दिख रहा था। उसने मुझ से व मेरे पति से बात की और मुझसे मेरे सभी बैंकों के नाम व खातों के जानकारी ली। बैंक खाते में कुछ पैसे नहीं हैं। मैंने पूरी डिटेल सुप्रीम कोर्ट में सबमिट कर दी है। मैं आपको सुप्रीम कोर्ट से बात करवाकर बेल करवा दूंगी।

सुप्रीम कोर्ट के फर्जी जज से बात करवाई

अगले दिन वीडियो कॉल कर जज से बात करवाई। वीडियो कॉल में कुछ दिखाई नहीं दे रहा था, सिर्फ बातें सुनाई दे रही थीं। जज ने मेरा आधार कार्ड दिखाकर कहा कि यह तुम्हारा आधार कार्ड है, मैंने कहा यह मेरा ही आधार कार्ड है, तो जज ने कहा कि तुम्हारा दिल्ली में कैनरा बैंक में खाता है जिससे आपका नरेश गोयल के कैश में लेन देन हुआ है। पीड़िता ने कहा कि दिल्ली में कोई खाता नहीं है ना ही नरेश गोयल को जानती हूं। जज ने कहा कि तुम्हारी नरेश गोयल से 22 मिनट बात हुई है, उसका रिकॉर्ड हमारे पास है। जज से दंपति ने कहा कि नरेश से जो बात हुई है उसकी फोरेन्सिक जांच करवाई जाए।

कॉल से पुलिस स्टेशन दिखाया

कॉलर ने कहा कि मैं वाट्सएप के माध्यम से सुप्रीम कोर्ट दिल्ली में आवेदन लगाने के लिए इंगलिश में फार्मेट भेज रहा हूं। आप उस फार्मेट में आवेदन लिखकर हस्ताक्षर कर भेजें, यदि आप यह नहीं करोगे तो आपका फोन बंद हो जाएगा। तब मैंने अपने पति नरसिम्हा राव से आवेदन लिखवाकर हस्ताक्षर कर वाट्सअप कर दिया और उस पुलिस आफिसर ने अपना पुलिस स्टेशन दरियागंज को विडियो कॉल से दिखाया। खन्ना के अलावा अन्य पुलिस आफिसर से भी बात कराई।

संपत्ति सीज का फर्जी आदेश दिया

9 जून को वीडियो कॉल के माध्यम से पुनः जज से बात हुई। उन्होंने बोला कि इनके नाम से जितनी भी संपत्ति है। वह सीज करा दो। कोर्ट ने आदेश निकाला जिस आर्डर की कापी वाट्सएप से मुझे प्राप्त हुई। निशा पटेल ने वाट्सएप कॉल कर कहाकि सुप्रीम कोर्ट जज ने आपकी सम्पत्ति सीज करने का आदेश दे दिया है।

फोन पर खुद को दिल्ली का पुलिस ऑफिसर बताया

19 मई 26 को किसी नए नंबर से उनके पास कॉल आया। कॉलर ने खुद को पुलिस आफिसर बताया। उसने बोला कि तुम्हारा नाम स्वर्णा लक्ष्मी है, आपके नाम से अरेस्ट वारंट है। मनी लॉन्ड्रिंग केस में आपका अरेस्ट वारंट आया है। मैं दिरायगंज पुलिस स्टेशन दिल्ली से पुलिस आफिसर खन्ना बोल रहा हूं। आपका दिल्ली के केनरा बैंक अकाउंट है। आपके खाते में करोड़ों का नरेश गोयल से कैश का लेनदेन हुआ है। आपको सुप्रीम कोर्ट दिल्ली आना पड़ेगा। आप सीनियर सिटीजन हैं आपको क्या बीमारियां हैं? महिला ने कहा कि शुगर, बीपी, घुटने का दर्द है तो उसने कहा को आपको आने की जरूरत नहीं है और वीडियो कॉल के माध्यम से कहा कि आपको सुप्रीम कोर्ट में हाजिर करवा देंगे। **बोला- नरेश के आदमी जान से मार देंगे:** एमओ एप के जरिए वीडियो सर्विलेंस पर कॉल किया गया। आरोपियों ने हम लोगों से कहा कि आप कहीं इधर-उधर नहीं जाना। यह बात किसी से नहीं बोलना, नहीं तो आपकी जान को खतरा है। क्योंकि आपका केस सीक्रेट सुपरविजन अकाउंट के अंदर आता है।

मध्यप्रदेश की बढ़ी विदेशी निर्यात क्षमताः मुख्यमंत्री

भिंड में औद्योगिक ईकाई का सीएम ने किया शुभारंभ

विशेष संवाददाता, भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि सरकार की नीतियों और बेहतर औद्योगिक वातावरण के चलते मध्यप्रदेश में निवेश लगातार बढ़ता जा रहा है। प्रदेश का विदेशी निर्यात भी बढ़कर 76 हजार करोड़ हो गया हैं। प्रदेश में कोई समुद्री सीमा नहीं है, लेकिन हमारे उत्पाद 7 समंदर पार पहुंच रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने यह बातें बुधवार को भिंड जिले के मालनपुर में एक औद्योगिक संस्थान की चौथी इकाई का शुभारंभ करने के उपरांत कही। उन्होंने कहा कि हमने औद्योगिक संस्थानों से केवल एमओयू नहीं किए,बल्कि उन्हें धरातल पर भी उतारा है। अगर राष्ट्रीय स्तर पर देखे ,तो जितने भी एमओयू होते हैं, उसका 10 फीसदी ही धरातल पर उतरता है, लेकिन अब मध्यप्रदेश में 30 प्रतिशत से भी ज्यादा निवेश मूर्त रुप ले रहे है। 10 लाख करोड़ से ज्यादा का निवेश ■ शेष पृष्ठ 7 पर

जनवरी में होगी जीआईएस

मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश में निवेश को बढ़ावा देने के लिए जनवरी 2027 में ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट का आयोजन किया जाएगा,जिसका शुभारंभ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार मध्यप्रदेश को देश का अग्रणी राज्य बनाने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। राज्य में तेजी गति से आ रहे निवेश से रोजगार के अवसर उपलब्ध हो रहे हैं,यही वजह है कि मध्यप्रदेश में बेरोजगारी दर सबसे कम है।

Jawaharlal Nehru College of Technology Rewa
JNCT REWA VACANCIES
Application are invited for the following faculty position in various departments.

Post	Department	Qualification
Prof./Asso. Prof./Asst. Prof.	Civil	M.Tech/Ph.D.
Prof./Asso. Prof./Asst. Prof.	Mining	B.Tech/M.Tech
Prof./Asso. Prof./Asst. Prof.	Mechanical	M.Tech/Ph.D.
Prof./Asso. Prof./Asst. Prof.	Computer Science	M.Tech/Ph.D.
Prof./Asso. Prof./Asst. Prof.	Electrical	M.Tech/Ph.D.
Prof./Asso. Prof./Asst. Prof.	Maths	M.Sc/Ph.D.
Prof./Asso. Prof./Asst. Prof.	Physics	M.Sc/Ph.D.
Prof./Asso. Prof./Asst. Prof.	Chemistry	M.Sc/Ph.D.
Prof./Asso. Prof./Asst. Prof.	English	MA/Ph.D.
Prof./Asso. Prof./Asst. Prof.	EC	M.Tech/Ph.D.
Prof./Asso. Prof./Asst. Prof.	MBA	MBA/Ph.D.
Prof./Asso. Prof./Asst. Prof.	Pharmacy	M.Pharma/Ph.D.

Last Date for Submission of Resume and all documents Including Adhar and PAN is 02/09/2026
Interview Date 3rd Sep. 2026
Venue : JNCT Campus, Bypass Crossing, Ratahra, Rewa
E-mail : principal_jnct@yahoo.com Mobile : 8109412689, 9111100493

राम मंदिर चढ़ावा चोरीकांड: चंपत राय की डायरी से कई बड़े खुलासे

चुनाव के चलते एफआईआर नहीं कराई, नृपेंद्र मिश्र के पीछे कौन

अयोध्या, जेएनएन। राम मंदिर के पूर्व महासचिव चंपत राय की डायरी की चौंकाने वाली बातें सामने आई हैं। सूत्रों के मुताबिक, डायरी में उन्होंने लिखा है कि चढ़ावा चोरी का मामला सामने आने के तुरंत बाद एफआईआर इसलिए नहीं कराई, क्योंकि उन्हें आशंका थी कि जांच में मामला लंबा खिंच सकता है। इसका असर आगामी विधानसभा चुनाव पर पड़ सकता है।

चंपत राय ने मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा की भूमिका पर भी सवाल उठाए हैं। कहा- उन्होंने मीडिया चैनल को दिए इंटरव्यू में चढ़ावा चोरी को डकैती करार दिया। इससे समाज में गलत संदेश गया। इसलिए एक संत ने मुझसे बातचीत के दौरान नृपेंद्र मिश्र को खलनायक कहा था। चंपत राय ने डायरी में सवाल उठाए हैं कि नृपेंद्र मिश्रा जैसे अनुभवी व्यक्ति ने चार दिनों में 14 चैनलों से बातचीत क्यों और किसके इशारे पर की। उन्होंने पिछले 6 साल में समिति की बैठकों के बारे में लिखा है।

चंपत ने लिखा- नृपेंद्र मिश्र को बताई थी पूरी बात

चंपत राय

चंपत राय

डायरी के अनुसार, 7 जून को चढ़ावा चोरी का मामला सामने आने के अगले दिन मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र और नेशनल बिल्डिंग कंस्ट्रक्शन कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एनबीसीसी) के पूर्व चेयरमैन अनूप कुमार अयोध्या पहुंचे थे। करीब 2 घंटे तक बातचीत हुई। मैंने, पूर्व ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्र और गोपाल राव ने पूरी जानकारी दी। नृपेंद्र मिश्र ने पूछा कि पुलिस में एफआईआर क्यों नहीं कराई गई। इस पर मैंने उनसे कहा कि अगर पुलिस को मामला सौंप दिया जाता तो पूछताछ और कार्रवाई के सभी अधिकार पुलिस के पास चले जाते। उसका क्या परिणाम होगा, यह कहना मुश्किल था।

संतों को भी दी गई मामले की जानकारी

बैठक के बाद मैंने कई संतों से फोन पर बात की। उन्हें चढ़ावा चोरी के बारे में जानकारी दी। संतों को अयोध्या भी बुलाया। उन्होंने खबरों को निराधार बताते हुए संतों से उन पर ध्यान नहीं देने की अपील की। संतों ने उनकी बात स्वीकार की। हालांकि, बैठक में कौन-कौन से संत शामिल हुए थे, इसका जिक्र नहीं है। चंपत राय ने लिखा कि 3 दिनों तक 11-11 घंटे बैठकर चढ़ावा चोरी का काफी हिस्सा मैंने वापस प्राप्त किया।

तबीयत खराब होने के बाद भी भैयाजी जोशी से मिलने लखनऊ पहुंचा

डायरी के अनुसार, 9 जून को मेरी तबीयत खराब थी। इसके बावजूद मैं 10 घंटे मंदिर परिसर के पीएफसी भवन में बैठा रहा। 10 जून को मैं बिस्तर से उठ नहीं पा रहा था। उसी रात गोपाल राव को भैयाजी जोशी का फोन आया। मुझे, अनिल और गोपाल को 11 जून की शाम तक लखनऊ पहुंचने के लिए कहा गया। गोपाल राव ने मेरी तबीयत खराब होने की बात कही। इस पर मैंने कहा कि मैं भी लखनऊ जाऊंगा, ताकि मामले से जुड़ी सभी बातें सही रूप में सामने आ सकें। हम तीनों लखनऊ गए। भैयाजी जोशी से मुलाकात की।

आईटीएटी का फैसला टैक्स शून्य तो रिफंड पर करदाता का पूरा अधिकार

आयकर विभाग ने टैक्स जमा करने दिया नोटिस, उल्टे देने पड़े 5 लाख

नई दिल्ली, जेएनएन। अगर किसी व्यक्ति पर कानून के मुताबिक कोई टैक्स देनदारी नहीं बनती, तो सरकार उसके नाम पर पहले से काटी गई टैक्स की रकम रोक नहीं सकती। दिल्ली के एक मामले में आयकर अपीलीय न्यायाधिकरण (आईटीएटी) ने आयकर विभाग को इसी आधार पर बड़ा झटका दिया है। ट्रिब्यूनल ने 5,31,680 रुपए के टीडीएस को करदाता को वापस करने का आदेश दिया है। दरअसल, वित्त वर्ष 2019-20 में दिल्ली के जोरबाग निवासी एक करदाता ने तय समयसीमा में अपनी मूल आईटीआर दाखिल नहीं की थी। बाद में आयकर विभाग को इनसाइट पोर्टल के जरिए 27 मार्च 2023 को नोटिस जारी किया। नोटिस के जवाब में करदाता ने रिटर्न दाखिल की और करीब 1.38 करोड़ रुपए का बिजनेस लॉस दिखाया। और टीडीएस के पैसे वापस मांगे।

आयकर विभाग ने रिफंड देने से किया इंकार

विभाग ने रिफंड देने से इनकार करते हुए कहा कि करदाता ने मूल रूप से धारा 139 के तहत आईटीआर दाखिल नहीं की थी। विभाग के मुताबिक, धारा 148 के नोटिस के जवाब में दाखिल रिटर्न में पहली बार रिफंड का दावा किया गया था, इसलिए उसे स्वीकार नहीं किया जा सकता। करदाता ने इस फैसले को सीआईटी(ए) के सामने चुनौती दी, लेकिन वहां भी उन्हें राहत नहीं मिली। इसके बाद मामला आईटीएटी दिल्ली पहुंचा।

फैसले में कोर्ट ने क्या कहा

11 अगस्त 2026 को आईटीएटी की दिल्ली बेंच ने मामले की सुनवाई की और विभाग की दलील को खारिज कर दिया। ट्रिब्यूनल ने माना कि अगर री-असेसमेंट के बाद करदाता की टैक्सेबल इनकम शून्य है, तो उसके नाम पर पहले काटी गई टीडीएस की रकम को सरकार अपने पास नहीं रख सकती। इस मामले में सेक्शन 237 भी महत्वपूर्ण है।

संविधान का आर्टिकल 265 भी अहम

ट्रिब्यूनल ने संविधान के आर्टिकल 265 का भी हवाला दिया। इसके मुताबिक, कानून के अधिकार के बिना कोई टैक्स वसूला नहीं जा सकता यानी अगर किसी व्यक्ति पर कानून के मुताबिक टैक्स देनदारी शून्य है, लेकिन उसके नाम पर पहले ही ?5.31 लाख टीडीएस काट लिया गया है, तो वह रकम सरकार के पास टैक्स के रूप में रखने का आधार नहीं बनती।

ऑटो और ई-रिक्शा की नोएंट्री के बाद भी बाजार में रेंगते रहे वाहन

निर्धारित पॉइंट पर पुलिसकर्मी तैनात किये जाने के बाद भी मुख्य बाजार में रही जाम की स्थिति

जागरण, रीवा। शिल्पी प्लाजा और प्रकाश चौराहा क्षेत्र में बुधवार से तीन दिन के लिए ऑटो एवं ई-रिक्शा की नो-एंट्री के बाद भी त्योहारी भीड़ के चलते दिनभर जाम की स्थिति बनी रही। त्योहारी भीड़ को देखते हुए यातायात पुलिस द्वारा प्रतिबंधित क्षेत्र में वाहन रोकने के लिए पुलिसकर्मी तैनात किए जाकर डायवर्टेड रूट का पालन कराया गया फिर वाहनों का रेला समाप्त नहीं हुआ। ईद मिलादुन्नवी का पर्व होने के कारण शहर के हर मार्ग पर वाहनों की खासी भीड़ रही। लोगों को आने जाने में परेशानी के साथ-साथ समय भी लगा। शहर में रक्षाबंधन त्योहार को लेकर भीड़ की वजह से जाम की समस्या बढ़ गई है। बाजार में जगह-जगह राखी की दुकानें सज गई हैं जिस कारण राखी एवं अन्य सामान्य की खरीदारी करने वालों की भीड़ गई है। शिल्पी प्लाजा क्षेत्र में चारों तरफ अत्यधिक वाहनों का रेला नजर आया। पुलिस तैनात होने के बावजूद व्यवस्था असहाय नजर आई। बताया गया है कि प्रकाश चौराहा से कॉलेज चौराहे तक जाम में फंसे सैकड़ों वाहन रेंगते रहे। त्योहार शुरू होते ही बाजारों में भीड़ बढ़ गई है। यहां तक कि दोपहिया वाहनों को भी आगे बढ़ने मशक्कत करनी पड़ी। बीच-बीच में चार पहिया वाहनों के आ जाने की वजह से स्थिति यह बनी कि दो वाहन आमने-सामने आ गए। जिससे दोनों वाहन वहीं खड़े रहे। जाम खुलवाने में पुलिस को भी पसीना बहाना पड़ा।

गौरतलब है कि त्योहारी भीड़ के बीच बाजार को जाम से बचाने के लिए यातायात पुलिस द्वारा शिल्पी प्लाजा और प्रकाश चौराहा क्षेत्र में तीन दिन के लिए ऑटो और ई-रिक्शा की एंट्री रोकने का निर्णय लिया गया है। पार्किंग के लिए स्थान भी निश्चित कर दिए गए हैं। यह व्यवस्था 28 अगस्त तक सुबह 10 बजे से रात 10 बजे तक लागू रहेगी। इस व्यवस्था को बनाने के लिए विशेष स्थलों पर 22 पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं। जिसमें 8 पुलिसकर्मी यातायात थाने के और 14 पुलिसकर्मी का बल पुलिस लाइन बुलाया गया है। कॉलेज चौराहा से शिल्पी प्लाजा की ओर आने वाले ऑटो और ई-रिक्शा आस्था मार्केट से आगे नहीं जाने दिया जा रहा है। पीली कोठी से शिल्पी प्लाजा की ओर आटो और ई-रिक्शा नहीं जा पा रहे हैं। खन्ना चौराहा से स्टेच्यू चौराहा एवं शिल्पी प्लाजा की ओर भी नहीं जाने दिया जा रहा है। अस्पताल चौराहा से प्रकाश चौराहा की ओर भी आटो प्रतिबंधित है इन्हे अमहिया की ओर डायवर्ट किया गया है।

10 पॉइंट पर तैनात किया गया है बल

व्यवस्था बनाने के लिए मानस भवन, रसिया मोहल्ला, अस्पताल चौराहा, कला मंदिर तिराहा, पीली कोठी गेट, स्वागत भवन चौराहा, प्रकाश चौराहा और खन्ना चौराहा में ड्यूटी पॉइंट लगाये गये हैं। चार पहिया वाहनों की पार्किंग के लिए प्रिंस पैलेस चौराहा, साईं मंदिर पार्किंग, अग्रसेन चौक, पुराने कोर्ट के सामने, शिल्पी प्लाजा के पीछे, गंगा क्लाज पार्किंग और स्वागत भवन में व्यवस्था की गई है।

जल भराव क्षेत्रों में उप मुख्यमंत्री का जमीनी निरीक्षण लगातार जारी

बाढ़ प्रभावित ग्रामीण क्षेत्रों में पहुंचे : ग्रामीणों से किया संवाद

जागरण, रीवा। रीवा जिले में पिछले दिनों हुई मूसलाधार बारिश और नदियों के उफान के बाद पैदा हुई जल भराव की स्थिति का जायजा लेने के लिए उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल लगातार बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के भ्रमण में हैं। आपदा की इस घड़ी में ग्राउंड जीरो पर जनता के बीच पहुंचकर व्यवस्थाएं दुरुस्त कराने के क्रम में आज उन्होंने जिले के कई गंभीर रूप से प्रभावित ग्रामीण अंचलों का व्यापक भ्रमण किया।

उप मुख्यमंत्री ने जल जमाव से प्रभावित ग्राम लक्ष्मणपुर, मैरहा टोला, लोही, भटलो और कोठी सहित आसपास के बाढ़ प्रभावित ग्रामीण क्षेत्रों का सघन निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों से व्यक्तिगत रूप से भेंट की और उनके नुकसान की जानकारी ली। संकटग्रस्त परिवारों से आत्मीयता के साथ चर्चा करते हुए उप मुख्यमंत्री ने कहा कि यह कठिन समय है, लेकिन सरकार पूरी मजबूती के साथ आपके साथ खड़ी है। किसी भी नागरिक को बेसहारा नहीं रहने दिया जाएगा और हर संभव सहायता त्वरित गति से पहुंचाई जाएगी। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने मौके पर मौजूद प्रशासनिक अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि प्रभावित गांवों में बिजली, सड़क, संचार और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी सुविधाओं को जल्द से जल्द बहाल करें। जलभराव के बाद बीमारियों के फैलने की आशंका को देखते हुए उप मुख्यमंत्री ने स्वास्थ्य विभाग और स्थानीय प्रशासन को विशेष प्रबंध करने के निर्देश देते हुए कहा कि घर-घर स्वास्थ्य परीक्षण और पर्याप्त दवाइयों की उपलब्धता सुनिश्चित कराएं। शुद्ध पेयजल के टैंकरों की व्यवस्था और जल स्रोतों का क्लोरीनीकरण करें, ताकि संक्रामक बीमारियों से बचा जा सके।

बाठिया गेट के पास दो बाइकों की भिड़ंत, छह घायल

मैहर। बाठिया गेट के पास बुधवार शाम दो बाइकों की आमने-सामने हुई भिड़ंत में छह लोग घायल हो गए। हादसे में दो युवकों को गंभीर चोटें आई हैं। सूचना पर पहुंची डायल-112 की टीम ने सभी घायलों को सिविल अस्पताल मैहर पहुंचाया, जहां उनका उपचार चल रहा है। गंभीर घायलों को चिकित्सकों की निगरानी में रखा गया है। जानकारी के अनुसार दिठौरा निवासी अभिषेक साकेत, महेंद्र साकेत और सूरज साकेत बुधवार को एक बाइक से अपने दोस्त का जन्मदिन मनाकर वापस लौट रहे थे। शाम करीब पांच बजे वे बाठिया गेट के पास पहुंचे। इसी दौरान सड़क किनारे खड़ी दूसरी बाइक में उनकी बाइक जा भिड़ी। टक्कर इतनी तेज थी कि दोनों बाइकों पर सवार लोग सड़क पर गिरकर घायल हो गए। बताया गया कि कटनी जिले के खेरवा निवासी आशीष कुमार शाहू अपने बेटे के साथ नादन आए थे। उन्हें अपनी बहन को लेने जाना था। रास्ते में बाइक में तेल खत्म होने के कारण उन्होंने बाठिया गेट के पास सड़क किनारे बाइक रोक दी थी। इसी दौरान पीछे से तेज गति से आ रही बाइक ने उनकी खड़ी बाइक को टक्कर मार दी। अचानक हुई टक्कर के कारण दोनों बाइक सवारों को संभलने का मौका नहीं मिला। हादसे में सूरज साकेत और राहुल शाहू को गंभीर चोटें आई हैं।

बाढ़ प्रभावितों का सर्वे कर उचित मुआवजा दे प्रशासन : अविराज

रीवा। भारी बारिश के बाद रीवा शहर के कई इलाकों में बाढ़ जैसे हालात से लोगों के घरों,दुकानों और आजीविका से जुड़ी सामग्री को भारी नुकसान हुआ है। इस गंभीर समस्या को लेकर समाजसेवी अविराज ने कलेक्टर को पत्र लिखकर प्रशासन से तत्काल प्रभावित क्षेत्रों का सर्वे कराने की मांग की है। अविराज ने कहा कि जिन परिवारों ने अपनी मेहनत की वर्षों की कमाई को बाढ़ में बर्बाद होते देखा है,उनके नुकसान का निष्पक्ष आकलन कर उचित मुआवजा दिलाना प्रशासन की जिम्मेदारी है। उन्होंने मांग की कि राजस्व एवं संबंधित विभागों की संयुक्त टीम बनाकर प्रत्येक प्रभावित क्षेत्र का घर-घर सर्वे कराया जाए। घरों, दुकानों,घरेलू सामान और आजीविका को हुए नुकसान का वास्तविक आकलन कर पात्र परिवारों एवं व्यापारियों को शासन के नियमानुसार आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि वास्तविक रूप से प्रभावित एक भी परिवार अपने हक और अधिकार की सहायता से वंचित न रहे,हर पीड़ित को न्यायसंगत राहत और उचित मुआवजा सुनिश्चित किया जाए।

निपनिया बाढ़ः जान तो बचा लिया,डूब गए आटो-कार व बाइक सहित मशीनरी

कई दिनों से धूप नहीं निकलने से बाढ़ में भीगे कपड़े व अन्य सामान सूख नहीं पा रहा

जागरण, रीवा। शहर में बीहर नदी के किनारे बसा निपनिया बहुत पुराना मोहल्ला है। यहां की पुरानी बस्ती, जो नदी के किनारे होते हुए भी बाढ़ के प्रकोप से मुक्त रहती है। लेकिन निचले क्षेत्रों में जिन्होंने अपने घर बना लिए हैं वहां बाढ़ अपना असर दिखाती है। लेकिन साल-दर-साल आने वाली बाढ़ को झेलते-झेलते यहां के लोग अभ्यस्त हो चुके है। सन् 1997 में आई बाढ़ के दौरान भी पुरानी बस्ती तक बाढ़ का पानी नहीं पहुंचा था। लेकिन निचले क्षेत्र में बने घरों की पूरी एक मंजिल डूब गई और लोगों का भारी नुकसान हुआ था। इसके बाद यहां के अधिकांश लोगों ने अपने मकान दो मंजिला बना लिए हैं और नदी में बाढ़ का पानी बढ़ता देखकर पहले ही सतर्क हो जाते हैं। उन्हें मालूम रहता है कि कितनी वर्षा होने पर कितना पानी चढ़ता है। उसी हिसाब से वर्षा होने पर अपनी तैयारी कर लेते हैं। ऐसा नहीं है कि बाढ़ आने पर लोग परेशान नहीं होते और उनका नुकसान नहीं होता। लेकिन नुकसान कम से कम होता है।

इस मोहल्ले में बसे लोगों के घरों में भी बाढ़ के प्रकोप के निशान अब भी विद्यमान हैं। जिन लोगों के घर एक मंजिला के हैं या फिर बिना छत के टीनशेड वाले हैं, वहां भी हालात अन्य मोहल्लों जैसे ही हैं। उनकी पूरी गृहस्थी का सामान खाने पीने से लेकर ओढ़ने बिछाने और पहनने के कपड़े तक नहीं बचे हैं। दैनिक जागरण की टीम ने जब मोहल्ले का दौरा कर लोगों से बातचीत करके उनकी समस्याओं को जानने की कोशिश की तो बताया गया कि घर में रखा अनाज और कपड़े सभी कुछ भीग गया है। बाढ़ के बाद से किसी भी दिन धूप भी नहीं निकली है जिस कारण कपड़े एवं अन्य सामान सूख नहीं पा रहे हैं। ऐसे ही जाग कर रात काटनी पड़ती है। यहां लोगों का वही सामान भीगा या खराब हुआ है जो ऊपर नहीं ले जाया जा सकता था। कमोवेश सभी घरो में मौजूद गाड़ियों को नुकसान हुआ है। इसके अलावा अन्य बड़े सामान भीगे हैं। निपनिया निवासी रामू निषाद पुत्र संजय निषाद की नीचे की मंजिल पर बैटरी वाली ऑटो खराब हो गई है। अन्य सामान सुरक्षित है। ठइसी मोहल्ले में रहने वाले शारदा प्रसाद वर्मा के घर में पानी घुसने से गृहस्थी का पूरा सामान खराब हो गया है। उन्हे 40-50 हजार का नुकसान हुआ है।

ओढ़ने बिछाने के कपड़े नहीं सूख पा रहे

निपनिया मोहल्ले में 20 साल से रह रही रुबीना बेगम बताती है कि उसका एक मंजिला मकान है। पूरा घर में टीनशेड लगा हुआ है। बाढ़ के कारण गृहस्थी का पूरा समान भीग गया है और धूप नहीं निकलने के कारण सूख भी नहीं पा रहा है। उसके पति सोनू खान ऑटो मिस्त्री का करते हैं। उसके ओढ़ने बिछाने के कपड़े और सोफा आदि से पानी टपक रहा था। उसने बताया कि कुछ सामान पड़ोसी के ऊपरी मंजिल में रख दिया था, जिस कारण खाने-पीने की समस्या नहीं है।

नीचे की मंजिल पर पानी भरा था, जो उतर गया

उत्तर प्रदेश से रीवा आकर अनंत लाल वर्मा इस मोहल्ले में 20 साल से रह रहे हैं। उनका दो मंजिला मकान बना हुआ है। वह बिजली फिटिंग का काम करते हैं। उनका नुकसान कुछ नहीं हुआ है। नीचे के मंजिल पर पानी भरा था, जो उतर गया है।

कंप्रेशर मशीन सहित पूरी मशीनरी डूबी रही

इसी मोहल्ले में शमीम खान का तीन मंजिला मकान बना हुआ है। बाढ़ आने पर नीचे मंजिल में रखी दो मोटरसाइकिलें डूब जाने के कारण खराब हो गईं। बाकी सामान नीचे से ऊपर ले गए थे। इन्हीं के परिवार में अलग हिस्से में रहने वाले अमीन खान की नीचे के मंजिल पर रखे कंप्रेशर मशीन सहित पेंटिंग का सामान डूब जाने से नुकसान हुआ है। इस सामान को ऊपर नहीं ले जाया जा सकता था। इसलिए खराब हुआ है।

ऑटो डूबा रहा शेष सामान सुरक्षित

निपनिया निवासी राकेश सोंधिया ऑटो चलाते हैं। बाढ़ आने पर उनका ऑटो डूब गया है जिससे उसे नुकसान हुआ है। उनका दो मंजिला मकान है, जिस कारण अधिकांश सामान ऊपर ले गये। उनका ऑटो के अलावा बाकी कोई नुकसान नहीं हुआ है।

उप मुख्यमंत्री ने दिवंगत आत्मा को दी श्रंद्धाजलि

रीवा। उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने पन्नालाल गौतम जी के सुपुत्र के आकस्मिक निधन के पश्चात उनके निवास पहुंचकर दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत आत्मा की सद्गति हेतु प्रार्थना की तथा शोक-संतप्त परिजनों को यह दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की कामना की।

पुलिस कर्मी ने चौकीदार को पीटा

सतना । सिविल लाइन थाना क्षेत्र स्थित प्रतिहार होटल में चौकीदार से पुलिसकर्मी द्वारा कथित मारपीट का मामला सामने आया है। आरोप है कि आइसक्रीम देने से मना करने पर पुलिसकर्मी ने चौकीदार के साथ मारपीट की। घटना मंगलवार देर रात की बताई जा रही है जबकि इसका वीडियो बुधवार को सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। बताया गया कि मंगलवार देर रात होटल संचालक काउंटर बंद कर घर जा चुके थे। उस समय होटल में चौकीदार रामदेव प्रजापति मौजूद था। रामदेव मानिकपुर जिला चित्रकूट का निवासी है। रामदेव के अनुसार वह रात का खाना खा रहा था। इसी दौरान कोलगवां थाने में पदस्थ पुलिसकर्मी होटल पहुंचे और उन्होंने चौकीदार से आइसक्रीम मांगी। रामदेव ने बताया कि होटल का काउंटर बंद हो चुका था इसलिए उसने आइसक्रीम देने में असमर्थता जताई। आरोप है कि इसी बात से नाराज होकर पुलिसकर्मी ने उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। चौकीदार के मुताबिक अचानक हुई मारपीट से वह खुद को बचा नहीं पाया। इसी दौरान मौके पर मौजूद एक अन्य पुलिसकर्मी ने हस्तक्षेप कर बीच.बचाव किया जिसके बाद मामला शांत हुआ। होटल में लगे सीसीटीवी कैमरे में घटना रिकॉर्ड होने की बात सामने आई है। मंगलवार को हुई इस घटना का वीडियो बुधवार को सोशल मीडिया पर शेयर किया जा रहा है। वीडियो में चौकीदार के साथ मारपीट का घटनाक्रम दिखाई देने का दावा किया जा रहा है। पीड़ित रामदेव प्रजापति ने 181 पर शिकायत दर्ज कराकर कार्रवाई की मांग की है।

सूचना

जागरण पब्लिकेशन प्रा. लि. किसी तृतीय पार्टी के उत्पादकों वस्तुओं या सेवाओं का समर्थन नहीं करती है और न ही किसी तृतीय पार्टी के विज्ञापनों में छपी किसी जानकारी की सच्चाई या विश्वसनीयता की पुष्टि करती है। जागरण पब्लिकेशन प्रा. लि. पाठकों को प्रेरित करती है कि वे ऐसे किसी भी विज्ञापनदाता के साथ कोई भी लेन-देन करने की कार्रवाई से पहले उचित व जरूरी समझे जाने वाली जांच पड़ताल कर लेवे।

आवश्यकता है

ऑफिस कार्य हेतु महिलाओं एवं युवतियों की योग्यता 10वीं, 12वीं मान्य, सैलरी 6000 कमीशन के साथ 10,000 से 15000 महीना कमाये। शीघ्र संपर्क करें:-8982665514, 8349969546 RN.-86745(1/9)

लोन

लोन फाईनेंस सर्विस रीवा संभाग में विशेष लोन व्यवस्था मुद्रा लोन, आधार कार्ड, मार्कशीट, पर्सनल, कृषि लोन और सभी प्रकार के लोन 2% ब्याज 50% छूट (एजेंट आमंत्रित) संपर्क - 8962086944

गुप्त रोगों का स्थाई इलाज का एकमात्र संस्थान
हरिओम क्लीनिक
डॉ.एम.के. पाण्डेय (B.A.M.S.)
डॉ. आर.एल. इटार (रि.)
रिलायंस पेट्रोल पम्प के पीछे इन्द्रा नगर, रीवा (म.प्र.)
9425185686
9424708662
नोटः फोन करें साधन उपलब्ध

भैंस को बचाने के प्रयास में पलटा तेज रफ्तार ऑटो, एक की मौत, 8 घायल

जागरण, सीधी। बहरी थाना क्षेत्र के ग्राम टर्टी के पास बुधवार दोपहर करीब 1 बजे तेज रफ्तार ऑटो सामने आई भैंस को बचाने के प्रयास में अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गया। हादसे में ऑटो सवार ग्राम छुहिया निवासी संत कुमार प्रजापति उम्र 48 वर्ष की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कई लोग घायल हो गए। घायलों में से आठ को उपचार के लिए जिला अस्पताल सीधी लाया गया, जहां दो की हालत गंभीर होने पर उन्हें रीवा रेफर किया गया है। जानकारी के अनुसार ऑटो में करीब 20 लोग सवार थे। बुधवार दोपहर ऑटो टर्टी गांव के पास से गुजर रहा था। इसी दौरान सड़क पर अचानक एक भैंस आ गई। चालक ने भैंस को बचाने का प्रयास किया, लेकिन तेज रफ्तार के कारण ऑटो अनियंत्रित हो गया और सड़क पर पलट गया। दुर्घटना के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। हादसे में ग्राम छुहिया निवासी संत कुमार प्रजापति 48 वर्ष की गंभीर चोट लगने से मौके पर ही मौत हो गई। दुर्घटना में पुष्पा साकेत 42वर्ष, रानु पाण्डेय 47 वर्ष, प्रवीण साकेत 15 वर्ष, चंदन साकेत 16 वर्ष, आशा सेन 65 वर्ष, संत कुमार सोंधिया 42 वर्ष, पूजा सोंधिया 48 वर्ष समेत अन्य लोग घायल हुए हैं। बहरी थाना प्रभारी राजेश पाण्डेय ने बताया कि पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर लिया है। दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत हुई है और कई लोग घायल हुए हैं। पुलिस ने मर्ग कायम कर दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है। घायलों को 108 एंबुलेंस की मदद से जिला अस्पताल सीधी पहुंचाया गया। उपचार के दौरान पुष्पा साकेत और रानु पाण्डेय की हालत गंभीर बताई गई। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद दोनों को बेहतर इलाज के लिए रीवा स्थित संजय गांधी स्मृति चिकित्सालय रेफर कर दिया।

बीजपुर पुलिस ने दहेज हत्या के आरोपी को किया गिरफ्तार

बैढ़न। सोनभद्र थाना बीजपुर पुलिस ने एसपी के निर्देशन में जनपद में अपराध की रोकथाम एवं वांछित/वारण्टी अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु चलाए जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) त्रऋभ रुणवाल एवं क्षेत्राधिकारी दुद्धी विनय प्रभाकर साह्नी के निर्देशन में थाना बीजपुर पुलिस को महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई। 26.08.2026 को थाना बीजपुर पुलिस टीम द्वारा मु0अ0सं0 94/2026, धारा 80(2), 85 बीएनएस एवं 3/4 डीपी एक्ट से संबंधित वांछित अभियुक्त की गिरफ्तारी हेतु क्षेत्र में तलाश एवं दबिश की जा रही थी। इसी दौरान मुखबिर खास की सूचना पर पुलिस टीम द्वारा प्रभावी कार्रवाई करते हुए अभियुक्त सोनू पुत्र स्व0 रामलाल, निवासी ग्राम सिरसोती, थाना बीजपुर, जनपद सोनभद्र, उम्र करीब 24 वर्ष को शिव मंदिर सिरसोती के पास से प्रातः करीब 05:42 बजे गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध नियमानुसार आवश्यक विधिक कार्रवाई पूर्ण करते हुए उसे न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जा रहा है। गिरफ्तार अभियुक्त का विवरण सोनू पुत्र स्व0 रामलाल निवासी ग्राम सिरसोती, थाना बीजपुर, जनपद सोनभद्र उम्र करीब 24 वर्ष। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम थानाध्यक्ष राजेश कुमार सिंह, थाना बीजपुर उ0नि0 कमलाकान्त पाण्डेय, हे0का0 भानू प्रताप यादव, का0 कृष्ण कुमार गुप्ता सोनभद्र पुलिस द्वारा वांछित एवं वारंटी अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु अभियान लगातार जारी है।

उत्तर मध्य रेलवे

खुली निविदा सूचना सं: JHSW-M-S-RB-2026-27-8R1 दिनांक: 24.08.2026

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से अनुभवी या इच्छुक ठेकेदारों से ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं।

कार्य का नाम: वैगन मरम्मत कार्यशाला, झाँसी में रोलर बियरिंग शॉप की पीओएच गैर-मुख्य गतिविधियों के दौरान विविध वैगनों के व्हील सेट के रोलर बियरिंग को खोलने, साफ करने और स्थानांतरित करने की आउटसोर्सिंग।

कार्य की लागत : Rs. 33,57,259.38 /- (18% जीएसटी सहित), **अग्रिम राशि :** Rs. 67,200/- **कार्य पूरा होने का समय :** बारह महीने, ऑनलाइन टेंडर क्लोजिंग डेट और समय : 17.09.2026 समय 16:00 बजे तक। निविदा और निविदा प्रारूप के बारे में विस्तृत जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। 1975/26 (D)

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR

उत्तर मध्य रेलवे

L.No.: JHS-ELG-W-T-12-2026-27 Date: 21.08.2026

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति के लिये तथा उनकी ओर से वरि. मंडल विद्युत अभियन्ता (सामान्य), उत्तर मध्य रेल, झाँसी द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिये ऑनलाईन (ई-टेन्डरिंग) के माध्यम से खुली निविदायें आमंत्रित की जाती हैं।

निविदा सं.: झाँसी-ईएलजी-डब्ल्यू-टी-12-2026-27	**निविदा राशि:** रू. 62,31,256/- मात्र
कार्य का विवरण: विद्युत सामान्य कार्य: भाग-A: JHS डिवीज़नः- ग्वालियर में यात्री ट्रेनों के लिए त्वरित जल-भराव (क्विक वॉटरिंग) की सुविधा उपलब्ध कराना। भाग-B: JHS डिवीज़नः- बांदा (BNDA) में यात्री ट्रेनों के लिए त्वरित जल-भराव (क्विक वॉटरिंग) की सुविधा उपलब्ध कराना।	
बयाना राशि: रू. 1,24,600/- मात्र	**कार्य समापन अवधि:** 06 माह
निविदा बंद होने की तिथि: 14.09.2026 (15:00 बजे तक)	

निविदाकार निविदा दिनांक 14.09.2026 को 15:00 बजे तक आनलाईन जमा कर सकेंगे। पूर्ण विवरण एवं निविदा को प्रस्तुति करने के लिये भारतीय रेल के वेबसाईट http://www.ireps.gov.in पर देखें। 1984/26 (PH)

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर मध्य रेलवे

L. No. JHS-ELG-W-T-20-2026-27 Date:- 21.08.2026

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति के लिए तथा उनकी ओर से वरि. मंडल विद्युत अभियंता (सामान्य), उत्तर मध्य रेल, झाँसी द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिये ऑनलाईन (ई-टेन्डरिंग) के माध्यम से खुली निविदायें आमंत्रित की जाती हैं।

निविदा सं.: झाँसी-ईएलजी-डब्ल्यू-टी-20-2026-27	**निविदा राशि:** रू. 74,82,028/- मात्र
कार्य का विवरण: विद्युत सामान्य कार्यः- भाग-A: झांसी डिवीज़न: ADEN/GWL के तहत STLI-DHO और BLNR-UDMR सेक्शन में ज़रूरी सुविधाओं के साथ गैंग्स के लिए टूल-कम-रेस्ट रूम की व्यवस्था। **भाग-B:** झांसी डिवीज़न: ADEN/Line/JHS के तहत VGLJ-STLI सेक्शन में ज़रूरी सुविधाओं के साथ गैंग्स के लिए टूल-कम-रेस्ट रूम की व्यवस्था। **भाग-C:** झांसी डिवीज़न: Sr. DEN/N/JHS के तहत दतिया, अंतरी, ग्वालियर, सोनी और भिंड में ट्रैक मशीन डिपो स्टाफ़ के लिए रेस्ट रूम का निर्माण। **भाग-D:** झांसी डिवीज़न--ADEN/HQ-1/JHS के अधिकार क्षेत्र में CGN पर ट्रैक मशीन स्टाफ़ के लिए रेस्ट रूम और विभिन्न स्टेशनों पर रास्ते (पाथवे) की व्यवस्था।	
बयाना राशि: रू. 1,49,700/- मात्र	**कार्य समापन अवधि:** 06 माह
निविदा बंद होने की तिथि: 14.09.2026 (15.00 बजे तक)	

निविदाकार निविदा दिनांक 14.09.2026 को 15:00 बजे तक ऑनलाईन जमा कर सकेंगे। पूर्ण विवरण एवं निविदा को प्रस्तुति करने के लिए भारतीय रेल के वेबसाईट http://www.ireps.gov.in पर देखें।

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR 1985/26(K)

उत्तर मध्य रेलवे

क्रमांकः-झाँसी/डब्ल्यू/टी/टेण्डर जनरल/193 दिनांक: 24.08.2026

ई-टेन्डरिंग निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिये मण्डल रेल प्रबन्धक/कार्य/झाँसी निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाईन (ई-टेन्डरिंग) के माध्यम से खुली निविदा आमंत्रित करते है।

ई-निविदा सूचना संख्या: झाँसी-इन्जी.-सी-2026-193, **कार्य का नाम:** सप्लाई, स्टैकिंग एंड मेकेनाइज्ड लोडिंग ऑफ़ 150000 m^3 मशीन क्रश ट्रैक बलास्ट एज पर रेलवे स्पेसिफिकेशन आईआरएस-जीई-I-जून 2016 और लेटेस्ट एट खजरहा डिपो अंडर एडीईएन/ललितपुर सब डिवीजन।	
अनुमानित लागत (₹): ₹ 8,18,79,000.00	**अमानत राशि (₹)** ₹ 16,37,600.00
निविदा बन्द होने की तिथि : 15.09.2026 at 15:00 hrs.	
स्वीकृत पत्र जारी होने के समय से कार्य समापन/अवधि की तिथि : 15 माह।	

(1) निविदा दिनांक 15.09.2026 को 15:00 बजे तक ऑन लाईन जमा कर सकेंगे। (2) पूर्ण विवरण एवं निविदा को प्रस्तुति करने के लिए भारतीय रेल के वेब साइट www.ireps.gov.in पर देखें। 1979/26 (MG)

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर मध्य रेलवे

पत्र सं.: JHS/Comm/e-Auction/26/157 दिनांक: 25.08.2026

ई-नीलामी सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मण्डल रेल प्रबन्धक (वाणिज्य)-झांसी द्वारा निम्न दी गयी श्रेणियों के अनुसार ई-नीलामी आमंत्रित की जाती है :-

श्रेणी: पार्सल	**केटलोग संख्या:** JHS-Leasing-002
एसेट्स डिटेल्स: (1) ट्रेन संख्या-22194 में 01 एसएलआर- एफ-I, (2) ट्रेन संख्या- 12176 में 01 एसएलआर- एफ-I, (3) ट्रेन संख्या- 11086 में 01 एसएलआर- एफ-I, (4) ट्रेन संख्या-12049 में 01 एसएलआर- एफ-I, (5) ट्रेन संख्या- 22198 में 01 एसएलआर- एफ-I, (6) ट्रेन संख्या 22195 में 01 एसएलआर- एफ-I, (7) ट्रेन संख्या-12320 में 01 एसएलआर- आर-I	
ई-नीलामी प्रारम्भ की तिथि व समय: दिनांक 05.09.2026 को समय- 10:00 से	
ई-नीलामी समाप्त की तिथि व समय: दिनांक 05.09.2026 को समय- 11:30 तक	

नोट- उक्त ठेकों के आवंटन हेतु नीलामी केवल ऑनलाइन वेवसाइट- **www.ireps.gov.in** के **e-auction module** के माध्यम से की जाएगी। लॉट अनुसार विवरण उपर्युक्त केटलॉग संख्या के अंतर्गत उपलब्ध है। 1986/26 (A)

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर मध्य रेलवे

पत्र सं-C/JHS/158/GWL/WVMs/e-Auction/2026 दिनांक : 24.08.2026

ई-नीलामी सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मण्डल रेल प्रबन्धक (वाणिज्य)-झांसी द्वारा निम्न दी गयी श्रेणियों के अनुसार ई-नीलामी आमंत्रित की जाती है:-

श्रेणी : Misc-Static-Service-वाटर वेंडिंग मशीन आवंटन
एसेट्स डिटेल्स : झाँसी मंडल के विभिन्न रेलवे स्टेशन पर वाटर वेंडिंग मशीन के ठेके हेतु ई-नीलामी : वाटर वेंडिंग मशीन का विवरण : वाटर वेंडिंग मशीन (WVM) को झाँसी मंडल के निम्नलिखित रेलवे स्टेशनों के सर्कुलेटिंग एरिया में स्थापित किया जाना प्रस्तावित हैः दतिया (DAA), महाराजा छत्रसाल छतरपुर (MCSC), भिण्ड (BIX), ललितपुर (LAR), महोबा (MBA), वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी (VGLJ), उरई (ORAI), डबरा (DBA), ओरछा (ORC), टीकमगढ़ (TKMG), बाँदा (BNDA), पुखरायाँ (PHN), एवं हरपालपुर (HPP), प्रत्येक स्टेशन पर WVM की स्थापना हेतु निर्धारित सटीक स्थान/साइट, संबंधित साइट प्लान/लोकेशन विवरण, जो IREPS मॉड्यूल में उपलब्ध है, के अनुसार होगी। बोलीदाताओं/इच्छुक पक्षों को सलाह दी जाती है कि निविदा/ई-नीलामी में भाग लेने से पूर्व IREPS मॉड्यूल का अवलोकन कर संबंधित स्टेशन के साइट प्लान/ड्राइंग में दर्शाए गए स्थान का ध्यानपूर्वक संदर्भ लें।
केटलोग संख्या : JHS-WVM-CIRCULA
ई-नीलामी प्रारम्भ होने की तिथि व समय : दिनांक 14.09.2026 को 10:00 बजे
ई-नीलामी समाप्त होने की तिथि व समय : दिनांक 14.09.2026 को 12:30 बजे

नोट :- उक्त ठेकों के आवंटन हेतु नीलामी केवल ऑनलाइन वेवसाइट www.ireps.gov.in के e-auction module के माध्यम से की जाएगी। लॉट अनुसार विवरण उपर्युक्त केटलॉग संख्या के अंतर्गत उपलब्ध है। 1982/26 (C)

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @ CPRONC

मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियानः कृषि विभाग ने लगाया शिविर

रीवा। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत गत दिवस कृषि विभाग द्वारा जागरूकता शिविर का आयोजन गंगेव में किया गया। आत्मा परियोजना तथा राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन के तहत आयोजित शिविर में किसानों को कम अवधि तथा कम पानी में अच्छी उपज देने वाली फसलों की जानकारी दी गई। इस संबंध में यूपी बागरी ने बताया कि किसानों को धान तथा अन्य फसलों में खाद के संतुलित उपयोग तथा खरपतवार नियंत्रण की जानकारी दी गई। राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन में ग्राम कदैला और खरहरी पंजीकृत किसानों को प्राकृतिक खेती के विभिन्न आयामों की जानकारी दी गई। शिविर में किसानों को ईटोकन प्रणाली से खाद के वितरण, फार्मर आईडी बनाने तथा एग्रीस्टेक व्यवस्था का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया गया। किसानों को आत्मा परियोजना अधिकारी दीपक कुमार श्रीवास्तव ने मिट्टी का परीक्षण कराकर मृदा स्वास्थ्य कार्ड बनाने की जानकारी दी। शिविर में जैविक खेती, प्राकृतिक खेती तथा सिंचाई प्रबंधन की जानकारी दी गई।

रासनृत्य और भजनों के साथ होगी श्री कृष्ण लीला

मानस भवन में आयोजन 06 सितम्बर को

रीवा। नगर की अग्रणी लोकप्रिय संस्था मानस मंडल के आत्मिक आमंत्रण पर श्री कृष्ण जन्मोत्सव के शुभ अवसर पर हिन्दू धर्म परिषद एवं रिदम म्यूजिकल ग्रुप के संयुक्त तत्वाधान में आगामी 06 सितम्बर को सायं 06:00 बजे से स्थानीय मानस भवन के सभागार में श्री कृष्ण लीला का कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। राधा कृष्ण के रास नृत्यों के साथ कलाकारों द्वारा भजनों की प्रस्तुति की आनन्दमय झांकी प्रस्तुत की जायेगी। श्री कृष्ण लीला में एकल एवं समूह नृत्यो की प्रस्तुति के लिये सभी कलाकारों को आकर्षक और खुला मंच दिया जायेगा। भाग लेने वाले प्रतिभागी कार्यक्रम संयोजक नारायण डिगवानी, डॉ विनोद तिवारी, ऋषिशंकर मिश्रा, अवनीश शर्मा से अधिक जानकारी के लिये सम्पर्क कर सकते हैं। यह जानकारी हिन्दू धर्म परिषद के संयोजक सुमित माँजवानी, सह संयोजक उमेश कुशवाहा एवं संरक्षक अवधेश श्रीवास्तव अविराज ने संयुक्त जानकारी देते हुये सभी धर्म प्रेमी नागरिको से पधारने का आग्रह किया है।

पुण्यतिथि पर 'यादें मुकेश' संगीत संध्या आज

समदड़िया कॉम्पलेक्स वेंकट रोड में होगा आयोजन

रीवा। महान गायक मुकेश की पुण्यतिथि पर 27 अगस्त को सायं 5 बजे से यादे मुकेश की कार्यक्रम रिदम थयेटर हरदेव समदड़िया कॉम्पलेक्स व्यंकट रोड द्वितीय मंजिल में रिदम म्यूजिकल ग्रुप द्वारा आयोजित किया जा रहा है। जिसमें नगर के सभी गायक कलाकारों द्वारा यादगार गानों से मुकेश को स्मरण किया जायेगा। सभी प्रेमी कलाकारों एवं नागरिकों से आने का अनुरोध किया गया है। यह आयोजन रिदम ग्रुप के नये थियेटर के शुभारंभ अवसर पर हर दिल अजीज गायक मुकेश को समर्पित किया गया है। यह जानकारी ग्रुप के महासचिव पियूष मिश्रा ने दी है।

एक कमरे में पांच कक्षाएं, खुले आसमान तले पढ़ रहे बच्चे

चचाई की आदिवासी बस्ती में 28 साल बाद भी नहीं बना स्कूल भवन, शौचालय और पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाओं का अभाव

जागरण, रीवा

प्रदेश सरकार द्वारा सरकारी स्कूलों की दशा और दिशा सुधारने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं, लेकिन दूरस्थ आदिवासी बाहुल्य क्षेत्रों में इन प्रयासों की जमीनी हकीकत बेहद चिंताजनक है। सिरमौर विधानसभा क्षेत्र के ग्राम पंचायत चचाई स्थित शासकीय प्राथमिक पाठशाला आदिवासी बस्ती में बुनियादी सुविधाओं के अभाव में बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। यहां एक कमरे में कक्षा पहली से पांचवीं तक की कक्षाएं संचालित की जा रही हैं। सिरमौर मुख्यालय से करीब 10 किलोमीटर दूर स्थित इस विद्यालय में 102 बच्चे अध्ययनरत हैं। स्कूल में तीन शिक्षक पदस्थ हैं। विद्यालय वर्ष 1998 से संचालित है, लेकिन 28 वर्ष बीत जाने के बाद भी अपना भवन नहीं बन सका है। विद्यालय के पास दो कमरे हैं, जिनमें से एक का उपयोग मध्यान्ह भोजन और दूसरे का स्टोर के रूप में किया जा रहा है। ऐसे में बच्चों को खुले आसमान के नीचे अथवा उपलब्ध सीमित स्थान में पढ़ाई करने के लिए मजबूर होना पड़ता है।

पेयजल के लिए भी परेशानी

विद्यालय परिसर का हैंडपंप लंबे समय से खराब पड़ा है। भूजल स्तर नीचे चले जाने के कारण उससे पानी नहीं निकल रहा है। विद्यार्थियों और ग्रामीणों को गांव के कुएं से पानी लाना पड़ता है। ग्रामीणों के अनुसार कुएं का पानी भी दूषित है। गांव में नल-जल योजना के तहत बोर और पाइपलाइन तो बिछाई गई है, लेकिन मोटर नहीं होने से इसका लाभ ग्रामीणों को नहीं मिल पा रहा है।

शौचालय की भी बदहाल स्थिति

विद्यालय में बालक और बालिकाओं के लिए अलग-अलग शौचालय की सुविधा नहीं है। परिसर में बना एक जर्जर मूत्रालय ही कक्षा पहली से पांचवीं तक के सभी छात्र-छात्राओं के उपयोग में है। इससे विद्यार्थियों को असुविधा के साथ स्वास्थ्य और स्वच्छता को लेकर भी चिंता बनी रहती है।

दक्षता उन्नयन पर भी सवाल

जब विद्यालय में पर्याप्त कक्ष, शौचालय और पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाएं तक उपलब्ध नहीं हैं, तब दक्षता उन्नयन कार्यक्रम को शत-प्रतिशत सफल बनाने की चुनौती भी सामने है। ग्रामीणों का कहना है कि निजी स्कूलों से प्रतिस्पर्धा के दौर में सरकारी स्कूलों की ऐसी स्थिति बच्चों की संख्या में गिरावट का कारण बन सकती है।

कलेक्टर से भवन निर्माण की मांग

गांव के लोगों और जनपद सदस्य रामलाल कोल ने जिला कलेक्टर नरेंद्र सूर्यवंशी को पत्र लिखकर विद्यालय का भवन निर्माण कराने तथा आवश्यक भौतिक संसाधन उपलब्ध कराने की मांग की है। उनका कहना है कि लंबे समय से अधिकारियों और क्षेत्रीय विधायक को समस्या से अवगत कराया जा रहा है, लेकिन अब तक समाधान नहीं हुआ।

क्या कहते हैं जिम्मेदार

प्रधानाचार्य नागेश्वर त्रिपाठी ने बताया कि विद्यालय की स्थिति की जानकारी हर वर्ष यू-डाइस प्रपत्र में दर्ज कर वरिष्ठ कार्यालय को भेजी जाती है और अधिकारियों को भी अवगत कराया गया है। जनपद सदस्य रामलाल कोल ने कहा कि स्कूल की समस्या की जानकारी उच्च अधिकारियों एवं क्षेत्रीय विधायक को दी गई है, लेकिन अभी तक कोई ठोस निदान नहीं हो सका है।

मप्र स्टेट जूनियर एथलेटिक्स चैम्पियनशिपः 10 मेडल अर्जित कर रीवा रहा दूसरे स्थान पर

जागरण, रीवा। 62 वीं मप्र स्टेट जूनियर एथलेटिक्स चैम्पियनशीप 2026 राज्य स्तरीय अंतर जिला बालक/बालिका एथलेटिक्स चैम्पियनशीप मप्र एथलेटिक्स एसोसिएशन द्वारा गत 21 से 23 अगस्त तक रविशंकर शुक्ला स्टेडियम राइट टाउन जबलपुर में संपन्न हुई। जिसमें रीवा जिले को पहली बार 10 मेडल प्राप्त हुए। रीवा पदक तालिका में भोपाल के बाद दूसरे स्थान पर रहा। रीवा जिला एथलेटिक्स संघ के सचिव विष्णु तिवारी ने बताया कि इस टीम के कोच रमेश तिवारी एनआईएस कोच व मुस्कान मैडम टीम के साथ मैनेजर थीं। राधा साकेत ने 100 मीटर और 200 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक जीतकर शहर का मान बढ़ाया। अमृता शुक्ला ने लंबी कूद में स्वर्ण पदक जीता, मोहिता तिवारी ने 5000 मीटर रेसवाक में स्वर्ण पदक जीता, बालक वर्ग में योगेश सिंह 5000 मीटर रेसवाक में स्वर्ण पदक विजेता बने, आनंद तिवारी हाफ स्टेप एण्ड जम्प में रजत पदक, ओम त्रिपाठी ने 110 मीटर हर्डल रेस में रजत पदक जीता, हिमांशु त्रिपाठी जेवलिन थ्रो में कांस्य पदक जीता, महिता तिवारी ने 3000 मीटर रेस में ब्रांज मेडल जीता, सोमिया जाटव ने लंबी कूद में कांस्य पदक जीता, इस प्रकार कुल 10 मेडल के साथ रीवा ने मप्र में दूसरा स्थान प्राप्त कर नया इतिहास रचा।

प्रशासन की खिलवाड़ का जनता भुगत रही खामियाजाः लाल बहादुर सिंह

रीवा। गत दोनों दिनों क्षेत्र में आई बाढ़ का भ्रमण करते हुए रायपुर कर्चुलियान के पूर्व जनपद अध्यक्ष तथा नैकहाई समिति के संरक्षक लाल बहादुर सिंह ने कहा कि क्षेत्र में बाढ़ आने का कारण प्रशासन की जिम्मेदारी है। क्योंकि प्रशासन ने प्रकृति के साथ खिलवाड़ किया है, जिसका खामियाजा जनता भोग रही है। नदी नाले तालाब पोखरी आदि प्रकृति का संतुलन बनाने में कारगर साबित होते थे। ललपा तालाब महाराजा बांध दिल्ली बांध रानी तालाब ऐसे कई तालाब थे, पहले इनमें बरसाती पानी भर जाता था जिससे नदी नालों में पानी का दबाव कम पड़ता था और इन तालाबों बांधों में पानी का संचय हो जाता था जो की जमीनी सतह को हमेशा नमी देता था तथा बरसात के बाद इस पानी का जनता उपयोग करती थी। किंतु विकास का नाम देकर नदी नालों के किनारे तथा तालाबों में अतिक्रमण कर कॉलोनिया बसा ली गई हैं। यही कारण है की अब इन बसी हुई कॉलोनियों के घरों में बाढ़ का पानी घुसता है। पूर्व समय में बड़े-बड़े नालों का निर्माण हुआ था, जिनके माध्यम से चारों तरफ का पानी नदी में समाहित होता था, किंतु उन नालों पर भी अतिक्रमण कर लिया गया है, जिससे आम जन बरसात के दिनों में परेशान हो जाते हैं। बरसात के पूर्व ही पूर्ण रूप से तैयारी करनी होगी तथा जहां तालाब नालों आदि में अतिक्रमण है, उससे शहर को पूर्ण रूप से मुक्त करना होगा, तभी समस्या का सार्थक हल निकलेगा।

सोशल मीडिया पदाधिकारियों ने भाजपा जिलाध्यक्ष से की भेंट

रीवा। भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष वीरेंद्र गुप्ता से पार्टी कार्यालय अटल कुंज में सोशल मीडिया के नवनियुक्त जिला संयोजक आकाश चौरसिया एवं सह संयोजक मोहित मिश्रा ने सौजन्य भेंट कर आभार व्यक्त किया। सोशल मीडिया जिला संयोजक एवं सह संयोजक की घोषणा के उपरांत हुई इस भेंट के दौरान जिला अध्यक्ष वीरेंद्र गुप्ता ने दोनों नवनियुक्त पदाधिकारियों का मुंह मीठा कराते हुए उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं एवं बधाई प्रेषित की। आकाश चौरसिया एवं मोहित मिश्रा ने भाजपा जिला अध्यक्ष का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संगठन द्वारा दी गई जिम्मेदारी का पूरी निष्ठा एवं समर्पण के साथ निर्वहन करते हुए पार्टी की विचारधारा, संगठनात्मक गतिविधियों एवं जनकल्याणकारी कार्यों को सोशल मीडिया के माध्यम से जन-जन तक पहुंचाने का कार्य किया जाएगा।

डॉ. एन.एस. हार्डिकर की 51वीं पुण्यतिथि मनाई

कांग्रेस सेवादल यंग ब्रिगेड ने गरीबों को कराया भोजन

जागरण, रीवा। कांग्रेस सेवादल संस्थापक डॉ. एन.एस. हार्डिकर की 51वीं पुण्य तिथि पर कांग्रेस सेवादल यंग ब्रिगेड शहर के अध्यक्ष निशांत सिंह ने कांग्रेस सेवादल के संस्थापक एवं स्वंत्रता संग्राम सेनानी डॉ. नारायण सुब्बाराव हार्डिकर की 51वीं पुण्य तिथि पर पर गरीब परिवारों को फल एवं भोजन वितरित कर यह बताया कि डॉ. एन.एस. हार्डिकर देश के महान स्वाधीनता संग्राम सेनानी के साथ-साथ महान दानवीर भी थे। बालगंगाधर तिलक की प्रेरणा से उन्होने सेवादल की स्थापना 28 दिसम्बर 1923 में की थी। स्वाधीनता आन्दोलन, झण्डा आन्दोलन एवं देश को आजाद कराने की महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उन्होंने कर्नाटक के धारवार जिले में हार्डी नामक ग्राम के घटप्रभा में 147 एकड़ जमीन देश के नाम शासन को दान कर दिया था। मरणोपरांत अपना शरीर भी दान देने की घोषणा कर गये थे। उनके आदर्शों पर चलना देश व कांग्रेस पार्टी को मजबूत बनाना ही सच्ची श्रद्धांजलि होगी। कार्यक्रम में मुख्य रूप से युवक कांग्रेस जिलाध्यक्ष अनूप सिंह चंदेल, एड. महेश तिवारी, नवीन सिंह इटहा, यंग ब्रिगेड महासचिव उत्तरांचल पटेल, मीडिया काडिनेटर प्रवीण सिंह, महासचिव कन्हैयालाल ताम्रकार, ब्लाक अध्यक्ष बोदाबाग मनीष सिंह, विजय सोनी आदि यंग ब्रिगेड के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में पशुओं के उपचार के लिए दल तैनात

रीवा। पिछले पांच दिनों में भारी वर्षा न होने से जिले में नदी नालों का जल स्तर सामान्य हो गया है केवल त्योंथर क्षेत्र में टमस नदी तथा नैना नदी में जल स्तर बढ़ा हुआ है। बाढ़ का पानी उतरने के बाद तत्परता से राहत और बचाव कार्य किये जा रहे हैं। कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी के नेतृत्व में विभिन्न विभाग तत्परता से राहत कार्य कर रहे हैं। पशुपालन विभाग द्वारा भी जिले भर में अभियान चलाकर मृत्य पशुओं के निस्तारण तथा पशुओं के टीकाकरण का भी अभियान चलाया जा रहा है। रीवा शहर सहित जिले के कई भागों में गत सप्ताह बाढ़ का प्रकोप रहा। जलभराव के कारण कई पशुओं की मौत हो गई। कई दिनों तक जलभराव के कारण पशुओं पर बीमारी का प्रकोप हो रहा है। पशुओं के उपचार तथा मृत्य पशुओं के निस्तारण के लिए पशु पालन विभाग द्वारा दल तैनात किये गये हैं। इस संबंध में उप संचालक पशुपालन डॉ. योगेन्द्र सिंह ने बताया कि जिला स्तर पर पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. जेपी त्रिपाठी, मुकेश रावत तथा विनय वर्मा को आपदा प्रबंधन सेल जिला रीवा में तैनात किया गया है। विकासखण्ड जवा में डॉ. अनुज प्रताप सिंह को ग्राम सितलहा, जनकहाई, नगमा, छदहना, बरेदी, कोनीकला, ईटमा तथा चौखण्डी के लिए तैनात किया गया है। विकासखण्ड सिरमौर में डॉ. सुभाष सिंह को ग्राम महरी, डोल, बैकुण्ठपुर तथा पल्हान के लिए तैनात किया गया है। डॉ. भारत सिंह सागर को ग्राम पथरी, चचाई तथा कुंइया एवं त्योंथर विकासखण्ड में ग्राम महुली और परसिया को लिए तैनात किया गया है। त्योंथर विकासखण्ड में ही डॉ. सुनील कुमार यादव को ग्राम अमिलिया, पंछा, कोनी, टोकी, टोक, मझिगवां, झोटिया, मनिका, नगर पंचायत त्योंथर राजापुर तथा सेंगवार के लिए तैनात किया गया है। उप संचालक ने तैनात अधिकारियों को बीमार पशुओं के उपचार, टीकाकरण तथा पशुपालकों की अन्य समस्याओं के निदान के निर्देश दिए हैं। उप संचालक ने बताया कि त्योंथर विकासखण्ड में ग्राम चौखण्डी में शिविर लगाकर पशुओं का उपचार किया गया तथा निःशुल्क दवाएं वितरित की गई।

चढ़ावा चोरी कांड को दबाना चाहते थे चंपतः शिव सिंह

रीवा। अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी कांड को लेकर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव शिव सिंह एडवोकेट ने चंपत राय पर सीधा आरोप लगाते हुए कहा कि चंपत राय की गोपनीय डायरी से यह स्पष्ट हो चुका है कि उन्हें पूर्व से ही राम मंदिर चढ़ावा चोरी कांड की जानकारी थी और चंपत राय मामले को दबाना चाहते थे। शिव सिंह ने कहा कि सपा राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव राम मंदिर चढ़ावा चोरी कांड का खुलासा नहीं किए होते तो बीजेपी आरएसएस दोनों मिलकर दुनिया की सबसे बड़ी चोरी को निगल गए होते। उन्होंने यह भी कहा कि राम मंदिर चोरी मामले में आरएसएस बीजेपी के बड़े चेहरों को बचाने चंपत राय को क्लीन चिट दिलाई गई है। शिव सिंह ने यह भी कहा कि एसआईटी चंपत राय की गोपनीय डायरी जब्त कर पुनः जांच करे।

मिनर्वा हॉस्पिटल में नन्ही जान ने जीती जिंदगी की जंग

साढ़े छह महीने में जन्मीः 3.4 किलो वजन के साथ अस्पताल से छुट्टी

रीवा। साढ़े छह महीने में जन्मी और जन्म के समय एक किलो से भी कम वजन वाली नन्ही बच्ची के लिए जिंदगी की शुरुआत बेहद नाजुक परिस्थितियों में हुई। समय से पहले जन्म के कारण बच्ची के फेफड़े, मस्तिष्क, पाचन तंत्र और रोग प्रतिरोधक क्षमता पूरी तरह विकसित नहीं थे। जन्म के तुरंत बाद उसे सांस लेने में परेशानी के चलते गहन नवजात चिकित्सा इकाई में भर्ती किया गया। करीब चार महीने तक चली उपचार यात्रा के बाद बच्ची स्वस्थ होकर 3.4 किलो वजन के साथ अपने माता-पिता की गोद में घर लौटी। यह उपचार मिनर्वा द मेडिसिटी, रीवा में डॉ. धर्मेश कुमार पटेल और डॉ. विधि गुप्ता पटेल के मार्गदर्शन में किया गया। चिकित्सकों एवं नवजात चिकित्सा इकाई की टीम ने बच्ची की सांस, ऑक्सीजन स्तर, पोषण, वजन और विकास की लगातार निगरानी की। चार माह की गहन देखभाल के दौरान बच्ची के पोषण और विकास पर विशेष ध्यान दिया गया। जन्म के समय एक किलो से कम वजन वाली बच्ची का वजन उपचार के बाद बढ़कर 3 किलो 400 ग्राम हो गया। उसके विकास में भी सकारात्मक बदलाव देखने को मिले। अस्पताल से छुट्टी के समय बच्ची मुस्कुराने लगी थी, अपने नाम पर प्रतिक्रिया देने लगी थी और सिर उठाने लगी थी। डॉ. धर्मेश कुमार पटेल और डॉ. विधि गुप्ता पटेल के मार्गदर्शन में पूरी नवजात चिकित्सा टीम ने बच्ची की लगातार देखभाल की। उसकी सांस, ऑक्सीजन स्तर, भोजन, वजन और समग्र विकास की नियमित निगरानी की गई। बच्ची के माता-पिता ने उपचार के दौरान चिकित्सकों और पूरी टीम द्वारा दिए गए सहयोग तथा हौसले के लिए आभार व्यक्त किया।

जिले में अब तक 496.4 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज

रीवा। जिले में 26 अगस्त को 12.9 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है। इस दिन तहसील हुजूर में 34 मिलीमीटर तथा गुढ़ में 29 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई। जिले में एक जून से अब तक 496.4 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है। इस अवधि में तहसील हुजूर में 549.3 मिमी, रायपुर कर्चुलियान में 535.3 मिमी, गुढ़ में 827 मिमी, सिरमौर में 477.4 मिमी, त्योंथर में 300 मिमी, सेमरिया में 421 मिमी, मनगवां में 351 मिमी और जवा में 510 मिमी वर्षा दर्ज की गई। गत वर्ष इसी अवधि में जिले में 731.6 मिमी औसत वर्षा दर्ज हुई थी। रीवा जिले की सामान्य औसत वर्षा 1044.6 मिमी है।

जन विश्वास अभियान का शिविर 29 को मनगवां में

रीवा। आम जनता के आवेदन पत्रों का मौके पर निराकरण करने तथा शासन की योजनाओं की मानीटरिंग के लिए मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत रीवा जिले का तीसरा शिविर 29 अगस्त को मनगवां नगर परिषद क्षेत्र में सुबह 11 बजे से आयोजित किया जा रहा है। इस संबंध में कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने बताया कि शासन की उच्च प्राथमिकता के मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान शिविर में सीएम हेल्पलाइन, जनसुनवाई तथा लोक सेवा गारंटी योजना में दर्ज आवेदनों का निराकरण किया जाएगा। कलेक्टर ने शिविर आयोजन के संबंध में संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि अधिकारी शिविर में शामिल होने के साथ-साथ अधीनस्थ कार्यालयों, छात्रावास, अस्पताल, उचित मूल्य दुकान आदि का निरीक्षण करें। शिविर का आयोजन सादगीपूर्ण रूप से करें।

भूमि आवंटन के संबंध में आपत्ति 2 सितंबर तक

रीवा। नगर पालिक निगम रीवा को ग्राम बोदा में फायर स्टेशन निर्माण के लिए आराजी नंबर 908 रकबा 2.104 हेक्टेयर के अंश भाग 0.720 हेक्टेयर आवंटन का प्रकरण कलेक्टर न्यायालय में दर्ज है। इसके आवंटन की कार्यवाही की जा रही है। इस संबंध में नायब तहसीलदार हुजूर नगर यतीश शुक्ला ने बताया कि इस जमीन के आवंटन के संबंध में यदि किसी व्यक्ति को आपत्ति हो तो वह 2 सितंबर तक नायब तहसीलदार न्यायालय हुजूर शहर में आपत्ति दर्ज करा सकता है। आपत्तियों के निराकरण के बाद आवंटन की कार्यवाही की जायेगी। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पर विचार नहीं किया जायेगा।

AU SMALL FINANCE BANK
A SCHEDULED COMMERCIAL BANK

एयू स्मॉल फाइनेन्स बैंक लिमिटेड (शिड्यूल्ड कॉमर्शियल बैंक)

रजिस्टर्ड ऑफिसः 19–ए, धूलेश्वर गार्डन, अजमेर रोड, जयपुर–302001(CIN: L36911RJ1996PLC011381)

परिशिष्ट IV [देखें नियम 8(1) कब्जा सूचना]

जबकि, अधोहस्ताक्षरकर्ता एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड (शिड्यूल्ड कॉमर्शियल बैंक) का प्राधिकृत अधिकारी होते हुए षवित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनगर्ठन और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002'(2002 का 54) और प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम 13 (12) का सपठित नियमों के नियम 3 के तहत प्रदत शक्तियों के अनुप्रयोग में ऋणियों को मांग सूचना पत्र निम्नलिखित तालिका के अनुसार निर्गमितकर तालिका में राशि 60 दिवस के भीतर चुकाने के लिए कहा गया था।

ऋणी / सहऋणी / बंधककर्ता / गारन्टर / ऋण खाता संख्या	धारा 13(2) के अन्तर्गत नोटिस की दिनांक व राशि	स्थावर सम्पत्ति का विवरण	कब्जे की तारीख
(ऋण खाता संख्या) L9001060125750032, मैसर्स कृष्णा हार्डवेयर (ऋणी), श्रीमती पुष्पलता गुप्ता (सहऋणी), जगदीश गुप्ता (सहऋणी)	15 मई 26 Rs. 19,41,606/- उन्नीस लाख इकतालीस हजार छः सौ छः रुपए मात्र, 13 मई 2026 तक	रिहायशी/व्यावसायिक संपत्ति भूमि/बिल्डिंग/स्ट्रक्चर एवं फिक्सर के सभी अभिन्न अंग स्थित पीएच.नं. 45, जे.नं. 615, खसरा नं. 1278/2, ग्राम एवं तहसील – मानपुर, जिला – उमरिया, मध्य प्रदेश, 484665, क्षेत्रफल 0.023 हेक्टेयर, पूर्वः लक्ष्मीनारायण की भूमि, पश्चिमः रोड, उत्तरः राम मिलन गुप्ता का मकान, दक्षिणः सुरेश गुप्ता का मकान	24–अगस्त–26
(ऋण खाता संख्या) L9001060141579769 & L9001060727074190, मैसर्स खुशबू जनरल स्टोर (ऋणी), मोहम्मद नफीस शाह (सहऋणी), श्रीमती खुशबू बेगम (सहऋणी)	17-अप्रैल-26 Rs. 1,94,054/- एक लाख चौरानवे हजार चौवन रूपये मात्र Rs. 3,62,842/- तीन लाख बासठ हजार आठ सौ बयालीस रूपये मात्र 15-अप्रैल-26 तक	रिहायशी/व्यावसायिक संपत्ति भूमि/बिल्डिंग/स्ट्रक्चर एवं फिक्सर के सभी अभिन्न अंग स्थित खसरा नं 506 1/2/2, पीएच नं. 62/22 मौजा सोहावाल, तहसील रघुराजनगर, जिला सतना, मप्र क्षेत्रफल 110 वर्गगज, पूर्वः जगदीश का आराजी, पश्चिमः सेवालाल का आराजी, उत्तरः रोड, दक्षिणः विक्रेता का आराजी	24-अगस्त-26
(ऋण खाता सख्या) L9001060739311765, मैसर्स अनुराग रोडलाइन्स (ऋणी), श्रीमती सविता पटेल (सहऋणी), रामसखा (सहऋणी)	15-मई-26 Rs. 33,02,642/ - तेतीस लाख दो हजार छः सौ बयालीस रूपये मात्र 13-मई-26 तक	रिहायशी/व्यावसायिक संपत्ति भूमि/बिल्डिंग/स्ट्रक्चर एवं फिक्सर के सभी अभिन्न अंग स्थित आराजी खसरा नं. 544/2/7, मौजा देलापुरा, वार्ड नं. 37, पीएच नं. 78, तहसील रघुराजनगर, जिला सतना, मप्र 485001, क्षेत्रफल 1620 वर्गफीट, पूर्वः पटेल जी का आराजी, पश्चिमः विक्रेता का आराजी, उत्तरः विक्रेता का आराजी, दक्षिणः रोड	24-अगस्त-26
(ऋण खाता संख्या) L9001060127533612, मैसर्स दिव्य शक्ति डिस्पोजल सेंटर जरिए प्रोपराइटर सूरज सतारे (ऋणी), श्रीमती लक्ष्मी बाई सतारे (सहऋणी), सूरज सतारे (सहऋणी), रमेश कुमार (सहऋणी)	17 अप्रैल 26 Rs. 3,10,442/- तीन लाख दस हजार चार सौ बयालीस रुपए मात्र, 15 अप्रैल 2026 तक	रिहायशी/व्यावसायिक संपत्ति भूमि/बिल्डिंग/स्ट्रक्चर एवं फिक्सर के सभी अभिन्न अंग स्थित खसरा नं. 7/12 का भाग, पीएच.नं. 18/2/93, मौजा इमलिया, सेट नं. 22, राजेंद्र बाबू वार्ड, तहसील – गाडरवारा, जिला – नरसिंहपुर, मध्य प्रदेश, क्षेत्रफल 487.5 वर्ग फीट, पूर्वः जगदीश का प्लॉट, पश्चिमः चौड़ी सड़क, उत्तरः दुर्गा बाई का प्लॉट, दक्षिणः नरेश की भूमि	24–अगस्त–26
(ऋण खाता संख्या) L9001060113779860, जागेश्वर प्रसाद लोधी (ऋणी), राम कुमार पटेल (सहऋणी), श्रीमती केश बाई लोधी (सहऋणी), श्रीमती रीता बाई पटेल (सहऋणी), ओम प्रकाश पटेल (सहऋणी), पंकज पटेल (गारंटर)	13 फरवरी 26 Rs. 8,82,464/- आठ लाख बयासी हजार चार सौ चौंसठ रुपए मात्र, 10 फरवरी 2026 तक	रिहायशी/व्यावसायिक संपत्ति भूमि/बिल्डिंग/स्ट्रक्चर एवं फिक्सर के सभी अभिन्न अंग स्थित पीएच.नं. 08, सर्वे नं. 123, खसरा नं. 1281/3, ग्राम – बाकल, तहसील – सिहोर, जिला – कटनी, मध्य प्रदेश, 483501, क्षेत्रफल 112.50 वर्ग मीटर, पूर्वः पन्ना लाल की भूमि, पश्चिमः रास्ता, उत्तरः राम का मकान, दक्षिणः प्रेमचंद का मकान	24–अगस्त–26
(ऋण खाता संख्या) L9001060142282229 एवं L9001060136343472, मैसर्स उपाध्याय ट्रेडर्स (ऋणी), श्रीमती सुष्मिता उपाध्याय (सहऋणी), सत्य प्रकाश उपाध्याय (सहऋणी), रामजी शर्मा (सहऋणी)	25 मार्च 26 Rs. 5,04,069/- पाँच लाख चार हजार उनहत्तर रुपए मात्र एवं Rs.23,10,797/- तेईस लाख दस हजार सात सौ सत्तानवे रुपए मात्र, 24 मार्च 2026 तक	रिहायशी/व्यावसायिक संपत्ति भूमि/बिल्डिंग/स्ट्रक्चर एवं फिक्सर के सभी अभिन्न अंग स्थित खसरा नं. 821/4/2, ग्राम – निगवानी, पीएच.नं. 23, ग्राम – निगवानी, तहसील – कोतमा, जिला – अनूपपुर, मध्य प्रदेश, 484440, क्षेत्रफल 0.016 हेक्टेयर, पूर्वः रोड, पश्चिमः शासकीय भूमि, उत्तरः सम्हारू कोल का मकान, दक्षिणः दशरथ कुशवाहा का मकान	25–अगस्त–26
(ऋण खाता संख्या) L9001060127978101, मैसर्स आरके डीजे एंड टेंट हाउस (ऋणी), राकेश कुशवाहा (सहऋणी), सुमन कुशवाहा (सहऋणी)	18 अप्रैल 26 Rs. 10,18,027/- दस लाख अट्ठारह हजार सत्ताईस रुपए मात्र, 15 अप्रैल 2026 तक	रिहायशी/व्यावसायिक संपत्ति भूमि/बिल्डिंग/स्ट्रक्चर एवं फिक्सर के सभी अभिन्न अंग स्थित खसरा नं. 510/1/1, पटवारी हल्का नं. 88, ग्राम – पचगांव, तहसील – सोहागपुर, जिला – शाहडोल, मध्य प्रदेश, क्षेत्रफल 981 वर्ग फीट, पूर्वः पचगांव से अंतरा तक की प्रधानमंत्री रोड, पश्चिमः विजय श्रण की भूमि, उत्तरः राकेश कुशवाहा की भूमि, दक्षिणः संतोष कुशवाहा की भूमि	24–अगस्त–26
(ऋण खाता संख्या) L9001060142229815, मैसर्स जेडी सेल्स एंड सर्विस (ऋणी), जलालुद्दीन अंसारी (सहऋणी), निगार परवीन (सहऋणी)	18 अप्रैल 26 Rs. 4,36,429/- चार लाख छत्तीस हजार चार सौ उनतीस रुपए मात्र, 15 अप्रैल 2026 तक	रिहायशी/व्यावसायिक संपत्ति भूमि/बिल्डिंग/स्ट्रक्चर एवं फिक्सर के सभी अभिन्न अंग स्थित खसरा नं. 555/1444/1 का भाग, नया आवंटित खसरा नं. 555/1444/1/2, वार्ड नं. 07, ग्राम एवं तहसील कोतमा, जिला अनूपपुर, मध्य प्रदेश, क्षेत्रफल 807.5 वर्ग फीट, पूर्वः विक्रेता की शेष भूमि, पश्चिमः बदरुद्दीन की भूमि, उत्तरः रास्ता, दक्षिणः बदरुद्दीन की भूमि	25–अगस्त–26
(ऋण खाता संख्या) L9001060836333301, मैसर्स आरके डीजे एंड टेंट हाउस (ऋणी), राकेश कुशवाहा (सहऋणी), सुमन कुशवाहा (सहऋणी)	18 अप्रैल 26 Rs. 18,38,537/- अट्ठारह लाख अड़तीस हजार पाँच सौ सैंतीस रुपए मात्र, 15 अप्रैल 2026 तक	रिहायशी/व्यावसायिक संपत्ति भूमि/बिल्डिंग/स्ट्रक्चर एवं फिक्सर के सभी अभिन्न अंग स्थित (संपत्ति 1) खसरा नं. 510/1/2, पीएच.नं. 88, मौजा पचगांव, तहसील – सोहागपुर, जिला – शाहडोल, मध्य प्रदेश, 484001, क्षेत्रफल 90 वर्ग मीटर, पूर्वः पचगांव से अंतरा तक की प्रधानमंत्री रोड, पश्चिमः विजय श्रण की भूमि, उत्तरः उमेश कुशवाह की भूमि, दक्षिणः गुनी कुशवाहा की भूमि (संपत्ति 2) खसरा नं. 510/1/1, पीएच.नं. 88, मौजा पचगांव, तहसील – सोहागपुर, जिला– शाहडोल, मध्य प्रदेश, 484001, क्षेत्रफल 90 वर्ग मीटर, पूर्वः पचगांव से अंतरा की प्रधानमंत्री सड़क, पश्चिमः विजय श्रण की भूमि, उत्तरः राकेश कुशवाहा की भूमि, दक्षिणः संतोष कुशवाहा की भूमि	24–अगस्त–26
(ऋण खाता संख्या) L9001060142672916, मैसर्स शंकर ट्रेडर्स बुरहार (ऋणी), विजय नागदेव (सहऋणी), पिंकी नागदेव (सहऋणी)	20 अप्रैल 26 Rs. 23,02,403/- तेईस लाख दो हजार चार सौ तीन रुपए मात्र, 15 अप्रैल 2026 तक	रिहायशी/व्यावसायिक संपत्ति भूमि/बिल्डिंग/स्ट्रक्चर एवं फिक्सर के सभी अभिन्न अंग स्थित खसरा नं. 1156/4, पीएच.नं. 18, वार्ड नं. 04, ग्राम एवं तहसील – बुढार, जिला – शाहडोल, मध्य प्रदेश, क्षेत्रफल 1000 वर्ग फीट, पूर्वः काशीराम की भूमि, पश्चिमः विजय नागदेव का मकान, उत्तरः रोड, दक्षिणः काशीराम की भूमि	25–अगस्त–26

ऋणियों द्वारा वह राशि लौटाने में विफल होने पर ऋणियों को तथा सामान्य जन कों एतद् द्वारा सूचना दी जाती है कि अधोहस्ताक्षरकर्ता ने उक्त अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (4) तथा सपठित प्रतिभूतिहित प्रवर्तन नियम, 2002 के नियम 8 के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों के अनुप्रयोग में उपरोक्त तालिका में वर्णित सम्पत्ति का कब्जा ग्रहण कर लिया है।

ऋणियों का ध्यान अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (8) के प्रावधानों के साथ सपठित नियम 8(6) की ओर आकर्षित किया जाता है, जिसके अन्तर्गत प्रतिभूति आस्तियों के मोचन के लिये उपलब्ध समय अर्थात इस सूचना से 30 दिवस के सम्बन्ध में है।

ऋणियों को विशिष्टतया और सर्वसाधारण को सामान्यतया एतद् द्वारा सम्पत्तियों के साथ कोई व्यवहार नहीं करने की चेतावनी दी जाती है और सम्पत्तियों के साथ कोई व्यवहार उपरोक्त तालिका में वर्णित राशि तथा आगे का ब्याज एवं कुल भुगतान होने तक ''एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड'' (ए शेड्यूल्ड कॉमर्शियल बैंक) के प्रभार के अधीन होगा।

दिनांकः 26.08.2026
स्थानः जबलपुर, मध्य प्रदेश

प्राधिकृत अधिकारी
एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड

संस्थापक ▸ गुरुदेव गुप्त

संपादकीय

नौकरियों का बढ़ता अभाव युवाओं के लिए संकट

इस बात को कुछ हफ्ते बीत चुके हैं जब युवाओं के आंदोलन के चलते सरकार को परीक्षा सुधार के लिए छात्रों की मांगें माननी पड़ीं, जिसकी गूंज प्रधानमंत्री के स्वाधीनता दिवस भाषण में भी सुनायी दी। इसमें उन्होंने भारत के डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी-ढांचे का इस्तेमाल करके प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए मुफ्त ऑनलाइन कोचिंग का एलान किया। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय (एमओएसपीआई) के सर्वेक्षण के आंकड़े बताते हैं कि विद्यार्थी क्यों इसका स्वागत करेंगे- एक भारतीय परिवार एक बच्चे की शिक्षा पर जितना खर्च करता है उसमें निजी कोचिंग का हिस्सा साल 2018 के 12.5 फीसदी के मुकाबले 16 फीसदी हो चुका है। वहीं उच्च माध्यमिक स्तर के सालों में, जब छात्र प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करते हैं, तो यह उस बजट का लगभग एक-चौथाई हो जाता है। सस्ती कोचिंग सीमित महत्व की है क्योंकि गुणवत्तापूर्ण पेशेवर शिक्षा मुट्ठी भर संस्थानों तक सिमटी हुई है। मसलन, इस साल लगभग 1.4 लाख स्नातक सीटों के लिए मेडिकल प्रवेश परीक्षा में 22 लाख से ज्यादा उम्मीदवार शामिल हुए, लेकिन शीर्ष 50 कॉलेजों में सीटों की तादाद 10,000 से भी कम थी।

यही स्थिति इंजीनियरिंग कॉलेजों के लिए संयुक्त प्रवेश परीक्षा (जेईई) की है। शायद यही वजह है कि शैक्षणिक वर्ष 2023-24 में स्नातक दाखिले में 93,322 की गिरावट आयी, खास तौर पर युवकों के बीच। सबसे तेज गिरावट उत्तर प्रदेश में रही, जहां स्नातक दाखिले में 1.53 लाख की कमी आयी, जबकि डिप्लोमा दाखिले में 1.38 लाख की बढ़ोतरी हुई। आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण के इकाई-स्तरीय डेटा के विश्लेषण में पाया गया कि साल 2025 में 15 से 29 की उम्र के हर 100 स्नातकों में से सिर्फ 26 ही नियमित वेतन वाले रोजगार में थे, और महज चार के पास अनुबंध और सामाजिक सुरक्षा के साथ वेतन वाली नौकरी थी। इसलिए युवाओं के रोजगार का संकट के दो सिरे हैं- एक नौकरियों की तैयारी में, और दूसरा खुद नौकरियों में। केवल मुफ्त कोचिंग से इनमें से किसी का निवारण नहीं होगा।

किसी देश की सबसे बड़ी पूंजी उसकी युवा पीढ़ी की आंखों में पलते सपने होते हैं। मगर जब देश की कुल आबादी में एक बड़ी संख्या में युवा पढ़ाई, रोजगार और प्रशिक्षण- तीनों से बाहर खड़े हों तो यह केवल एक आंकड़ा नहीं रह जाता। यह सरकार के उन दावों को आईना दिखाता सवाल है जिसे अक्सर अर्थव्यवस्था की चमकती तस्वीर से ढकने की कोशिश की जाती है। गौरतलब है कि नीति आयोग ने हाल ही में अपनी एक रिपोर्ट में बताया है कि देश में 15 से 29 वर्ष की आयु के करीब आठ करोड़ सत्तर लाख युवा ऐसे हैं जो न तो कोई पढ़ाई कर रहे हैं, न रोजगार में हैं और न ही किसी तरह का प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। अगर इतनी बड़ी संख्या में युवा एक तरह से खाली बैठे हैं तो आखिर किस आधार पर सरकार की ओर से यह दावा किया जाता है कि युवा आबादी ही देश की ताकत है और वही भविष्य की दिशा तय करेगी।

मैन्यूफैक्चरिंग भारत के कॉलेज स्नातकों को रोजगार देने के लिए सबसे उपयुक्त क्षेत्र है, लेकिन यह सकल मूल्य संवर्धन का लगभग छठा हिस्सा बना हुआ है। यह अर्थव्यवस्था के एक चौथाई के आसपास भी नहीं पहुंच सका है, इस बीच, निजी क्षेत्र अपने कार्यभार से पीछे हट रहा है। केंद्र सरकार को जिन कदमों को उठाने की जरूरत है वे साफ हैं- औद्योगिक क्षमता में सार्वजनिक निवेश और ऐसे नियमों में कमी लाना जो उद्यमों को निशाना बनाते लगते है, जिससे नौकरी देने वाली मझोले आकार की कंपनियां खास तौर पर प्रभावित होती हैं। यह रास्ता अपनाने से युवाओं को उस पैमाने पर नौकरियां मिलने की बेहतर संभावना है जिसकी हमें जरूरत है और जैसा कि वियतनाम जैसे देशों ने करके दिखाया है। सरकारें घोषणाओं से उम्मीदें जगा सकती हैं मगर युवाओं को ऐसे कौशल और रोजगार के वास्तविक अवसरों की जरूरत है ।

प्रसंगवश

पैरोल-फरलो देने के औचित्य पर उठ रहे सवाल

जिन नियम-कायदों के तहत डेरा सच्चा सौदा के प्रमुख राम रहीम को इस तरह की छूट बार-बार दी जा रही है, क्या सरकार यह दावा करने की स्थिति में है कि इस मामले में वह पूरी तरह तटस्थ और न्याय के तकाजे के मुताबिक काम कर रही है। इससे बड़ी विडंबना क्या होगी कि जो कानून या नियम-कायदे कभी आपात स्थिति या बहुत जरूरी होने पर ही प्रयोग किए जाने के लिए बनाए गए होंगे, उन्हें कई बार कुछ खास लोगों को विशेष सुविधा मुहैया कराने का औजार बना लिया जाता है। यह एक तरह से किसी कानून का दुरुपयोग है और जब लगातार ऐसा होता है, तो सवाल उठता है कि क्या सरकार नागरिकों के प्रति किसी कानून को बरतने के मामले में अपने स्तर से भी भेदभाव करती है। वरना क्या वजह है कि जघन्य अपराधों में दोषी ठहराए गए किसी सजायाफ्ता को सिर्फ इसलिए बार-बार किसी कानून का लाभ दिया जाता है कि वह ऊंची रसूख वाला है या फिर उसकी खासी राजनीतिक पैठ है? गौरतलब है कि हरियाणा के सिरसा स्थित डेरा सच्चा सौदा के प्रमुख गुरमीत राम रहीम को एक बार फिर इक्कीस दिन की फरलो दी गई है। यानी फिर से राम रहीम रोहतक जेल से बाहर निकल कर अपने आश्रम में रहेगा। इससे पहले भी उसे बारह बार पैरोल और पांच बार फरलो की सुविधा मिल चुकी है। ऐसा लगता है कि राम रहीम अपनी सजा को सिर्फ औपचारिकता भर के लिए अपनी सुविधा के मुताबिक काट रहा है और उसे जब जरूरत पड़ती है, वह किसी न किसी बहाने जेल से बाहर आने का रास्ता बना लेता है।

सवाल है कि जिन नियम-कायदों के तहत राम रहीम को इस तरह की छूट बार-बार दी जा रही है, क्या सरकार इस मामले में पूरी तरह तटस्थ और न्याय के तकाजे के मुताबिक काम कर रही है। बलात्कार और हत्या जैसे जघन्य अपराध में जिस व्यक्ति को सजा हुई, उसे लेकर इस स्तर पर जाकर नरमी बरतने का आखिर क्या कारण है? इस पर सरकार की सफाई है कि राम रहीम को इस तरह की रिहाई नियमों के तहत दी जाती है।

क्या सरकार गंभीर अपराधों की सजा काटने वाले अन्य लोगों के प्रति भी समान मानकों के तहत ऐसा ही रुख अपनाती है? फिर किसी भी कैदी को लेकर इतना उदार रवैया दिखाने की क्या वजह हो सकती है कि पिछले दस साल में उसे सत्रह बार कभी पैरोल पर, तो तभी फरलो पर जेल से बाहर अपना समय सुविधाजनक तरीके से काटने की छूट दी जाती है?

यों राम रहीम को इस तरह जेल से बाहर रहने की सुविधा मुहैया कराते हुए शायद केवल उसकी जरूरतों का ही ध्यान रखा जाता है! मगर एक विचित्र संयोग यह भी देखा गया है कि जब भी उसके प्रभाव क्षेत्र में चुनाव होने वाले होते हैं, तब आमतौर पर उसे खासी अवधि के लिए पैरोल या फिर फरलो की सुविधा मिल जाती है। फिलहाल पंजाब में विधानसभा चुनावों का समय करीब है और कई उत्तरी राज्यों सहित हरियाणा तथा पंजाब में राम रहीम के अनुयायी बड़ी संख्या में हैं। ऐसे में आरोप लगते रहे हैं कि राम रहीम को चुनावी लाभ उठाने के मकसद से बार-बार जेल से बाहर निकलने की इजाजत दी जाती है। सरकार को शायद इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि राम रहीम के प्रति इस तरह उदारता बरतने के क्रम में कानून की मनमानी व्याख्या करने की वजह से न्याय की अवधारणा को किस स्तर पर चोट पहुंच रही है।

अकाल तख्त और शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक समिति ने इस रिहाई की कड़ी आलोचना की है। उनका तर्क है कि जिन सिख कैदियों (बंदी सिंह) ने अपनी सजा पूरी कर ली है, उन्हें रिहाई नहीं मिलती, जबकि गंभीर अपराध के दोषी को बार-बार छूट दी जा रही है। आलोचकों का मानना है कि इस तरह की उदारता से आम जनता के मन में न्याय की अवधारणा और कानून की समानता पर गंभीर सवाल खड़े होते हैं।

परिसीमन बिल — भारत की तरक्की का अगला चरण ढांचागत सुधारों पर निर्भर करता है

बिल से पहले ढांचागत सुधारों पर बात हो

शंकर अय्यर

संसद के मानसून सत्र में 19 बैठकों में 11 बिल पास किए गए। इनमें से दस बिलों पर लोकसभा में कुल मिलाकर 64 मिनट का समय लगा। नौ बिलों के मामले में, सिर्फ उन्हें पेश करने वाले मंत्री ने ही बात की और कोई बहस नहीं हुई। निचले सदन में पूरे सत्र के दौरान प्रश्नकाल सिर्फ नौ मिनट चला, जो तय समय का महज एक प्रतिशत ही था, और मौखिक जवाब के लिए सूचीबद्ध किए गए 380 सवालों में से सिर्फ दो के जवाब दिए गए। इस खराब रिकॉर्ड की वजह से सांसदों की संख्या बढ़ाने की कोशिशों पर ध्यान गया है।

अजीब बात यह है कि इस सत्र में सरकार जिस एक बिल को पेश नहीं कर पाई, वह संसद के विस्तार से जुड़ा था, यानी 'परिसीमन बिल, 2026'। यह बिल लोकसभा की सीटों को 543 से बढ़ाकर 850 करने वाला था, लेकिन यह राजनीति और आंकड़ों के फेर में उलझकर रह गया। लोगों के बीच चर्चा खर्च को लेकर है। इसमें अतिरिक्त सांसदों का खर्च (जिसका अनुमान 1,500 करोड़ रुपये या उससे अधिक है) रहने-सहने का खर्च, बजट आवंटन में बढ़ोतरी और निश्चित रूप से विधायकों की संख्या बढ़ने से होने वाला अतिरिक्त खर्च वगैरह शामिल हैं। राज्यों को अलग-थलग महसूस कराने का खर्च भी है, क्योंकि वे इसे मुख्यधारा से खुद को दूर करने वाला कदम मानते हैं।

सबसे बड़ी बात तो यह है, जो हर सत्र के बाद उठती है कि सांसद लोगों का प्रतिनिधित्व करते हैं या पार्टियों का? चुनाव क्षेत्रों की संख्या बढ़ाने के पक्ष में यह तर्क दिया जाता है कि छोटे चुनाव क्षेत्रों का मतलब है-लोगों का ज्यादा करीबी प्रतिनिधित्व, और करीबी प्रतिनिधित्व का मतलब है बेहतर शासन-व्यवस्था। इस बात का पहला हिस्सा तो गणितीय है। दूसरा हिस्सा प्रतिनिधित्व से जुड़ा एक अनुभव-आधारित दावा है (चाहे वह लोगों का प्रतिनिधित्व हो या महिलाओं के अधिकारों का) और यह मौजूदा ढांचे तथा अब तक के कामकाज के रिकॉर्ड के आधार पर जो संभव है, उससे कहीं ज्यादा का दावा करता है। आखिर एक अतिरिक्त सदस्य असल में क्या कर सकता है! 7वीं अनुसूची रक्षा, विदेश मामले, मुद्रा, बैंकिंग और रेलवे को केंद्र के अधिकार क्षेत्र में रखती है, जबकि सार्वजनिक व्यवस्था, पुलिस, सार्वजनिक स्वास्थ्य, कृषि, भूमि और स्थानीय सरकार राज्यों के अधिकार क्षेत्र में आते हैं। 10वीं अनुसूची उस सदस्य को अयोग्य ठहराती है, जो अपनी पार्टी के निर्देश के खिलाफ वोट करता है। दखल देने की गुंजाइश उस समय के राजनीतिक माहौल से सीमित होती है-इस सत्र में 'ध्यानाकर्षण प्रस्ताव' और 'स्थगन प्रस्ताव' की संख्या शून्य रही है।

माना जाता है कि बहुत छोटे इलाकों (स्थानीय निर्वाचन क्षेत्रों) में राजनीतिक प्रतिनिधित्व बढ़ाने से कामकाज बेहतर होता है। लेकिन, बेहतर नतीजों की यह धारणा बहस का विषय है। एनबीईआर के वेदा नरसिम्हन और जेफरी वीवर ने 1.5 लाख स्थानीय सरकारों (पंचायतों) में 12 लाख बेहद स्थानीय प्रतिनिधियों का अध्ययन किया। नतीजा यह निकला कि मुख्य कामों, जैसे कार्यक्रम लागू करना और सरकारी पैसे की देखरेख, पर कोई खास असर नहीं दिखा। डेनिलो फ्रेरे की अगुआई में और ब्रिटिश जर्नल ऑफ पॉलिटिकल साइंस में छपे कई अध्ययनों के विश्लेषण में पाया गया कि इस बात का कोई ठोस सबूत नहीं है कि विधायिका का आकार सरकारी बजट को किसी भी दिशा में बदलता है। ज्यादा प्रतिनिधित्व की बात को अध्ययनों और शासन के ढांचे से चुनौती मिलती है।

संसद के हर सत्र में मंत्री खराब सेवाओं के लिए जवाबदेही से बचते हुए दिखते हैं। स्वास्थ्य, शिक्षा, कानून-व्यवस्था, शहर, पानी, खेती, जमीन और लेबर परमिट राज्य के विषय हैं। 307 और सांसदों के आने से नतीजों में कोई बदलाव नहीं आएगा। वे वही सवाल 307 बार पूछेंगे और उन्हें वही जवाब मिलेगा। कानून बनाने की शक्ति के साथ-साथ खर्च करने की शक्ति भी होती है। सबसे ज्यादा पैसा उन कामों के लिए रखा गया है, जो राज्यों के अधिकार क्षेत्र में आते हैं। असल में, 191 बड़ी योजनाओं में से ज्यादातर (जिनमें प्रधानमंत्री से जुड़ी 29 योजनाएं भी शामिल हैं, जिन पर चार लाख करोड़ रुपये से अधिक खर्च होना है) राज्यों के अधिकार क्षेत्र में आने वाले विषयों से जुड़ी हैं। नागरिकों की जिंदगी और रोजी-रोटी से जुड़ी लगभग हर परेशानी का समाधान राज्यों को करना चाहिए। लापता कॉन्स्टेबल, जर्जर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, बिना शिक्षकों वाले सरकारी स्कूल, जमीन के रिकॉर्ड में गड़बड़ी, खाली पद, दूषित पानी की समस्या, कस्बों में झुग्गी-बस्तियां, शहरों में बाढ़, खराब पानी आपूर्ति का फायदा उठाने वाला टैंकर माफिया, और म्युनिसिपल कस्बों में गाद और कचरा-ये सभी राज्यों से जुड़े मामले हैं।

850 सांसदों की मांग, मौजूदा 543 सांसदों के कामकाज के रिकॉर्ड के बिल्कुल उलट है। संविधान बनाने वालों ने केंद्र सरकार को संघ को मजबूत करने की शक्तियां दी थीं और राज्यों को विकास करने की जिम्मेदारी सौंपी थी। समस्या यह है कि सत्ता की चाबी संसाधनों पर कब्जे में निहित है। केंद्र की सरकारों ने एक के बाद एक कई संशोधन किए (जिनमें 42वां संशोधन सबसे बुरा था) और राज्यों को लगभग अपना उपनिवेश बना लिया। नीतियां दिल्ली में बनती हैं, और उन्हें लागू करने का काम राज्यों का होता है। खराब शासन की जड़ अधिकार और जवाबदेही के बीच का अलगाव है। इसमें कोई शक नहीं कि भारतीयों को बेहतर प्रतिनिधित्व की जरूरत है। जमीनी स्तर पर प्रतिनिधित्व की जरूरत कहीं अधिक है। भारत की तरक्की का अगला चरण ढांचागत सुधारों पर निर्भर करता है। शुरुआत 42वें संशोधन को पलटने और 7वीं अनुसूची को उस मूल रूप में बहाल करने से होनी चाहिए, जिसकी कल्पना बाबा साहेब आंबेडकर व अल्लादि कृष्णस्वामी अय्यर ने की थी।

हर बड़ा सुधार और कल्याणकारी विचार राज्यों से ही आया है। सरकार के तीसरे स्तर को फंड, काम और कर्मचारी देकर मजबूत करें। जब यह आधार तैयार हो जाएगा, तभी किसी भी स्तर पर ज्यादा प्रतिनिधियों की बात को सही ठहराया जा सकेगा। बिना ढांचागत सुधारों के सांसदों की संख्या बढ़ाने से राजनीतिक कमी तो पूरी हो सकती है, लेकिन विकास की कमी नहीं। प्रतिनिधित्व कोई संख्या नहीं है, यह एक शक्ति है। बिल में जो पेश किया जा रहा है, वह सिर्फ एक संख्या है।

खुला मंच

इथेनॉल मोह और फजीहत में चाय की प्याली

आलोक पुराणिक

देश में इन दिनों चीनी की मिठास कुछ कम और उसकी कीमत कुछ ज्यादा हो गई है। सरकार ने सफाई दी है कि चीनी के दाम बढ़ने का कारण इथेनॉल नहीं, बल्कि चीनी उत्पादन में कमी है। यानी गन्ना खेत में कम हुआ, तो चीनी महंगी हो गई। जनता ने पूछा, 'साहब, फिर इथेनॉल का क्या कसूर?' सरकार बोली, 'वह तो पेट्रोल में मिलकर देश की ऊर्जा सुरक्षा बढ़ा रहा है, आप मिठाई में क्यों ढूंढ़ रहे हैं?'

दरअसल, गन्ने की दुनिया में भी परिवार बड़ा हो गया है। पहले गन्ने से चीनी बनती थी, अब इथेनॉल भी बनता है। गन्ना किसान सोचता है, 'जिसकी कीमत अच्छी मिले, उसे बेच दूं।' पेट्रोलियम मंत्रालय कहता है, 'इथेनॉल देश बचाएगा।' चीनी उद्योग कहता है, 'चीनी भी देश बचाएगी।' और गृहिणी कहती है, 'पहले चाय बचाओ।' अर्थशास्त्र का यही कमाल है। एक ही गन्ना किसान के लिए आय है, सरकार के लिए ऊर्जा सुरक्षा है, चीनी मिल के लिए कारोबार है और ग्राहक के लिए महंगी मिठाई।

उधर दुनिया में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ईरान को लेकर लगातार बेचैन हैं। दुनिया में राष्ट्रपति बनना आसान है, लेकिन दुनिया को अपनी इच्छा के अनुसार चलाना बहुत कठिन काम है। ईरान कहता है, 'हम अपनी शर्तों पर बात करेंगे।' अमेरिका कहता है, 'हमारी शर्तों पर बात करो।' और तेल बाजार बीच में खड़ा होकर कहता है, 'भाइयों, जरा धीरे बोलो, मेरा भाव बढ़ रहा है।'

भारत में इस बीच क्रिकेट ने अलग ही माहौल बना दिया। श्रीलंका के खिलाफ गाले में भारत ने 165 रन से जीत दर्ज की। मानव सुथार ने शानदार गेंदबाजी करते हुए दोनों पारियों में कुल 10 विकेट लेकर मैच को भारतीय कब्जे में कर दिया। हॉकी विश्व कप में भारत ने पाकिस्तान को 5-3 से हराकर अगले दौर में जगह बनाई। अब भारतीय खेलप्रेमी के पास गर्व करने के कई कारण हैं। क्रिकेट में श्रीलंका हारा, हॉकी में पाकिस्तान हारा और पर चीनी महंगी हुई।

आम आदमी इस पूरे घटनाक्रम को देखकर बस इतना कह रहा है-'खेल में भारत जीतता रहे, दुनिया में शांति बनी रहे और चीनी कम से कम इतनी महंगी न हो कि अगली बार मिठाई की दुकान पर दुकानदार पूछे, 'कितने किलो?' और ग्राहक जवाब दे, 'बस फोटो खींचनी है।'

आस्था — वर्तमान दौर में कांवड़ यात्रा का मूल उद्देश्य कहीं पीछे छूटता जा रहा है

कांवड़ यात्रा सिर्फ धार्मिक या कठिन तपस्या

विनीत नारायण

कांवड़ यात्रा को भगवान शिव के प्रति आस्था, तपस्या और आत्म-अनुशासन की यात्रा माना जाता है। इसके नियमों में सादगी, संयम, विनम्रता और नशे से दूरी को महत्व दिया गया है। लेकिन बदलते समय के साथ यात्रा में डीजे, दिखावे और उपद्रव जैसी तस्वीरें भी सामने आने लगी हैं। क्या कांवड़ यात्रा का मूल उद्देश्य कहीं पीछे छूटता जा रहा है और भक्ति की जगह प्रदर्शन हावी हो रहा है?

कांवड़ यात्रा भगवान शिव के भक्तों के लिए केवल गंगाजल लेकर शिवालय तक पहुंचने का रास्ता नहीं है, बल्कि इसे आस्था, धैर्य और आत्म-अनुशासन की कठिन परीक्षा भी माना जाता है। पुराणों में इसकी परंपरा समुद्र मंथन से जोड़ी जाती है। मान्यता है कि समुद्र मंथन से निकले हलाहल विष को भगवान शिव ने अपने कंठ में धारण कर संसार की रक्षा की थी। विष के ताप को शांत करने के लिए देवताओं ने गंगाजल से उनका अभिषेक किया। परशुराम और शिव भक्त रावण से भी कांवड़ यात्रा की परंपरा जुड़ी हुई है। मौजूदा स्वरूप में इस यात्रा की परंपरा सत्रहवीं शताब्दी से शुरू मानी जाती है। आज युवाओं की बड़ी भागीदारी ने इसे विशाल जनआस्था के रूप में बदल दिया है।

कांवड़ यात्रा के दौरान भक्त से सादगी और संयम की अपेक्षा की जाती है। यात्रा को तपस्या मानने की वजह से कांवड़िये को सामिष भोजन, नशे और सुख-सुविधाओं से दूर रहने की परंपरा बताई गई है। इसके साथ ही क्रोध, अहंकार, अनावश्यक बातचीत, विवाद और उत्तेजना से बचने पर जोर दिया जाता है। सच्चा कांवड़िया यात्रा के दौरान भगवान शिव का स्मरण करता हुआ विनम्र भाव से आगे बढ़ता है। इसका उद्देश्य केवल गंगाजल को एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचाना नहीं, बल्कि मन और व्यवहार पर नियंत्रण रखना भी है। यानी कांवड़ उठाने की असली कठिनाई पैरों की थकान से ज्यादा अपने आचरण को अनुशासन में रखने में मानी गई है।

भक्ति के साथ दिखावा भी बढा : समय के साथ कांवड़ यात्रा का स्वरूप भी काफी बदला है। पहले इसमें प्रौढ़, बुजुर्ग और साधु-संन्यासी बड़ी संख्या में दिखाई देते थे। लोग साधारण कपड़ों में अपनी पारंपरिक वेशभूषा के साथ यात्रा करते थे। आज बड़ी संख्या में युवा इसमें शामिल होते हैं और यात्रा का आकार भी काफी बढ़ गया है।

यह आस्था के विस्तार की तस्वीर है, लेकिन इसके साथ कुछ चिंताएं भी सामने आई हैं। डीजे का तेज शोर, मनोरंजन, उपद्रव और वैभव के प्रदर्शन की होड़ कई बार यात्रा के मूल उद्देश्य पर सवाल खड़े करती है। ऐसे माहौल से उन श्रद्धालुओं को भी परेशानी हो सकती है, जो शांत भाव से भगवान शिव की भक्ति करना चाहते हैं। आस्था का उत्सव तभी सार्थक माना जा सकता है, जब उसमें दूसरों की सुविधा और सम्मान का भी ध्यान रखा जाए।

शक्ति और प्रदर्शन की होड़ : कांवड़ यात्रा में बढ़ती भीड़ और भव्यता के साथ कुछ समूहों में अपने साधनों और वैभव का प्रदर्शन करने की प्रवृत्ति भी दिखाई देने लगी है। कहीं बड़े-बड़े आयोजन होते हैं तो कहीं तेज संगीत और मनोरंजन यात्रा का हिस्सा बन जाते हैं। इससे यह सवाल उठता है कि क्या धार्मिक यात्रा का केंद्र भगवान शिव की भक्ति है या अपनी ताकत और संसाधनों का प्रदर्शन। राजनीतिक और प्रशासनिक कारणों से भी कई बार यात्रा के दौरान अलग तरह की मुश्किलें खड़ी होती हैं। ऐसे में जरूरी है कि आस्था और उत्साह के साथ मर्यादा को भी उतना ही महत्व मिले। कांवड़ यात्रा की पहचान केवल भीड़, सजावट या शोर से नहीं, बल्कि भक्त के संयम और समर्पण से होनी चाहिए।

कांवड़िये का आचरण ही यात्रा की पहचान : भक्ति का अर्थ अपने आराध्य के सामने अहंकार छोड़कर समर्पण करना है। तुलसीदास जैसे संतों ने भी स्वयं को विनम्र और दोषपूर्ण बताकर ईश्वर के सामने अपनी सीमाओं को स्वीकार किया। शिव भक्त रावण का उदाहरण भी इसी बात की ओर संकेत करता है कि केवल भक्ति और शक्ति पर्याप्त नहीं, आचरण और विनम्रता भी जरूरी हैं। इसलिए कांवड़ उठाने वाले हर व्यक्ति की जिम्मेदारी है कि वह अपनी यात्रा को अनुशासन और शांति के साथ पूरा करे। डीजे, दिखावे या उपद्रव से यात्रा की भव्यता भले बढ़ती दिखाई दे, लेकिन उसकी आध्यात्मिकता नहीं बढ़ती। असली कांवड़ वही है, जिसमें शरीर के साथ मन भी यात्रा करे। अगर कांवड़िया अपने व्यवहार को संयमित रखे, दूसरों का सम्मान करे और भगवान शिव के प्रति समर्पण के भाव से चले, तभी इस पवित्र यात्रा का उद्देश्य सही मायने में पूरा होगा। भगवान शिव को जलार्पण का अभीष्ट लेकर निकले कांवड़ियों के समूह को आंखें बंद कर आत्मसात कीजिए। श्रद्धा-आस्था की वह धारा दिखेगी जो प्रयागराज के महाकुंभ में दिखाई देती है, अयोध्या में भगवान रामलला के मंदिर परिसर में दिखाई देती है, बांके बिहारी मंदिर प्रांगण में नजर आती है और काशी विश्वनाथ कारिडोर में दिखाई देती है। हिंदू समाज की आंतरिक समरसता, सर्वसमावेशिता और सांस्कृतिक पुनर्जागरण का अद्भुत दृश्य वर्तमान में कांवड़ मार्गों पर सजीव है। सदियों पुरानी सामाजिक सीमाएं और असमानताएं आस्था के पावन जल में विसर्जित हो चुकी हैं। कंधे पर बंधी कांवड़ किसी की जाति नहीं पूछती। रास्ते के भंडारे किसी की कुल-गोत्र जांच के बाद प्रसाद नहीं बांटते। यह कांवड़ यात्रा के रूप में भारत के सामाजिक अवचेतन का एक जीवंत मानचित्र है और उत्तर प्रदेश इसका प्रतिनिधि राज्य है।

यह यात्रा सिद्ध करती है कि सनातन संस्कृति में ईश्वर की भक्ति हर उस आत्मा का सहज अधिकार है जो शिवत्व में विलीन होना चाहती है। शिव विष को अपने कंठ में धारण कर जगत की रक्षा करते हैं और औघड़दानी बनकर अपने हर भक्त पर समान रूप से अनुकंपा बरसाते हैं। कांवड़ मार्ग पर चलने वाला हर व्यक्ति 'भोले का भक्त' है। वहां उसकी कोई सामाजिक, आर्थिक या जातीय पहचान नहीं रह जाती। यह इस पूर्वाग्रह को खारिज करता है कि भारत में सांस्कृतिक और धार्मिक प्रतीक उच्च जातियों के वर्चस्व को बनाए रखने के साधन रहे हैं। जब लाखों की संख्या में वंचित और पिछड़े वर्ग के युवा शिवभक्ति के इस महायज्ञ का मुख्य ध्वजवाहक बनते हैं, तो वे सिद्ध करते हैं कि सनातन धर्म का वास्तविक ढांचा सहअस्तित्व और भ्रातृत्व पर आधारित है। कांवड़ यात्रा के सुचारु संचालन के लिए की गई व्यापक व्यवस्थाएं, जैसे सुरक्षित और स्वच्छ मार्ग, चिकित्सा शिविर, विश्राम स्थल, प्रकाश व्यवस्था, और कांवड़ियों के भोजन-पानी के लिए उचित प्रबंध यह दर्शाते हैं कि सरकार अध्यात्म को सामाजिक सशक्तीकरण और समरसता का माध्यम मानती है। कांवड़ मार्गों पर लगने वाले सेवा शिविरों में जो सेवा भावना दिखाई देती है, वह समाज के भीतर से छुआछूत, ऊंच-नीच और वैमनस्य के भाव को जड़ से समाप्त कर देती है।

जीवन दर्शन

जिसे हम जानते नहीं उससे भय कैसा?

हम अक्सर कहते हैं कि हमें अज्ञात से डर लगता है, भविष्य अनिश्चित है, मृत्यु रहस्यमय है, इसलिए हम डरते हैं। लेकिन, क्या यह वास्तव में सच है? यदि आप बहुत ध्यान से अपने मन को देखें, बिना किसी निष्कर्ष और किसी सिद्धांत के, तो पाएंगे कि आपका भय अज्ञात से नहीं है। अज्ञात तो अज्ञात है। उसके बारे में तो आपको कुछ पता ही नहीं है। और, जिसे आप नहीं जानते, तो फिर उससे भय कैसे हो सकता है? भय तो हमेशा किसी ज्ञात स्थिति या वस्तु से जुड़ा होता है, जैसे-किसी स्मृति से या किसी अनुभव से। जब आप कहते हैं कि आपको मृत्यु से भय है, तो क्या वास्तव में आपको मृत्यु से भय होता है? आप मृत्यु को जानते तक नहीं। आपने उसे कभी अनुभव नहीं किया।

आप जिस चीज से डरते हैं, वह है, उन सब चीजों को खो देना, जिन्हें आप जानते हैं- अपना परिवार, नाम, उपलब्धियां व स्मृतियां। यानी, भय मृत्यु का नहीं, ज्ञात के समाप्त हो जाने का है। मन का स्वभाव है, ज्ञात से चिपके रहना। आप एक दुखद रिश्ते में भी वर्षों तक रह सकते हैं, क्योंकि वह परिचित है। यही मनोवैज्ञानिक बंधन है। मन कहता है-मैं जानता हूं कि मैं कौन हूं। लेकिन, क्या आप जानते हैं? आपका 'मैं' क्या है? क्या वह स्मृतियों का संग्रह नहीं है। आपका नाम, आपकी सफलताएं और असफलताएं, अनुभव-इन सबका संचय ही आपका 'मैं' है। फिर स्वाभाविक रूप से आप इस 'मैं' से चिपक जाते हैं। कोई आपकी छवि को नुकसान पहुंचाता है,

तो आपको चोट पहुंचती है।

ऐसे में, आप घबरा जाते हैं, क्योंकि ज्ञात, यानी 'मैं' हिलने लगता है। जहां सुरक्षा की खोज सत्य की खोज पर हावी हो जाती है, वहीं से भय शुरू हो जाता है। आप नदी में खड़े होकर चाहते हैं कि जल बहना बंद कर दे। पर, नदी का स्वभाव बहना है। इसी तरह जीवन का स्वभाव भी परिवर्तन है। और, मन का स्वभाव पकड़ कर रखना। इन दोनों के बीच संघर्ष ही भय है। अब बात आती है कि क्या मन बिना कोई निष्कर्ष निकाले भय को देख सकता है? यदि आप ऐसा कर सकें, तो कुछ असाधारण होता है। आप पाते हैं कि देखने वाला और भय अलग-अलग नहीं हैं। जब यह विभाजन समाप्त हो जाता है, तब संघर्ष समाप्त हो जाता है। और, जहां संघर्ष समाप्त होता है, वहां ऊर्जा मुक्त हो जाती है। उस ऊर्जा में एक नई बुद्धिमत्ता जन्म लेती है। तब मन ज्ञात से चिपका नहीं रहता। वह हर क्षण नया होने के लिए तैयार रहता है। उसी दिन भय की जड़ हिलने लगती है। तब पहली बार मन वास्तव में स्वतंत्र होता है, क्योंकि वह अब ज्ञात की जेल में नहीं रह रहा होता।

भय अज्ञात से नहीं, बल्कि ज्ञात को खोने की चिंता से जन्म लेता है। हम स्मृतियों, रिश्तों, पहचान और उपलब्धियों को पकड़कर सुरक्षा खोजते हैं, जब हम बिना निष्कर्ष निकाले अपने भय को देखते हैं, तो विचार और भय का संबंध समझ में आता है। संघर्ष समाप्त होते ही भीतर की ऊर्जा मुक्त होती है।

जिद्दू कृष्णमूर्ति

॥ गीता ज्ञान ॥

श्लोक

त्रैगुण्यविषया वेदा निस्त्रैगुण्यो भवार्जुन ।
निर्द्वन्द्वो नित्यसत्वस्थो निर्योगक्षेम आत्मवान ?॥

भावार्थ

हे अर्जुन! वेद तीनों गुणों के कार्य रूप समस्त भोगों का प्रतिपादन करने वाले हैं, इसलिए तू उन भोगों में आसक्तिहीन, हर्ष-शोकादि द्वंद्वों से रहित, नित्यवस्तु परमात्मा में स्थित योग, क्षेम को न चाहने वाला और स्वाधीन अन्तःकरण वाला हो॥

संक्षिप्त खबरें

युवा कांग्रेस ने डिप्टी सीएम के बंगले पर उड़ाए नकली नोट

जागरण, भोपाल। युवा कांग्रेस ने उपमुख्यमंत्री और वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा के बंगले के बाहर बुधवार को नकली नोट उड़ाकर प्रदर्शन किया। मध्य प्रदेश के सरकारी खजाने में 600 करोड़ की गड़बड़ी का आरोप लगाया। दोपहर करीब 2 बजे एनएसयूआई प्रदेश उपाध्यक्ष अभिषेक परमार के नेतृत्व में कार्यकर्ता प्रतीकात्मक रूप से नोटों की गड्डियां लेकर पहुंचे। उन्होंने वित्त मंत्री को नोट सौंपने के लिए बंगले के अंदर जाने की कोशिश की, लेकिन पुलिस ने उन्हें रोक दिया। इसके बाद प्रदर्शनकारियों ने हवा में नोट उड़ा दिए।

पुलिस ने कार्यकर्ताओं को हिरासत में लेकर टीटी नगर थाने पहुंचाया। प्रदर्शन खत्म होने के बाद भी बंगले के बाहर सड़क पर काफी देर तक नोट बिखरे रहे। मौके पर मौजूद लोगों ने इसका वीडियो भी बनाया। अभिषेक परमार ने आरोप लगाया कि वित्त विभाग के अधीन सरकारी खजाने में करीब 600 करोड़ रुपए की गड़बड़ी हुई है। उनका कहना था कि मामले में छोटी मछलियों पर कार्रवाई की गई, लेकिन जिम्मेदार बड़े लोगों पर कार्रवाई नहीं हुई।

देवड़ा बोले, नोटों को पैरों के नीचे फेंका: प्रदर्शन को लेकर उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने कहा कि प्रदर्शनकारियों ने भारतीय मुद्रा का अपमान किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि नोटों को पैरों के नीचे फेंका गया, जिससे कांग्रेस की सोच और स्तर का पता चलता है। सरकारी भुगतान में गड़बड़ी को लेकर देवड़ा ने कहा कि गलत जगह फंड ट्रांसफर होने का मामला वित्त विभाग के सॉफ्टवेयर ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के जरिए पकड़ा था। उनके मुताबिक, मामले में एफआईआर दर्ज की गई है। रिकवरी भी जारी है। उन्होंने कहा कि दोषियों को किसी भी स्थिति में बख्शा नहीं जाएगा।

छात्रों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकताः मुख्यमंत्री

विसं, भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने देवास में रेलवे अंडरपास में जलभराव के दौरान बैरिकेड हटाकर स्कूल वैन निकालने और विद्यार्थियों की जान जोखिम में डालने की घटना को अत्यंत गंभीरता से लिया है। डॉ. यादव ने स्पष्ट किया है कि विद्यार्थियों की सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मुख्यमंत्री के निर्देशों के मद्देनजर जिला प्रशासन एवं पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए लापरवाह मैजिक चालक को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है, साथ ही स्कूल संचालक के विरुद्ध भी वैधानिक प्रकरण दर्ज किया है। उल्लेखनीय है कि 25 अगस्त को देवास के सिविल लाइन क्षेत्र स्थित रेलवे अंडरब्रिज में भारी वर्षा के कारण जलभराव होने पर पुलिस द्वारा सुरक्षा की दृष्टि से स्टॉपर लगाकर आवागमन प्रतिबंधित किया गया था। इसके बावजूद सिटी कॉन्वेंट स्कूल के मैजिक वाहन चालक ने स्टॉपर हटाकर वाहन को पानी में उतार दिया। वैन पानी में बंद होने पर चालक बच्चों को मौके पर ही छोड़कर भाग गया। सूचना मिलते ही स्थानीय नागरिकों, डायल-112 और सिविल लाइन थाना पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए रस्सी के सहारे सभी स्कूली बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाला।

मां से बड़ा कोई गुरु नहीं, भाई-बहन से बड़ा कोई रिश्ता नहींः रामेश्वर शर्मा

विसं भोपाल। मध्यप्रदेश विधानसभा के पूर्व प्रोटेम स्पीकर एवं विधायक रामेश्वर शर्मा ने कहा है कि संसार में मां से बड़ा कोई गुरु नहीं हो सकता और न ही भाई-बहन से बड़ा कोई रिश्ता हो सका है। रक्षाबंधन का पर्व विश्वास,आत्मीयता और सामाजिक संबंधों को मजबूत बनाने वाला पर्व है। विधायक शर्मा बुधवार को अपने विधानसभा क्षेत्र में आयोजित रक्षाबंधन महोत्सव कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हुजूर विधानसभा क्षेत्र में बहनों के साथ रक्षाबंधन का यह आत्मीय संबंध वर्षभर चलने वाले जनसेवा के संकल्प को और मजबूत करता है। बहनों का स्नेह उन्हें क्षेत्र के विकास और जनसेवा के कार्यो के लिए निरंतर प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र की प्रत्येक बहन और परिवार के सुख-दुख में सहभागी बनना उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि यह उनका सौभाग्य है कि हर वर्ष लाखों बहनों का स्नेह और आशीर्वाद उन्हें प्राप्त होता है। एक जनप्रतिनिधि के नाते बहनों का विश्वास और उनका आशीर्वाद उनके लिए सबसे बड़ी पूंजी है। उन्होंने जिस आत्मीयता और स्नेह के साथ उन्हें राखी बांधी है,उसके प्रति वे आजीवन ऋणी रहेंगे। कार्यक्रम में लगभग 15 हजार बहनों से विधायक रामेश्वर शर्मा को राखी बांधी। इस मौके पर काफी संख्या में महिलाओं और आमजनों ने भाग लिया।

23 हजार पंचायतों को दो हिस्सों में मिलेगा अनुदान 80 फीसदी बेसिक और 20 प्रतिशत परफॉर्मेंस ग्रांट

हर परिवार से 1200 रुपए टैक्स कलेक्शन का टारगेट, केवल चुनिंदा कामों पर होगा खर्च

मुख्य संवाददाता, भोपाल। प्रदेश में पंचायतों के विकास के लिए अब दो हिस्सों में अनुदान की राशि दी जाएगी। 16वें वित्त आयोग के तहत प्रदेश की सभी ग्राम, जनपद और जिला पंचायतों को 2026-27 से 2030-31 तक मिलने वाला अनुदान अब सामान्य खर्च के साथ ही विकास और प्रदर्शन के आधार पर दिया जाएगा। वित्त आयोग पहली किस्त के रूप में पंचायतों को 80 फीसदी राशि बेसिक के रूप में जारी करेगा। इस रकम के सही ढंग से खर्च होने पर ही अब परफॉर्मेंस ग्रांट की शेष 20 प्रतिशत राशि जारी होगी। इसके साथ ही आयोग ने यह साफ कर दिया है कि बेसिक ग्रांट की आधी रकम पंचायतों के पेयजल, स्वच्छता और जल संरक्षण पर खर्च होगी, जबकि बाकी रकम पंचायतें अपनी मर्जी से खर्च कर सकेंगी। आयोग के फैसले के बाद प्रदेश के पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग ने सभी पंचायतों को निर्देश जारी कर यह साफ कर दिया है कि उन्हें ग्रांट तभी मिलेगी जब उनका पिछले 2 वित्त वर्ष का ऑडिट होगा और पंचायतों के बैंक खाते ऑनलाइन सर्टिफाइड होंगे। इसके साथ ही यह भी साफ कर दिया गया है कि 2026-27 की पहली किस्त पाने के लिए 14वें वित्त आयोग की कोई भी राशि पंचायतों के पास शेष नहीं होनी चाहिए।

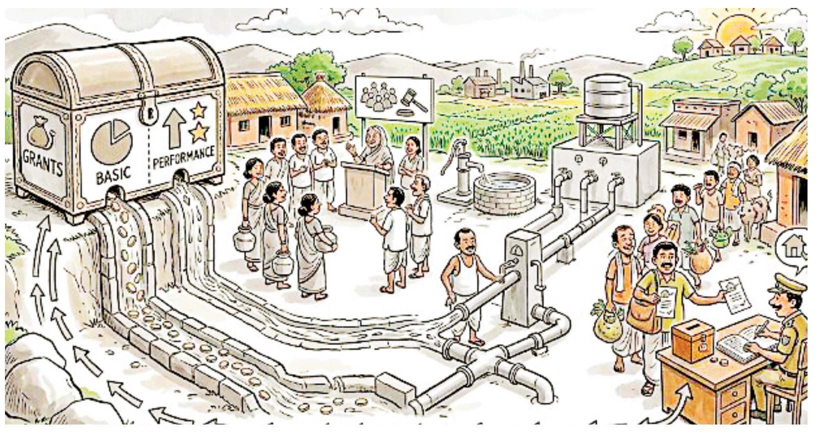

हर घर से 1200 का टैक्स कलेक्शन होने पर ही मिलेगी परफॉर्मेंस ग्रांट

नए नियम के तहत यह साफ कर दिया गया है कि ग्राम पंचायत को अब पिछले वित्त वर्ष की तुलना में अपनी कमाई को 2.5 फीसदी बढ़ाना होगा। इसके लिए यह टारगेट रखा गया है कि हर परिवार से औसतन कम से कम 1200 रुपए का राजस्व वसूला जाए। इसके अलावा, जनपद पंचायतें तभी ग्रांट की पात्र होंगी जब उनके अधिकार क्षेत्र की कम से कम 75प्रति. ग्राम पंचायतों ने आयोग के मानक पूरे किए हों।

केवल इन कामों में खर्च होगा अनुदान

पेयजल आपूर्ति, जल स्रोतों की सुरक्षा, टंकी या जल स्रोतों के पास की फेंसिंग, सफाई, मैपिंग, बोरवेल, हैंडपंप, पंप, मोटर, वाल्व की मरम्मत, पाइपलाइन, आपातकालीन मेंटेनेंस, ओवरहेड टैंक की सफाई, स्कूल, आंगनवाड़ी, स्वास्थ्य केंद्र, बस स्टैंड में नल कनेक्शन, क्लोरीन डोजर, जल परीक्षण किट, बल्क वाटर टैक्स का भुगतान, वाटर ट्रीटमेंट प्लांट का संचालन, नल-जल मित्र एवं ऑपरेटर को मानदेय, बिजली बिल भुगतान, सोलर पैनल की स्थापना, जल बजट, जल चौपाल, ऑडिट और योजना तैयार करने का खर्च, सामुदायिक परिसर का मेंटेनेंस, अस्थायी शौचालय, गोवर्धन प्रोजेक्ट, स्वच्छता कर्मियों का मानदेय, सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट।

सबकी योजना सबका विकास के तहत बनेगा प्लान

अब ग्राम पंचायतों के लिए बनने वाला प्लान केवल पंचायत की ग्राम सभा में ही बनाया जाएगा। हर पंचायत की आम सभा में तय किए गए प्लान को ई-ग्राम स्वराज पोर्टल पर अपलोड किया जाना अनिवार्य है। इसी तरह जनपद और जिला पंचायत का प्लान भी साधारण सभा में पास कर राच्य सरकार के पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग को ऑनलाइन भेजा जाएगा। 16वें वित्त आयोग में सबसे अधिक फोकस पंचायतों की वाटर सप्लाई पर किया गया है। इसमें यह साफ कर दिया है कि अब ग्राम पंचायतें ब्लीचिंग पाउडर, टेस्ट किट आदि खरीदें, जबकि जनपद स्तर पर पंप-मोटर-वाल्व और स्पेयर पार्ट्स की खरीदी होगी। इसके अलावा जिला स्तर पर बड़े उपकरणों की खरीद की जाएगी। इसका मकसद यही है कि पेयजल आपूर्ति में आने वाली छोटी सी परेशानी के लिए ग्रामीणों को जिला स्तर से मदद के लिए इंतजार न करना पड़े।

इस फंड से इन कामों की अनुमति नहीं

नियमित सरकारी कर्मचारियों का वेतन, वाहनों की खरीद, कार्यालय भवनों का निर्माण, व्यक्तिगत लाभार्थियों को भुगतान, धार्मिक संरचनाओं का निर्माण या मरम्मत, खेलकूद या सामान्य सांस्कृतिक कार्यक्रम।

7 दिन होंगे रासलीला समारोह, प्रदेशभर में किए जाएंगे आयोजन

विसं भोपाल। रक्षाबंधन, बलराम जयंती एवं श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर प्रदेश में विभिन्न आयोजन होंगे। सामान्य प्रशासन विभाग ने स्कूल शिक्षा, उच्च शिक्षा, संस्कृति, किसान कल्याण तथा कृषि विकास,महिला एवं बाल विकास,लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा, पर्यटन, जेल, गृह, पशुपालन, जनजातीय कार्य विभाग सहित कमिश्नर और कलेक्टर्स को निर्देश जारी किए है। सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी परिपत्र अनुसार रक्षाबंधन पर्व 28 अगस्त, 2026 को सामाजिक रिश्तों से प्रकृति तक विस्तार कर जल, प्रकृति और पर्यावरण से गहन संबंध के रक्षण का संकल्प एवं आह्वान के लिए विभिन्न वर्ग को जोड़ने के लिए एक राखी एक संकल्प, रक्षासूत्र एक राखी एक रिश्ता, पेड़ को राखी-प्रकृति से भाईचारा जैसी गतिविधियाँ जनसहभागिता के साथ आयोजित की जायेगी। छात्रों के लिए स्कूलों में प्रकृति की रक्षा के लिए कहानी, पेंटिंग प्रतियोगिता आयोजित की जायेगी। रक्षाबंधन के अवसर पर मुख्यमंत्री निवास में प्रसंग के अनुरुप आयोजन होंगे। बलराम जयंती 2 सितम्बर 2026 के अवसर पर बलराम कृषि महोत्सव के तहत कृषि संबंधी पारंपरिक कलारुपों की विशेष प्रस्तुतियों के साथ आधुनिक कृषि उपकरण एवं बीज और प्राकृतिक खेती केन्द्रित प्रदर्शनी, सह-संवाद जैसी गतिविधियाँ आयोजित की जायेगी।

अभियोजन की स्वीकृति नहीं देने वाली सरकार हो बर्खास्तः जीतू

विशेष संवाददाता, भोपाल। प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने बुधवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को पत्र लिखा है,जिसमें उन्होंने कर्नल सोफिया के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करने वाले मंत्री विजय शाह के खिलाफ अभियोजन की स्वीकृति नहीं देने वाली राज्य सरकार को बर्खास्त करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि इस मामले में पूरा मंत्रिमण्डल दोषी हैं। पटवारी ने पत्र में आरोप लगाया कि सरकार एक बड़बोले मंत्री को राजनीतिक संरक्षण दे रही है। सत्तारूढ़ दल एक राजनीतिक व्यक्ति को जवाबदेही से बचाने के लिए न्यायिक प्रक्रिया में बाधा डाल रहा है। उन्होंने पत्र में कहा कि यह मध्यप्रदेश के राजनीतिक इतिहास का बेहद शर्मनाक अध्याय है। मामला केवल जनजाति कार्य मंत्री के आचरण तक सीमित नहीं है,बल्कि मुख्यमंत्री और पूरी कैबिनेट की संवैधानिक और नैतिक जवाबदेही से जुड़ा है। इसलिए मुख्यमंत्री सहित पूरी कैबिनेट को बर्खास्त किया जाना चाहिए। कांग्रेस नेता ने कहा कि राष्ट्रपति, सेना और संविधान का सर्वोच्य संरक्षक हैं। देश की जनता उनसे संविधान की गरिमा, न्यायिक प्रक्रिया की स्वतंत्रता और भारतीय सेना के सम्मान की रक्षा के लिए अपनी संवैधानिक जिम्मेदारी निभाने की उम्मीद करती है। उन्होंने उम्मीद जताई कि केन्द्र सरकार और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी इस मुद्दे पर अपना रुख स्पष्ट करेंगे और राजनीतिक प्रभाव को न्यायिक प्रक्रिया में बाधा नहीं बनने देंगे।

नेता प्रतिपक्ष ने लिखा राज्यपाल को पत्र

नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने राज्यपाल मंगुभाई पटेल को पत्र लिखकर मंत्री विजय शाह के विरुद्ध अभियोजन स्वीकृति पर निर्णय लेने का आग्रह किया है। उन्होंने सवाल किया कि मंत्री के लिए अलग कानून क्यों है, जबकि इस गंभीर मामले में गठित एसआईटी अभियोजन की मांग काफी समय से कर रही है, लेकिन मंत्री को बचाने के लिए प्रदेश सरकार ने अभियोजन स्वीकृति देने से इंकार कर दिया। इससे सरकार की निष्पक्षता पर गंभीर सवाल खड़े होते हैं।

बाबा साहब का कांग्रेस ने हमेशा किया अपमान, चुनाव भी हरवायाः खंडेलवाल

अनुसूचित जाति, किसान एवं युवा मोर्चा के प्रदेश पदाधिकारियों को किया संबोधित

विसं, भोपाल। मध्यप्रदेश भाजपा के अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने कहा कि कांग्रेस ने हमेशा बाबा साहब अंबेडकर का अपमान किया है। उन्हें चुनाव तक हरवाया और अब कांग्रेस के लोग आरक्षित वर्ग को बाबा साहब के नाम पर बरगलाकर वोट पाने की कोशिश करते हैं, जबकि भाजपा ने बाबा साहब और संत रविदास का हमेशा सम्मान किया है। खंडेलवाल पार्टी दफ्तर में बुधवार को अनुसूचित जाति मोर्चा, किसान मोर्चा एवं युवा मोर्चा की प्रदेश पदाधिकारियों की अलग-अलग बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भाजपा ने हमेशा बाबा साहब के विचारों और संविधान के प्रति सम्मान को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। केंद्र में अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार रही हो या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार, भाजपा ने हमेशा समाज के गरीब, वंचित और पिछड़े वर्गों की आर्थिक प्रगति और सामाजिक सशक्तिकरण के लिए काम किया है। मध्यप्रदेश में पहले भाजपा की सरकारों ने और अब मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार हर वर्ग और हर क्षेत्र के विकास को प्राथमिकता देते हुए लोगों को मजबूत बनाने का काम कर रही है। उन्होंने कहा कि संत शिरोमणि

रविदास महाराज की 650वीं जयंती के अवसर पर भाजपा द्वारा देशभर में चलाया जा रहा समरसता संकल्प अभियान सामाजिक एकता और समरसता का व्यापक संदेश दे रहा है। युवा पीढ़ी जब सवाल पूछे, तो कार्यकर्ता उन्हें हमारी सरकारों के कार्यों और उपलब्धियों की जानकारी तथयों के आधार पर दें, ताकि वे हर बात को सही ढंग से समझ सकें। समाज के प्रत्येक वर्ग को साथ लेकर चलें और संगठन तथा समाज के बीच मजबूत सेतु की भूमिका निभाएं।

किसान मोर्चा की बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि मध्यप्रदेश सरकार ने वर्ष 2026 को 'किसान वर्ष' घोषित किया है। पिछला वर्ष उद्योगों को समर्पित था, जबकि इस वर्ष किसानों के हित, कल्याण और सशक्तिकरण को प्राथमिकता दी जा रही है। ऐसे में किसान मोर्चा की भूमिका और जिम्मेदारी और अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है। किसान मोर्चा किसानों की आवाज बनकर संगठन और सरकार के बीच महत्वपूर्ण कड़ी का कार्य करता है। हमारा प्रयास है कि सरकार और संगठन की योजनाओं, निर्णयों एवं उपलब्धियों की जानकारी प्रदेश के प्रत्येक किसान तक पहुंचे। किसान मोर्चा लंबे समय से किसानों के हितों और उनकी समस्याओं को लेकर सक्रियता से कार्य करता रहा है और आने वाले समय में भी उसे इसी प्रतिबद्धता के साथ अपनी भूमिका निभानी होगी। इसी तरह खण्डेलवाल ने युवा मोर्चा की बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि कार्यकर्ता देश और मध्यप्रदेश के युवाओं का भविष्य संवारने के लिए खुद को समर्पित करें, तभी समाज में आप की स्वीकारोक्ति और बढ़ेगी। समाज में सकारात्मक तथय पहुंचाएं, नकारात्मकता बहुत समय तक नहीं चलती। समाज में सकारात्मक मुद्दों को लेकर राजनीति करने वाले, कार्य करने वाले आज भी याद किए जा रहे हैं और जिन्होंने नकारात्मकता को बढ़ावा दिया, नकारात्मकता को अपनी राजनीति का जरिया बनाया, उन्हें आज कोई याद नहीं करता।

ई-अटेंडेंसः जल्द आएगा विभाग का नया सर्कुलर

भोपाल। मध्य प्रदेश में ई-अटेंडेंस को लेकर शिक्षकों के विरोध के बीच स्कूल शिक्षा विभाग अब इसके पॉवर डेलिगेट करने की तैयारी में है। जल्द ही जिलों में पदस्थ संकुल प्राचार्यों को इसके पॉवर दिए जाएंगे और उचित कारण होने की दशा में संकुल प्राचार्य अपने विद्यालय क्षेत्र में आने वाले शिक्षकों को ई-अटेंडेंस लगाने के मामले में देरी पर राहत दे सकेंगे। जल्दी ही इसके आदेश विभाग जारी करने वाला है। लोक शिक्षण आयुक्त अभिषेक सिंह ने कहा कि शिक्षकों की ई-अटेंडेंस व्यवस्था अब सामान्य स्थिति में आ गई है। रोज 97 से 98 प्रतिशत शिक्षकों द्वारा ई अटेंडेंस लगाई जा रही है, इसलिए अब उचित कारण के साथ संकुल प्राचार्यों को इससे संबंधित पॉवर दिए जाएंगे। जल्दी ही इसको लेकर अगले 15 दिनों में सर्कुलर जारी कर दिया जाएगा।

शिक्षकों के लिए भूख हड़ताल करेंगेः दिग्विजय

आंदोलनरत शिक्षक अभ्यार्थियों के बीच पहुंचे पूर्व सीएम

विशेष संवाददाता, भोपाल। पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह शिक्षक भर्ती -2025 में पद बढ़ाने को लेकर आंदोलनरत अभ्यार्थियों के समर्थन में भूख हड़ताल करेंगे। बुधवार को सिंह राजधानी के नीलम पार्क में चल रहे आंदोलन स्थल पर पहुंचे और मांगों का समर्थन किया। अनिश्चितकालीन धरने पर बैठे अभ्यार्थियों का समर्थन करते हुए कांग्रेस नेता ने कहा कि यदि शिक्षक दिवस तक सरकार मांगे पूरी नहीं करती है,तो वे खुद 24 घंटे की भूख हड़ताल करेंगे। उन्होंने कहा कि रिक्त पद होने के बाद भी सरकार भर्ती में पद नहीं बढ़ाना चाहती है, जो पूरी तरह से युवाओं के साथ अन्याय है। सरकार को इस मामले में जल्द ही निर्णय लेना चाहिए। कांग्रेस नेता ने कहा कि शिक्षा और स्वास्थ्य उनके लिए हमेशा प्राथमिकता रहे हैं, चाहे प्रदेश में उनके नेतृत्व वाली कांग्रेस की सरकार रही हो,या फिर वे राज्यसभा सदस्य रहे हो। उनके मुख्यमंत्री कार्यकाल के समय गांवों तक शिक्षा पहुंचाने के लिए बड़ी संख्या में स्कूल खोले गए और स्थानीय स्तर पर शिक्षकों की भर्ती की व्यवस्था की गई थी। शिक्षा व्यवस्था में बदलाव का उसर उन शिक्षकों पर पड़ रहा है,जिन्होंने लंबे समय तक पुराने पाठ्यक्रम के आधार पर सेवाएं दी हैं और अब नए पाठ्यक्रम के अनुसार परीक्षा देने की स्थिति में हैं। कांग्रेस नेता ने सरकार से सवाल करते हुए कहा कि जब प्रदेश में शिक्षकों के हजारों पद खाली हैं,तो सरकार भर्ती प्रक्रिया में पद क्यों नहीं बढ़ा रही है। उन्होंने कहा कि एक ओर सरकार युवाओं को रोजगार देने की बात कर रही है, तो वहीं दूसरी ओर खाली पदों पर उन्हें नियुक्त नहीं किया जा रहा है,इस दोहरे मापदण्ड से युवाओं का भविष्य अंधकार की ओर जा रहा हैं, जिसका वे पुरजोर विरोध करेंगे। इस मौके पर पूर्व मंत्री पीसी शर्मा सहित दूसरे नेता भी मौजूद रहे।

43 अनुकंपा संविदाकर्मी किए गए नियमति

विसं भोपाल। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया कि विद्युत कंपनियों में दिवंगत कार्मिकों के आश्रितों को अनुकंपा आधार पर संविदा पदों पर दी गई नियुक्तियों को नियमित करने की प्रक्रिया में 43 अनुकंपा संविदाकर्मियों को नियमित नियुक्ति प्रदान की है। यह कदम कर्मचारी कल्याण एवं सामाजिक सुरक्षा की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। मुख्य अभियंता मानव संसाधन एवं प्रशासन धीरेन्द्र सिंह ने बताया कि दिवंगत कार्मिकों के आश्रितों को मध्यप्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी की अनुकंपा नियुक्ति नीति-2018 एवं संशोधित नीति-2023 के प्रावधानों के तहत संविदा पदों पर नियुक्त किया गया था। कंपनी द्वारा 2026 की अनुकंपा आधार पर संविदा पदों पर नियुक्त कार्मिकों की समकक्ष नियमित पद पर नवीन नियुक्ति योजना के अंतर्गत ऐसे पात्र संविदा कर्मियों को नियमित पदों पर नियुक्ति प्रदान की गई है।

हाईकोर्ट ने पूछा-ईडब्ल्यूएस की सीटें घटाकर 37 क्यों की

एकलपीठ ने कृषि विभाग से मांगा जवाब

जागरण, जबलपुर। मप्र हाई कोर्ट ने सरकार से पूछा है कि ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी के पदों पर भर्ती के लिए निर्धारित 444 ईडब्ल्यूएस सीटों को घटाकर 37 क्यों कर दी गई। जस्टिस विशाल धगट की एकलपीठ ने इस मामले में कृषि विभाग से जवाब मांगा है। नर्मदापुरम निवासी मोहित सिंह परमार की ओर से याचिका दाखिल कर बताया कि कृषि विभाग ने भर्ती प्रक्रिया में ईडब्ल्यूएस वर्ग के लिए 444 सीटें निर्धारित की थीं। आवेदन की अंतिम तिथि 17 जुलाई, 2026 को शाम के समय इन सीटों की संख्या अचानक घटाकर 37 कर दी गई। याचिकाकर्ता ने इस बदलाव को चुनौती देते हुए इसे ईडब्ल्यूएस वर्ग के अभ्यर्थियों के हितों के विपरीत बताया है। सुनवाई के दौरान हाई कोर्ट ने कृषि विभाग से पूछा कि ईडब्ल्यूएस की निर्धारित सीटों में इतनी बड़ी कटौती किस आधार पर की गई। कोर्ट ने मामले की गंभीरता को देखते हुए प्रतिवादी विभाग को चार सप्ताह के भीतर जवाब प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। मामले की अगली सुनवाई चार सप्ताह बाद होगी। याचिकाकर्ता की ओर से कहा गया कि भर्ती प्रक्रिया में आरक्षण संबंधी नियमों का पालन आवश्यक है। बिना ठोस कारण के सीटों में कटौती से पात्र अभ्यर्थियों के अधिकार प्रभावित हो सकते हैं। कोर्ट के निर्देश के बाद अब कृषि विभाग को सीटों में बदलाव का आधार स्पष्ट करना होगा।

एसीसी सीमेंट कंपनी की कोयला डंपिंग पर हाई कोर्ट सख्त

जागरण, जबलपुर। सिंगरौली जिले के सरई रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर-एक पर अदाणी समूह की कंपनी एसीसी लिमिटेड द्वारा कोयला लोडिंग-अनलोडिंग के मामले में हाई कोर्ट ने सख्त रुख अपनाया है। कोर्ट ने पश्चिम मध्य रेलवे को प्लेटफार्म खाली कराने के अंतरिम निर्देश दिए हैं। एक्टिंग चीफ जस्टिस विवेक रूसिया व जस्टिस प्रदीप मित्तल की युगलपीठ ने जनहित याचिका पर सुनवाई की। सरई के ग्राम शिवगढ़ निवासी अधिवक्ता विनय जायसवाल ने याचिका दायर की है। आरोप है कि यात्रियों के लिए निर्धारित प्लेटफार्म का इस्तेमाल करीब तीन वर्षों से कोयला लोडिंग-अनलोडिंग के लिए किया जा रहा है, जबकि शुरुआत में अनुमति केवल तीन महीने के लिए दी गई थी। याचिका में कहा गया कि कोयले की धूल, कालिख और मलबे से यात्रियों के साथ आसपास के नागरिकों को भी परेशानी हो रही है।

स्कूली बच्चों को यूनिफॉर्म नहीं, खाते में आएगा पैसा

अटका 350 करोड़ का टेंडर, सरकार फिर बदलेगी व्यवस्था

भोपाल। मध्य प्रदेश के सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले कक्षा 1 से 8वीं तक के 56 लाख विद्यार्थियों को सिली हुई स्कूल ड्रेस देने के फैसले में बदलाव की तैयारी है। अप्रैल से शुरू हुए शैक्षणिक सत्र के करीब आधे से ज्यादा समय बीतने के बावजूद बच्चों को यूनिफॉर्म नहीं मिल सकी है। ऐसे में स्कूल शिक्षा विभाग अब कैबिनेट से दोबारा मंजूरी लेकर ड्रेस की राशि विद्यार्थियों के बैंक खातों में ष्डक्ज्ञ (डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर) के जरिए भेजने की तैयारी कर रहा है।

स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह की मौजूदगी में हुई बैठक में यूनिफॉर्म वितरण की व्यवस्था बदलने का फैसला लिया गया है। विभाग जल्द ही संशोधित प्रस्ताव कैबिनेट के सामने रखेगा। मंजूरी मिलने के बाद विद्यार्थियों को दो जोड़ी यूनिफॉर्म के लिए तय राशि सीधे उनके खातों में भेजी जाएगी।

मोहन कैबिनेट ने जून में कक्षा 1 से 8वीं तक के विद्यार्थियों को दो यूनिफॉर्म सिलाकर देने का फैसला किया था। इसके लिए मध्य प्रदेश पाठ्य पुस्तक निगम ने करीब 350 करोड़ रुपए का टेंडर जारी किया था। टेंडर 3 जून को फ्लोट किया गया था। हालांकि, टेंडर प्रक्रिया समय पर पूरी नहीं हो सकी। इसके चलते यूनिफॉर्म की सिलाई और सप्लाई शुरू नहीं हो पाई। अब अगस्त का महीना भी बीत गया है और बच्चे नई ड्रेस का इंतजार कर रहे हैं। सिली हुई यूनिफॉर्म की सप्लाई का ठेका एक कंपनी को देने की योजना थी। टेंडर प्रक्रिया को लेकर मामला हाईकोर्ट पहुंच गया।

प्रथम पृष्ठ के शेष

मध्यप्रदेश की बढ़ी विदेशी...

अलग-अलग तरीके से अपना-अपना स्वरूप ले रहा है। उन्होंने कहा कि भोपाल में जीआईएस से पहले हमारी सरकार ने रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव आयोजित कर प्रदेश के अलग-अलग क्षेत्रों में औद्योगिक विकास की संभावनाएं तलाशी थीं। इसी आधार पर ग्वालियर में टेलीकॉम सेक्टर की सबसे बड़ी यूनिट स्थापित की जाएगी। कभी चंबल क्षेत्र में दस्यु समस्या थी,लेकिन अब ग्वालियर - चंबल क्षेत्र निवेश,उद्योग और रोजगार के लिए अपनी पहचान बना रहा है। उन्होंने कहा कि औद्योगिक संस्थानों द्वारा स्थानीय स्तर पर कर्मचारियों के कौशल विकास के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरूआत करनी चाहिए।

सीएम ने कहा कि व्यावसायिक घरानों के माध्यम से कई घरों में रोशनी होती है, सुख -समृद्धि का मार्ग निकलता है। मेड-इन-एमपी और फेथ-इन-एमपी की मिसाल तैयार हो रही है। उद्योग और निवेश के क्षेत्र के लिए ,युवाओं के लिए,राज्य की समृद्धि के लिए प्रदेश केन्द्र सरकार के साथ कदम से कदम मिलाकर चल रहा है। इस मौके पर विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर भी मौजूद रहे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में लगातार निवेश आ रहा है। पहले चंबल को देश का पिछड़ा क्षेत्र माना जाता था,अब यहां धीरे-धीरे औद्योगिक निवेश बढ़ रहा है। भिंड जिले में हाइड्रोजन तैयार करने के लिए प्लांट का शिलान्यास भी हो चुका है। मालनपुर औद्योगिक क्षेत्र से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मेक इन इंडिया का संकल्प पूरा हो रहा है। इस मौके पर भिण्ड के प्रभारी मंत्री एवं पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद पटेल ने कहा कि इस नई औद्योगिक ईकाई से लोगों को रोजगार के अवसर मिलेंगे। इस मौके पर औद्योगिक संस्थान के प्रतिनिधियों ने कहा कि उनके संस्थान ने मलेरिया सहित अन्य मच्छर जनित बीमारियों की रोकथाम के लिए खास उत्पाद तैयार किए। इस दौरान मध्यप्रदेश में मलेरिया के मरीजों की संख्या में कमी देखने को मिली थी। वर्ष 2030 तक राज्य को मलेरिया मुक्त बनाने के लिए उनका संस्थान प्रदेश सरकार के साथ काम करने के लिए तैयार हैं।

नेपाल बाढ़ की वजहः चर्चा में तीन थ्योरी

नई दिल्ली, जेएनएन। नेपाल में बुधवार सुबह अचानक आई बाढ़ ने कुछ ही घंटों में कई इलाकों में भारी तबाही मचा दी। रसुवा, नुवाकोट, धादिंग और चितवन में पुल टूट गए, बिजली के ढांचे को नुकसान पहुंचा। अब सवाल है कि नदी में इतना पानी अचानक आया कहां से? इसकी वजह जानने के लिए जांच चल रही है। शुरुआती जांच में तीन संभावनाएं सामने आई हैं। इस बीच, बाढ़ की लहर नारायणी-गंडक के रास्ते भारत तक पहुंच सकती है। इसे देखते हुए बिहार और उत्तर प्रदेश के कुछ इलाकों पर नजर रखी जा रही है। लेकिन असली सवाल अब भी वही है कि इतना पानी अचानक आया कहां से?

पहली आशंका

पहली आशंका यह है कि पहाड़ से बड़ी मात्रा में बर्फ, चट्टानें और मलबा खिसककर नदी में जा गिरा। इससे पानी का रास्ता कुछ देर के लिए रुक गया। नतीजतन, पीछे भारी मात्रा में पानी जमा होता चला गया। दबाव इतना बढ़ गया कि आखिरकार रुकावट टूट गई, जिससे सैलाब निचले इलाकों में उतर आया। रसुवागढ़ी के करीब कुछ दूरी पर चट्टानों के खिसकने के निशान मिले हैं।

दूसरी आशंका

दूसरी आशंका भूकंप से जुड़ी थी। बाढ़ से कुछ देर पहले तिब्बत के इस इलाके में भूकंप जैसा कंपन दर्ज हुआ था। इसे भूकंप माना गया था। अब एसजीएस ने इसका स्टेटस अपडेट किया है। भूकंपीय डेटा और सैटेलाइट तस्वीरों के मिलान से सामने आया है कि यह कंपन लैंडस्लाइड की वजह से दर्ज हुआ था। इससे भूकंप को बाढ़ की वजह मानने वाली शुरुआती आशंका कमजोर पड़ गई है।

तीसरी आशंका

तीसरी संभावना ग्लेशियल लेक आउटबर्स्ट फ्लड की है। आसान शब्दों में कहें तो पहाड़ों पर बनी बर्फीली झील का पानी अचानक बाहर निकल जाए तो नीचे की ओर तेज बहाव बन सकता है। नेपाल के मौसम विभाग ने बताया है कि भोटेकोशी में आई बाढ़ बारिश की वजह से नहीं हुई। उनके मुताबिक रसुवा में पिछले 24 घंटे के दौरान बारिश 7 मिलीमीटर से ज्यादा नहीं हुई थी।

भारत की चिंता क्यों बढ़ीः यूपी पर नजर

नेपाल की बाढ़ का रास्ता भारत तक पहुंचने वाली एक अहम नदी से जुड़ता है। त्रिशूली नदी देवघाट में काली गंडकी से मिलती है। इसके बाद यह नारायणी बनती है। यही नारायणी भारत में वाल्मीकिनगर के पास पहुंचकर गंडक नदी कहलाती है। यही वजह है कि भारत में गंडक के पानी पर नजर रखी जा रही है। केंद्रीय जल आयोग ने बिहार और उत्तर प्रदेश में गंडक के किनारे बसे इलाकों को सतर्क रहने की सलाह दी है। बिहार में पश्चिम चंपारण, पूर्वी चंपारण, गोपालगंज, सारण, मुजफ्फरपुर और वैशाली में निगरानी बढ़ाई गई है। पश्चिम चंपारण बाढ़ की लहर के रास्ते में आने वाला पहला बड़ा भारतीय जिला है। एनडीआरएफ की टीमें बेतिया, गोपालगंज और मुजफ्फरपुर में तैनात की गई हैं।

नेपालः तस्वीरें तबाही के मंजर की

नेपाल के नुवाकोट जिले के त्रिशुली नदी में अचानक आई बाढ़ के बाद नदी किनारे के घर कीचड़ भरे पानी में डूब गए।

तिब्बत से आई बाढ़ कई लोगों की जान पर आफत बन गई। बचाव दल ऐसी ही एक बुजुर्ग महिला को जेसीबी की मदद से बचाने में सफल में रहा।

नेपाल के उत्तरी हिस्से के रसुवा ज़िले के भोटेकोशी नदी में आई बाढ़ ने किनारे बने मकानों को भी अपनी चपेट में ले लिया।

बाढ़ से सबसे ज्यादा तबाही रसुआ जिले में हुई। बाढ़ ने ऐसा कहर मचाया कि सब कुछ तहस-नहस कर दिया। स्थानीय लोग बाढ़ से हुई तबाही देखते हुए।

हॉल और सैफरान के बीच हेलीकॉप्टर इंजन 'अरावली' के लिए हुआ करार

देश में ही होगा निर्माण, भारत और फ्रांस की साझेदारी से सेना को मिलेगी नई ताकत

नई दिल्ली, जेएनएन। भारत और फ्रांस मिलकर नई पीढ़ी का शक्तिशाली हेलीकॉप्टर इंजन बनाएंगे। इस इंजन का नाम 'अरावली' रखा गया है। जिसकी क्षमता 3,500 से 4,000 एसएचपी के बीच होगी। इस इंजन का निर्माण भारत में किया जाएगा। इसके लिए हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (हॉल) और फ्रांस की सैफरान हेलीकॉप्टर इंजन के बीच करार हुआ है। यह समझौता दोनों कंपनियों की संयुक्त कंपनी सफहल हेलीकॉप्टर इंजन प्राइवेट लिमिटेड के साथ हुआ है। अरावली इंजन को हॉल के आने वाले 13 टन के भारतीय मल्टी रोल हेलीकॉप्टर के लिए डेवलप किया जाएगा। इसका इस्तेमाल इसके नौसैनिक संस्करण डेक-आधारित मल्टी रोल हेलीकॉप्टर में भी होगा। नौसेना की क्षमता बढ़ेगी। सफहल अरावली इंजन के विकास में अहम भूमिका निभाएगी। कंपनी इंजन के डिजाइन और विकास पर काम करेगी। इसका निर्माण और आपूर्ति भी की जाएगी। इंजन का परीक्षण किया जाएगा। इसके रखरखाव और पूरे सेवा अवधि के दौरान जरूरी सहायता भी उपलब्ध कराई जाएगी।

हेलीकॉप्टरों को शक्ति देने के लिए मजबूत आधार

एचएएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक रवि के. ने इस अवसर पर कहा कि इस करार पर हस्ताक्षर भारत की विमान इंजन तकनीक में आत्मनिर्भरता हासिल करने की कोशिश में एक महत्वपूर्ण कदम है। सफहल और सैफरान हेलीकॉप्टर इंजन के साथ यह सहयोग अगली पीढ़ी के भारतीय हेलीकॉप्टरों को शक्ति देने के लिए मजबूत आधार तैयार कर रहा है। अरावली इंजन कार्यक्रम आईएमआरएच और डीबीएमआरएच की परिचालन जरूरतों को पूरा करने के साथ देश में मजबूत घरेलू विमानन उद्योग विकसित करने में भी महत्वपूर्ण योगदान देगा।

इंजन का नाम अरावली पर्वतमाला के नाम परः इस कार्यक्रम में एचएएल और सफरान की विशेषज्ञता का इस्तेमाल होगा। दोनों कंपनियां आधुनिक डिजाइन और निर्माण तकनीक के साथ इंजन विकसित करेंगी। इंजन का नाम अरावली पर्वतमाला के नाम पर रखा गया है। गौरतलब है कि अरावली दुनिया की सबसे पुरानी पर्वत श्रृंखलाओं में शामिल है। इस नाम के जरिए भारत की एयरोस्पेस तकनीक में आत्मनिर्भरता की सोच को भी दर्शाया गया है। खास तौर पर महत्वपूर्ण विमान इंजन तकनीक में देश की क्षमता बढ़ाने पर जोर दिया गया है।

विश्वस्तरीय प्रणाली होगी विकसित

सैफरान हेलीकॉप्टर इंजन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सेड्रिक गोबेट का कहना है, हम इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम के जरिए एचएएल के साथ अपनी लंबे समय से चली आ रही साझेदारी को और मजबूत करने को लेकर बेहद उत्साहित हैं। दशकों के सफल सहयोग के आधार पर यह पहल नवाचार, तकनीकी विकास और औद्योगिक उत्कृष्टता के प्रति हमारी साझा प्रतिबद्धता को दर्शाती है। अरावली इंजन कार्यक्रम भारत और फ्रांस के रणनीतिक संबंधों में एक नया अध्याय है। इसमें हमारी टीमें अपनी विशेषज्ञता को मिलाकर भविष्य के भारतीय हेलीकॉप्टरों के लिए विश्वस्तरीय प्रणोदन प्रणाली विकसित करेंगी। यह पहली बार है जब सैफरान हेलीकॉप्टर इंजन ने इस श्रेणी के इंजन के सह-विकास की जिम्मेदारी ली है।

लखनऊ-बेंगलुरु इंडिगो फ्लाइट में बम की धमकी

लखनऊ, जेएनएन। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ से बेंगलुरु जा रही इंडिगो की फ्लाइट 6ई231 में बम की धमकी मिलने से हड़कंप मच गया। बुधवार सुबह बेंगलुरु के केंपेगौड़ा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर लैंडिंग से ठीक पहले विमान में बम होने की सूचना सामने आई। पायलट और क्रू ने तत्काल सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत जरूरी कदम उठाए। विमान को करीब पौने 10 बजे सुरक्षित लैंड कराया गया और इसके बाद उसे आइसोलेशन बे में भेजकर जांच शुरू की गई। फ्लाइट 6ई231 लखनऊ से बेंगलुरु के लिए रवाना हुई थी। विमान जब बेंगलुरु एयरपोर्ट पर अंतिम अप्रोच में था, तभी क्रू को विमान में बम होने की सूचना मिली। विमान ने बिना किसी परेशानी के बेंगलुरु एयरपोर्ट पर सुरक्षित लैंडिंग की।

जेन-जी से जेन अल्फा तक पहुंच बनाएगा चुनाव आयोग

स्कूल-कॉलेजों और यूनिवर्सिटी में युवाओं को जोड़ेगा

नई दिल्ली, जेएनएन। चुनाव आयोग ने 2029 के लोकसभा चुनाव से पहले जेन अल्फा और जेन-जी तक पहुंचने की कोशिशें फिर शुरू की हैं। आयोग का मकसद उन्हें जागरूक वोटर बनाना है, जो चुनावी प्रक्रिया से अच्छी तरह परिचित हों और भविष्य में लोगों को जागरूक करने वाले अभियानों की अगुआई कर सकें। आयोग के नए अभियान में देश की 4,123 विधानसभा सीटों के स्कूलों, कॉलेजों और यूनिवर्सिटी के स्टूडेंट्स को जोड़ा जाएगा। इसमें कक्षा 9 से 12 तक के स्कूली बच्चों के साथ कॉलेज और यूनिवर्सिटी के स्टूडेंट्स शामिल होंगे।

हर सीट पर 10 साक्षरता क्लब बनाए जाएंगेः आयोग 50 हजार चुनावी साक्षरता क्लब (ईएलसी) बनाने की योजना पर काम कर रहा है। हर विधानसभा सीट में ऐसे 10 क्लब बनाए जाएंगे। इसके लिए आयोग 15 लाख स्कूलों में कक्षा 9 से 12 तक के छात्रों से संपर्क करेगा। इसके अलावा 70 हजार कॉलेजों और 1,400 यूनिवर्सिटी तक भी पहुंच बनाई जाएगी।

पुंछ में ईको कार खाई में गिरी, छह की मौत

पुंछ, जेएनएन। जिले की सुरनकोट तहसील के शींदरा गांव में बुधवार देर शाम एक भीषण सड़क दुर्घटना हुई। एक ईको कार चालक के नियंत्रण से बाहर होकर गहरी खाई में जा गिरी।

इस दुखद हादसे में उसमें सवार छह लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। दुर्घटना में एक बच्चे सहित तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने तुरंत बचाव कार्य शुरू किया। घायलों को पुंछ के राजा सुखदेव सिंह जिला अस्पताल पहुंचाया गया। बच्चे की हालत बेहद नाजुक थी। उसे प्राथमिक उपचार के बाद जीएमसी राजोरी भेजा गया। अन्य दो घायलों का उपचार जिला अस्पताल में जारी है। मृतकों के शवों को भी अस्पताल लाया जा रहा है। पुलिस ने इस मामले में जांच शुरू कर दी है।

लोकल को वोकल और ग्लोबल बनाने की तैयारी

मुख्य संवाददाता, भोपाल। मध्य प्रदेश सरकार जनवरी 2027 में होने वाली ग्लोबल इन्वेस्टर समिट (जीआईएस) से पहले एक और नवाचार करने जा रही है। प्रदेश सरकार अब एक नई और खास डिजाइन पॉलिसी लाने की तैयारी में है।

इसका मकसद राज्य की खेती, छोटे उद्योगों (एमएसएमई) और सरकारी कामकाज को आधुनिक बनाना और उन्हें दुनिया के नक्शे पर अलग पहचान दिलाना है। वर्तमान में केंद्र सरकार के पास डिजाइन पॉलिसी है, लेकिन मध्य प्रदेश के पास कोई राज्य-स्तरीय डिजाइन नीति नहीं थी।

इस कमी को दूर करने के लिए राज्य का थिंक टैंक कहे जाने वाले अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन एवं नीति विश्लेषण संस्थान और नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिज़ाइन (एनआईडी) भोपाल मिलकर काम कर रहे हैं। हाल ही में एक बड़े कार्यक्रम के दौरान इसके संकेत दे दिए गए हैं।

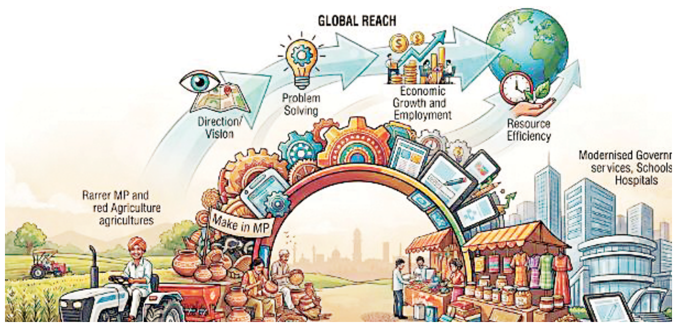

इस नीति में यह होगा खास

इस नीति के तहत खेती के औजारों और उपकरणों जैसे ट्रैक्टर, सीड ड्रिल, कल्टीवेटर, प्लाऊ, स्प्रेयर आदि को किसानों की जरूरत के हिसाब से और आधुनिक बनाया जाएगा, ताकि उनकी मेहनत और पैदावार दोनों बेहतर हों। इसके अलावा, पारंपरिक हस्तशिल्प और छोटे उद्योगों के उत्पादों की पैकेजिंग व लुक को सुधारा जाएगा, ताकि वे बाजार में आसानी से बिक सकें। साथ ही, सरकारी अस्पतालों, स्कूलों और पर्यटन स्थलों की व्यवस्थाओं को भी आधुनिक रूप दिया जाएगा। इस नीति में स्थानीय कारीगरों और कलाकारों के डिजाइनों की चोरी रोकने के लिए पेटेंट और कानूनी सुरक्षा के भी प्रावधान होंगे। इसका एक फायदा यह भी होगा कि स्थानीय उत्पादों को देश एवं विदेश के बाजार में अधिक दाम मिल सकेंगे।

नई डिजाइन नीति इसलिए जरूरी

आज का दौर केवल चीजों को बनाने का नहीं, बल्कि उन्हें बेहतर, उपयोगी, सुंदर और यूजर फ्रेंडली बनाने का है। किसी भी राज्य में डिजाइन नीति होने पर पारंपरिक तरीके से बनाई जाने वाली चीजों को आधुनिक बाजार की जरूरतों के हिसाब से तैयार किया जा सकता है। खासतौर पर कपड़े, हस्तशिल्प या कृषि उपकरणों के लिए यह बेहद लाभदायक होती है। वैश्विक बाजार में मुकाबले के लिए जब तक किसी उत्पाद का लुक, पैकेजिंग और डिजाइन इंटरनेशनल लेवल का नहीं होगा, तब तक वह दूसरे देशों के उत्पादों से मुकाबला नहीं कर पाएगा। इसके अलावा, कई बार लोग स्थानीय कलाकारों और डिजाइनरों के आइडिया या डिजाइन चोरी कर लेते हैं और उनसे बने उत्पादों को बाजार में बेचते हैं। नई नीति होने से पेटेंट और कानूनी सुरक्षा मिलती है, जिससे कारीगरों की मेहनत का सही हक उन्हें मिल जाता है।

नई डिजाइन पॉलिसी में शामिल होंगे चार बिंदु

- **सोच और विजन को मिलेगी नई दिशा** – बिना नीति के डिजाइन का काम बिखरा हुआ होता है। नीति बनने से सरकार, शिक्षण संस्थान और उद्योग एक ही मंच पर आकर एक तय लक्ष्य के लिए मिलकर काम करते हैं।
- **समस्याओं का समाधान** – यह नीति केवल दिखावे पर नहीं, बल्कि डिजाइन थिंकिंग के जरिए किसी भी समस्या को समझकर उसका व्यावहारिक हल निकालेगी। इससे काम आसान होगा।
- **आर्थिक विकास और रोजगार** – उत्पादों का डिजाइन और पैकेजिंग बेहतर होने से उनकी मांग देश और विदेश दोनों जगह बढ़ेगी। इससे उद्योगों का दायरा बढ़ेगा और स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर भी पैदा होंगे।
- **संसाधनों का सही इस्तेमाल** – नीति के तहत काम करने से समय, धन और ऊर्जा की बचत होती है, क्योंकि हर कदम एक योजना के तहत उठाया जाएगा।

लोकसभा सचिवालय ने 20 बागी सांसदों को दिया नोटिस

नई दिल्ली, जेएनएन। लोकसभा सचिवालय ने बुधवार को तृणमूल कांग्रेस के 20 बागी सांसदों को नोटिस भेजे हैं। सांसदों से टीएमसी नेता अभिषेक बनर्जी की अयोग्यता याचिका पर 7 दिन में जवाब मांगा गया है। यह याचिका दल-बदल कानून के तहत दाखिल की गई है। नोटिस 25 अगस्त को जारी किए गए और इनमें बनर्जी की 18 जून की याचिका की कॉपी भी भेजी गई है। यह कार्रवाई सुप्रीम कोर्ट के बनर्जी की याचिका पर सुनवाई के लिए तैयार होने के एक दिन बाद हुई है। कोर्ट ने मंगलवार को 20 बागी सांसदों को नोटिस जारी किया था, लेकिन लोकसभा स्पीकर के कार्यालय और सदन के महासचिव को नोटिस जारी नहीं किया। अभिषेक बनर्जी ने पहले 20 सांसदों के खिलाफ अलग-अलग अयोग्यता याचिकाएं दाखिल की थीं। जिसमें-काकोली घोष दस्तीदार, सुदीप बंद्योपाध्याय, शताब्दी रॉय, प्रसून बनर्जी, रचना बनर्जी, जगदीश चंद्र बरमा बासुनिया, पार्थ भौमिक, अरूप चक्रवर्ती, अधिकारी दीपक देव, सयानी घोष, बापी हलदर, एमडी अबू ताहेर खान, कालीपद सारेन खेरवाल, असीत कुमार मल, जून मलियाह, मिताली बैग, खलीलुर रहमान, माला रॉय, शर्मिला सरकार और यूसुफ पठान के नाम हैं।

राजधानी एक्स. की किचन में मिला एक्सपायर्ड खाना

नई दिल्ली, जेएनएन। यात्रियों को परोसे जाने वाले खाने की गुणवत्ता और स्वच्छता को लेकर रेलवे ने सख्त रुख अपनाया है। अहमदाबाद रेलवे डिवीजन की रेलवे फूड विजिलेंस फोर्स ने स्वर्ण जयंती राजधानी एक्सप्रेस के लिए खाना सप्लाई करने वाली बेस किचन में अचानक निरीक्षण किया है। इस दौरान टीम को बड़ी मात्रा में एक्सपायर्ड खाद्य सामग्री मिली। इसे यात्रियों को परोसे जाने के लिए रखा गया था। ये विशेष टीम अहमदाबाद डिवीजन के डीआर ने जीरो-टॉलरेंस नीति के तहत गठित की है। रेलवे के मुताबिक, खाद्य सुरक्षा नियमों और निर्धारित मानकों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ लगातार सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

रेलवे ने ठोका 10 लाख का जुर्माना

रेलवे ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित फूड सर्विस प्रोवाइडर पर 10 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। अहमदाबाद रेलवे डिवीजन ने साफ किया है कि यात्रियों को परोसे जाने वाले भोजन की गुणवत्ता, साफ-सफाई और हाइजीन से किसी भी तरह का समझौता नहीं किया जाएगा। खाद्य सुरक्षा मानकों का उल्लंघन करने वाले प्रोवाइडर्स के खिलाफ कड़ी कार्रवाई जारी रहेगी।

राजस्थान के सीजे जजों को धमकाते हैंः जस्टिस मेहता

नई दिल्ली/जयपुर, जेएनएन। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस संदीप मेहता ने राजस्थान हाईकोर्ट के एक्टिंग चीफ जस्टिस संजीव प्रकाश शर्मा को हटाने की मांग की है। जस्टिस मेहता ने सीजीआई सूर्यकांत को लेटर लिखा। इसमें कहा गया कि जस्टिस संजीव प्रकाश शर्मा अपने अधिकारों का दुरुपयोग कर रहे हैं।

जस्टिस मेहता ने लिखा कि जस्टिस संजीव प्रकाश शर्मा अक्सर साथी जजों को ट्रांसफर की धमकी देते हैं। खुद को सीजेआई का करीबी बताते हैं। उन्होंने मांग की कि राजस्थान हाईकोर्ट में स्थायी मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया जाए।

न्यायिक अधिकारियों को करते हैं परेशान

जस्टिस मेहता

जस्टिस मेहता ने लेटर में लिखा- मुझे ऐसी शिकायतें मिली हैं कि जस्टिस शर्मा निजी दुश्मनी की वजह से राजस्थान में न्यायिक अधिकारियों को परेशान कर रहे हैं। उन्होंने कहा- जस्टिस शर्मा ने हाईकोर्ट के मौजूदा एक जज की पत्नी, जो जिला न्यायपालिका में सीनियर जज हैं, उनके खिलाफ कथित बदले की भावना से कार्रवाई की। जोधपुर डिस्ट्रिक्ट कोर्ट (मेट्रो) की नई बिल्डिंग एक साल से तैयार है, लेकिन एक्टिंग सीजे ने एकतरफा तरीके से उद्घाटन रोक दिया। इंफ्रास्ट्रक्चर में बदलाव का आदेश दिया।

जस्टिस मेहता ने लिखा कि स्थायी न्यायाधीश की नियुक्ति के विचार की लगातार अनदेखी संस्था के हित के पूरी तरह से खिलाफ है। जस्टिस संदीप मेहता ने जस्टिस संजीव प्रकाश शर्मा को हटाने के लिए 2, 10 और 17 अगस्त को सीजेआई को लेटर लिखे हैं। जस्टिस मेहता ने लिखा- ऐसे कई उदाहरण हैं, जिनमें जस्टिस शर्मा ने एक्टिंग चीफ जस्टिस के तौर पर अपनी शक्तियों का इस्तेमाल ऐसे तरीकों से किया, जो संस्थान के प्रमुख को शोभा नहीं देता है। राजस्थान हाईकोर्ट की एक महिला एडवोकेट ने जस्टिस विक्रमनाथ को शिकायती पत्र भेजा। इसमें कहा गया कि एक्टिंग सीजे स्थायी लोक अदालत में नियुक्तियों को लेकर पद का दुरुपयोग कर रहे हैं। नियुक्ति में कथित पारिवारिक और करीबी निजी संबंधों का जिक्र किया गया। जस्टिस शर्मा ने कुछ खास वकीलों और पक्षों के फेवर में पद का दुरूपयोग किया। एक मामला हाईकोर्ट के सामने अपीलों से जुड़ा था। दूसरा स्पेशल अपील में हुई 457 दिन की देरी को माफ करने के आदेश से जुड़ा था।

11,000 किलोमीटर के 7 हाई-डेंसिटी रेल रूट्स को फोर-लेन करने का महत्वपूर्ण कार्य प्रगति पर

व्यस्त रेल मार्गों पर अतिरिक्त क्षमता होगी विकसित, परिवहन को संभालने में मिलेगी मदद

प्रयागराज जेएनएन। अश्विनी वैष्णव, माननीय रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री ने महत्वपूर्ण जानकारी देते हुए बताया कि भारत के 7 हाई-डेंसिटी रेल रूट्स को फोर-लेन करने की दिशा में महत्वपूर्ण कार्य किया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोद के विजन के तहत इन हाई-डेंसिटी रूट्स को फोर-लेन करने से रेल नेटवर्क की क्षमता बढ़ेगी। करीब 11,000 किलोमीटर में फैले ये 7 हाई-डेंसिटी रूट्स देश के कुल रेल ट्रैफिक का लगभग 41प्रतिशत संभालते हैं, जबकि ये पूरे रेल नेटवर्क का केवल 16प्रतिशत हैं। इन प्रमुख 7 हाई-डेंसिटी रूट्स में शामिल हैं: 1. दिल्ली-हावड़ा 2. हावड़ा-चेन्नई 3. चेन्नई-मुंबई 4. मुंबई-दिल्ली 5. दिल्ली-चेन्नई 6. मुंबई-हावड़ा 7. दिल्ली-गुवाहाटी अश्विनी वैष्णव रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के विजन के तहत इन हाई-डेंसिटी रूट्स को फोर-लेन करने से रेल नेटवर्क की क्षमता बढ़ेगी और बढ़ते यात्री एवं माल परिवहन को बेहतर तरीके से संभालने में मदद मिलेगी। इस विस्तार से व्यस्त रेल मार्गों पर अतिरिक्त क्षमता विकसित होगी, परिवहन लागत कम करने में मदद मिलेगी तथा पर्यावरण के अनुकूल और अधिक कुशल रेल परिवहन को बढ़ावा मिलेगा।

17 साल से फरार 5 हजार का इनामी डकैत गिरफ्तार

जागरण, पन्ना। पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। वर्ष 2009 से फरार चल रहे 5 हजार रुपए के इनामी डकैत रामबहोरी को पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायालय के आदेश पर जेल भेज दिया है। 52 वर्षीय आरोपी रामबहोरी सतना जिले के कैलाशपुर थाना मझगवां का निवासी है और पन्ना व सतना जिले के कई गंभीर मामलों में वांछित था। कोतवाली टीआई रोहित मिश्रा के अनुसार, आरोपी के खिलाफ पन्ना के जंगलों में बीटगार्ड्स से बंदूक छीनने और एक समिति प्रबंधक से लूटपाट के मामले दर्ज थे। 11 नवंबर 2009 जमुनहाई बीट के गार्ड लक्ष्मण सिंह और राजनारायण विश्वकर्मा जब बौलियादार नर्सरी में मजदूरों की हाजिरी ले रहे थे, तब रामबहोरी ने अपने साथियों के साथ उन्हें घेर लिया।

बालाघाट कोर्ट परिसर में चले लात-घूंसे

वकील ने युवक को 10 सेकंड में जड़े 15 थप्पड़, घसीटा और गर्दन भी मरोड़ी

जागरण, बालाघाट। बालाघाट कोर्ट परिसर से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां अधिवक्ता कपिल सिहोरे ने एक युवक को दौड़ा-दौड़ा कर बेरहमी से पीटा। बार रूम में हुई यह पूरी वारदात वहां लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई, जिसका फुटेज सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

दरअसल 21 अगस्त की दोपहर 3.30 से 4 बजे के बीच हुई इस घटना में वकील कपिल सिहोरे फोन पर बात करते-करते अचानक उग्र हो गए। उन्होंने फोन टेबल पर पटका और दूसरे कमरे से लवेरी निवासी मोहित कावड़े की कॉलर पकड़कर खींचते हुए बाहर लाए। इस दौरान 15-20 वकीलों की मौजूदगी में आरोपी ने युवक का सिर दरवाजे पर दे मारा और महज 10 सेकंड में 15 थप्पड़ जड़ दिए। बचाव की कोशिशों के बावजूद वकील ने युवक के चेहरे पर घूंसे और पेट में लातें मारीं, गर्दन मरोड़ी और बार रूम के बाहर घसीटते हुए ले जाकर भी मारपीट की।

दोनों पक्षों का दावा

पीड़ित युवक मोहित कावड़े के अनुसार, आरोपी के चाचा कुणाल सिहोरे ने एक जमीन विवाद के मामले में उसे गवाह बनाया था। इसी गवाही के सिलसिले में वह कोर्ट आया था। कपिल सिहोरे ने उससे कहा कि तू हमारे बीच बोलने वाला कौन होता है? और गाली-गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी। जाते-जाते आरोपी ने जान से मारने की धमकी भी दी। जबकि आरोपी वकील कपिल सिहोरे ने कहा कि अधिवक्ता ने गवाही के विवाद से इंकार किया है। उनका दावा है कि मोहित फर्जी रिपोर्टर बनकर बिना इजाजत फोटो खींच रहा था, फोन पर गाली-गलौज कर रहा था और उकसाने की कोशिश कर रहा था। उन्होंने यह कदम आत्मरक्षा में उठाया।

पुलिस ने मामला दर्ज कर शुरू की जांच

बालाघाट की कोतवाली पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। थाना प्रभारी अजय गुर्जर के मुताबिक, पीड़ित मोहित की शिकायत पर अधिवक्ता कपिल सिहोरे के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली गई है। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज को कब्जे में ले लिया है और वायरल वीडियो व दोनों पक्षों के बयानों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है।

महाकाल मंदिर में कांवड़ यात्रियों का हंगामा, चार सुरक्षाकर्मी घायल, 30 पर एफआईआर दर्ज

नंदी हॉल में जबरन प्रवेश करने का प्रयास, सुरक्षाकर्मियों ने उन्हें रोका तो की मारपीट

जागरण, उज्जैन। शहर के विश्वप्रसिद्ध ज्योतिर्लिंग श्री महाकालेश्वर मंदिर में बुधवार को कांवड़ियों के एक दल द्वारा जमकर हंगामा किया गया। ओंकारेश्वर के खेड़ीघाट से कांवड़ यात्रा लेकर पहुंचे लगभग 100 श्रद्धालुओं के समूह ने मंदिर की सुरक्षा व्यवस्था को ध्वस्त करते हुए नंदी हॉल और गर्भगृह में जबरन प्रवेश करने का प्रयास किया। इस हिंसक झड़प और उपद्रव के दौरान मंदिर सुरक्षा समिति के 4 कर्मचारी घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार, दर्शन के लिए पहुंचे कांवड़ियों ने बजरंग दल और विश्व हिंदू परिषद के नाम वाली टी-शर्ट पहन रखी थी। सामान्य दर्शन व्यवस्था के तहत कांवड़ियों को बैरिकेडिंग के पीछे रोका जा रहा था, लेकिन वे सीधे नंदी हॉल में प्रवेश की मांग करने लगे। सुरक्षा गार्डों द्वारा रोके जाने पर कांवड़िए उग्र हो गए और धक्का-मुक्की शुरू कर दी। देखते ही देखते स्थिति बेकाबू हो गई। कांवड़ियों ने सुरक्षा के लिए लगाए गए लोहे के बैरिकेड्स तोड़ दिए और एक-एक करके बैरिकेडिंग कूदकर नंदी हॉल की ओर भागे। इस दौरान भीड़ को रोकने की कोशिश कर रहे सुरक्षाकर्मियों के साथ हाथापाई और मारपीट की गई।

पुलिस और मंदिर समिति की सख्त कार्रवाई

घटना की सूचना मिलते ही महाकाल थाना पुलिस और अतिरिक्त बल मौके पर पहुंचा। पुलिस और सुरक्षाबलों ने तुरंत कार्रवाई करते हुए उत्पात मचाने वाले कई कांवड़ियों को मौके से ही हिरासत में ले लिया। महाकाल थाना पुलिस ने मामले में 30 नामजद एवं अन्य अज्ञात लोगों के खिलाफ विभिन्न आपराधिक धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज की है। मंदिर प्रबंध समिति ने घटना की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए कहा कि कुछ उपद्रवी तत्वों ने जानबूझकर मंदिर की शांति, गरिमा और सुरक्षा व्यवस्था को नुकसान पहुंचाने का प्रयास किया। समिति और पुलिस प्रशासन सीसीटीवी फुटेज के आधार पर उपद्रवियों की पहचान कर रहा है और घटना में शामिल सभी दोषियों के खिलाफ कठोर वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

दान पेटियों पर चढ़े उपद्रवी सुरक्षाकर्मी घायल

उपद्रव इतना बढ़ गया कि कुछ कांवड़िए मंदिर परिसर में रखी दान पेटियों पर चढ़ गए और उन्हें हटाने तथा गिराने की कोशिश की। अचानक हुए इस हमले और बैरिकेड्स गिरने के कारण 4 सुरक्षा गार्ड घायल हो गए। इनमें से दो कर्मचारियों को सिर और पैर में गंभीर चोटें आई हैं, जिनका काफी खून बह गया। साथी कर्मचारियों ने घायल गार्डों को सहारा देकर किसी तरह बाहर निकाला और प्राथमिक उपचार के लिए भेजा।

तेज रफ्तार इनोवा ने चार बाइकों को रौंदा, 5 घायल

भागने के चक्कर में घायलों को 200 फीट घसीटा

जागरण, इंदौर। जिले के राऊ क्षेत्र स्थित श्रमिक कॉलोनी के सामने बुधवार दोपहर 12 बजे एक भीषण सड़क हादसा हो गया। करीब 80 से 90 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ रही एक अनियंत्रित इनोवा कार ने चार दोपहिया वाहनों और एक ट्रैक्टर को जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में कुल पांच लोग घायल हुए हैं, जिनमें से एक बुजुर्ग की हालत गंभीर है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कार चालक ने सबसे पहले एक एक्टिवा और फिर तीन बाइकों को टक्कर मारी। इसके बाद इनोवा सामने से आ रहे एक ट्रैक्टर से जा भिड़ी। टक्कर इतनी भीषण थी कि ट्रैक्टर सड़क के दूसरी तरफ जाकर पलट गया। दोपहिया वाहनों को मारने के बाद चालक ने भागने के चक्कर में गाड़ी आगे बढ़ाई, जिससे कुछ घायल करीब 200 फीट तक कार के साथ घिसटते चले गए।

पुलिस ने डायल-100 से अस्पताल पहुंचाया : घायलों की पहचान राजपाल सिंह, भगत सिंह, पवन और मुस्तफा के रूप में हुई है। बिजलपुर निवासी मुस्तफा के बेटे की दो दिन बाद सगाई है और वे तैयारियों में जुटे थे, फिलहाल वे खतरे से बाहर हैं। घटना के बाद मौके पर एंबुलेंस उपलब्ध न होने पर एसीपी निधि सक्सेना और पुलिस टीम ने डायल-100 से घायलों को निजी अस्पताल पहुंचाया। गंभीर रूप से घायल बुजुर्ग का इलाज यूनीक अस्पताल में जारी है।

ट्रायल पर निकली थी कार: पुलिस जांच में सामने आया कि इनोवा कार पिगडंबर निवासी देवेंद्र जोशी की है, जो केसरबाग रोड स्थित अमन मालवीय के गैराज में सर्विसिंग के लिए आई थी। गैराज संचालक अमन मालवीय कार की मरम्मत के बाद उसका ट्रायल लेने निकला था। पुलिस ने इनोवा को जब्त कर आरोपी चालक अमन मालवीय को हिरासत में ले लिया है।

ज़ेड ब्लैक अगरबत्ती 'कौन बनेगा करोड़पति' सीजन 18 के साथ एसोसिएट स्पॉन्सर के रूप में जुड़ा इंदौर

भोपाल। मैसूर दीप परफ्यूमरी हाउस (एमडीपीएच) के प्रमुख पूजा सामग्री और सुगंध ब्रांड्स में से एक ज़ेड ब्लैक अगरबत्ती 'कौन बनेगा करोड़पति' (केबीसी) सीजन 18 के साथ एसोसिएट स्पॉन्सर के रूप में जुड़ा है। त्योहारी सीजन में इस साझेदारी के जरिए 'प्रार्थना होगी स्वीकार' अभियान को देशभर तक पहुंचाया जायेगा। मैसूर दीप परफ्यूमरी हाउस (एमडीपीएच) के निदेशक अंकित अग्रवाल ने कहा कि केबीसी सिर्फ एक गेम शो नहीं हैबल्कि यह ज्ञान, सपनों और उम्मीद का उत्सव है, जिसने वर्षों से लाखों भारतीय परिवारों को प्रेरित किया है। भारत के प्रमुख पूजा सामग्री ब्रांड्स में से एक होने के नाते यह साझेदारी हमारे त्योहारी अभियान 'प्रार्थना होगी स्वीकार' के साथ पूरी तरह मेल खाती है। एमडीपीएच के निदेशक अंशुल अग्रवाल ने बताया कि आज ज़ेड ब्लैक भारत के प्रमुख पूजा सामग्री ब्रांड्स में शामिल है। इसके पोर्टफोलियो में अगरबत्ती, धूप, भीमसेनी कपूर, फ्रेग्रन्स और अन्य पूजा उत्पाद शामिल हैं। कंपनी 45 से अधिक देशों में अपने उत्पाद निर्यात करती है और इनोवेशन, बेहतर विनिर्माण, टिकाऊ प्रक्रियाओं और उपभोक्ताओं के साथ रणनीतिक जुड़ाव के जरिए बाजार में अपनी स्थिति लगातार मजबूत कर रही है। देशभर में परिवार जब त्योहारी सीजन का जश्न मनाने के लिए एक साथ आते हैं, अब सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर 'कौन बनेगा करोड़पति' सीजन 18 के साथ ज़ेड ब्लैक की यह साझेदारी आस्था, उम्मीद और साथ होने के खास पलों का हिस्सा बनने की उसकी प्रतिबद्धता को और मजबूत करती है। साथ ही इसके जरिए 'प्रार्थना होगी स्वीकार' का संदेश देशभर के लाखों घरों तक पहुँच रहा है।

गुना जिला अस्पताल में लापरवाही आई सामने

मरीज की पानी की बोतल में मिला सांप का बच्चा, दहशत में मरीज व परिजन

जागरण, गुना। जिला अस्पताल परिसर में बुधवार सुबह उस समय हड़कंप मच गया, जब शिव मंदिर के पास लगे नल से भरी पानी की बोतल में सांप का बच्चा तैरता दिखा। इस घटना के बाद अस्पताल के वार्डों में भर्ती मरीजों और उनके परिजनों के बीच दहशत का माहौल है। दरअसल घटना सुबह 9.30 बजे की है। छीरखेड़ा निवासी देवेंद्र धाकड़ के परिजन अस्पताल में भर्ती हैं। उनका अटेंडर परिसर में स्थित प्याऊ के नल से पीने का पानी भरकर वार्ड में लाया था। जब मरीज को पानी देने की तैयारी की जा रही थी, तभी बोतल के अंदर सांप का बच्चा दिखाई दिया। वहां मौजूद फतेहगढ़ निवासी सुंदर सेन ने तुरंत पूरी घटना का वीडियो बनाकर रख लिया, जो अब तेजी से सामने आ रहा है।

पानी की टंकियों की सफाई महीनों से नहीं हुई: आशंका जताई जा रही है कि अस्पताल परिसर की ओवरहेड पानी की टंकी या पाइपलाइन के रास्ते यह जीव नल तक पहुंच गया। इस घटना ने अस्पताल की स्वच्छता और रख-रखाव की पोल खोल दी है। मरीजों का आरोप है कि अस्पताल में लगी पानी की टंकियों की सफाई महीनों से नहीं हुई है। कई टंकियों में काई जम चुकी है, ढक्कन गायब हैं और ऊपर घास उग आई है। परिसर में लगे वाटर कूलरों की स्थिति बेहद खराब है, जिससे कीड़े-मकौड़े पानी में पहुंचने की आशंका बढ़ गई है। अस्पताल जैसी संवेदनशील जगह पर दूषित पेयजल मिलना मरीजों की जान के साथ खिलवाड़ है। यदि यह पानी मरीज पी लेता, तो उसकी स्थिति गंभीर हो सकती थी।

जंगल में चल रही कच्ची शराब फैक्ट्री का भंडाफोड़, 3 गिरफ्तार

कटनी में 4000 किलो महुआ लाहन नष्ट

जागरण, कटनी। जिले में अवैध शराब के निर्माण और बिक्री पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस ने विशेष अभियान चलाकर दो अलग-अलग थाना क्षेत्रों में बड़ी कार्रवाई की है। इस दौरान संयुक्त टीमों ने करीब 4,000 किलो महुआ लाहन नष्ट किया, जबकि तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर 16 लीटर कच्ची शराब जब्त की गई।

दरअसल पहली कार्रवाई बरही थाना क्षेत्र के खिरहनी पारधी टोला में हुई, जहां जंगल में अवैध कच्ची शराब बनाई जा रही थी। एसडीओपी वीरेंद्र धार्वे और बरही व विजयराघवगढ़ पुलिस की संयुक्त टीम की दबिश देखते ही आरोपी जंगल का फायदा उठाकर भाग निकले। मौके से 265 कंटेनरों में भरा लगभग 4,000 किलो महुआ लाहन बरामद हुआ, जिसकी कीमत 4 लाख रुपए आंकी गई। पुलिस ने पंचों की मौजूदगी में लाहन और 25 लीटर तैयार कच्ची शराब को मौके पर ही नष्ट कर दिया।

स्लीमनाबाद से तीन आरोपी दबोचे गए : दूसरी कार्रवाई स्लीमनाबाद थाना क्षेत्र के ग्राम सिहुड़ी में हुई। एसडीओपी आकांक्षा चतुर्वेदी के मार्गदर्शन में पुलिस टीम ने दबिश देकर मौके से तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया। इनके पास से 6,400 रुपए मूल्य की कुल 16 लीटर कच्ची महुआ शराब जब्त की गई। गिरफ्तार आरोपियों में मीना बाई सपेरा और सरस्वती बाई सपेरा भी शामिल हैं। शराब बनाने के उपकरण और लाहन नष्ट किया गया। स्लीमनाबाद पुलिस ने आरोपियों पर मामला दर्ज कर लिया है, वहीं बरही पुलिस फरार आरोपियों की तलाश में जुटी है। कटनी पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा ने स्पष्ट किया है कि जिले में अवैध शराब के नेटवर्क को ध्वस्त करने यह अभियान जारी रहेगा।

नशे के काले कारोबार पर एक्शन, एक सप्ताह में 5.41 करोड़ के मादक पदार्थ और वाहन जब्त

मुख्य संवाददाता, भोपाल। अवैध शराब के साथ ही मादक पदार्थों के काले कारोबार को रोकने के लिए पुलिस का ऑपरेशन जारी है। प्रदेश में पिछले एक सप्ताह के भीतर पुलिस ने छापे मारकर 5 करोड़ 41 लाख रुपए से अधिक मूल्य के मादक पदार्थ, वाहन, मोबाइल और नकदी जब्त की हैं। इस दौरान कई शातिर और इंटर स्टेट तस्करों को भी गिरफ्तार किया गया है। इन सभी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत एफआईआर करते हुए पुलिस अब इन तस्करों से यह पता लगा रही है कि इनके तार किन गिरोहों से जुड़े हैं। इसके साथ ही पुलिस अब इन अपराधियों से पूछताछ में मिले इनपुट के आधार पर अन्य राच्यों की पुलिस को भी मादक पदार्थों की तस्करी के गिरोहों की जानकारी देगी, ताकि इन पर सख्ती से लगाम कसी जा सके। पुलिस ने रतलाम, छिंदवाड़ा, उज्जैन, नरसिंहपुर, जबलपुर, नीमच, बालाघाट, ग्वालियर, इंदौर, पन्ना, कटनी और मंदसौर में अलग-अलग कार्रवाइयों में दो दर्जन से अधिक तस्करों को हिरासत में लिया है।

इन जिलों में हुई बड़ी कार्रवाई: रतलाम - पुलिस ने कालूखेड़ा क्षेत्र से 2.495 किलो एमडी ड्रग्स और एक क्रेटा कार समेत करीब 2 करोड़ 70 लाख रुपए का माल जब्त किया। इसके अलावा, बिलपांक थाने ने 106.47 किलो डोडाचूरा से भरा कंटेनर, जावरा में 5 युवकों से 28.46 ग्राम एमडी और पिपलौदा पुलिस ने 3 आरोपियों से 20 ग्राम एमडी ड्रग्स बरामद की। मामलों में 40 लाख का माल और वाहन जब्त हुए हैं।

छिंदवाड़ा: तेंदनीमाल मेन हाईवे पर नाकाबंदी कर पुलिस ने एक कंटेनर और टाटा सफारी कार से 320.8 किलोग्राम अवैध गांजा, 1 पिस्टल, 5 जिंदा कारतूस, 8 मोबाइल और नकदी जब्त की। इस मामले में 7 शातिर तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। छापे में कुल 1 करोड़ 10 लाख का माल जब्त हुआ है।

नीमच: पुलिस ने सिंगोली, मनासा, नीमच सिटी और जावद थानों में कुल 500 किलो डोडाचूरा और 20 ग्राम एमडी ड्रग्स जब्त की है। थानों में तस्करों से 50 लाख से अधिक के मादक पदार्थ जब्त कर एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किए हैं।

उज्जैन: थाना चिमनगंज मंडी पुलिस ने 53.372 किलोग्राम अवैध गांजा, एक बिना नंबर की कार और नकदी के साथ तीन आरोपियों को दबोचा। इनसे लगभग 20 लाख का माल जब्त हुआ है।

कृषि मंत्री शिवराज सिंह ने असम के लिए दी 5,000 करोड़ की आवासीय स्वीकृतियां

बाढ़ प्रभावित किसानों को भी मिलेगी मदद

नई दिल्ली,अगस्त। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान से मंगलवार को कृषि भवन में असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्व सरमा ने मुलाकात की। बैठक में असम में बाढ़ से हुए नुकसान, किसानों की समस्याओं तथा कृषि एवं ग्रामीण विकास योजनाओं पर विस्तार से चर्चा हुई। केंद्रीय मंत्री ने राज्य के लिए करीब 5,000 करोड़ रुपये की आवासीय स्वीकृतियों सहित कृषि क्षेत्र से जुड़ी कई योजनाओं को मंजूरी दी। शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि बाढ़ प्रभावित परिवारों को प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण का लाभ दिया जाएगा। मकानों के नुकसान का सर्वे पूरा होने के बाद पात्र परिवारों को नए आवास स्वीकृत किए जाएंगे। सर्वे की अवधि 15 दिन बढ़ाई गई है, ताकि कोई पात्र परिवार सहायता से वंचित न रहे। चाय बागान श्रमिकों को भूमि का पट्टा मिलने के बाद उन्हें भी डिजिटल सर्वे के माध्यम से पीएम आवास योजना में शामिल किया जाएगा। कृषि क्षेत्र के लिए वर्ष 2026-27 में राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के तहत असम को 832.70 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं, जिसमें 553 करोड़ रुपये केंद्रीय सहायता है। कृषि मशीनीकरण के लिए 33.36 करोड़ रुपये की पहली स्वीकृति तथा एमआईडीएच के तहत 96.87 करोड़ रुपये की कार्ययोजना मंजूर की गई है। बाढ़ प्रभावित किसानों को अतिरिक्त बीज और कृषि सामग्री उपलब्ध कराने पर भी सहमति बनी। बैठक में महिला किसानों को कृषि पावर वीडर उपलब्ध कराने, जैविक उत्पादों की मार्केटिंग, सब्जी उत्पादन, कोल्ड स्टोरेज और फूड प्रोसेसिंग को बढ़ावा देने पर भी चर्चा हुई। शिवराज सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में असम के विकास और बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए केंद्र सरकार धन एवं संसाधनों की कमी नहीं होने देगी। मुख्यमंत्री हिमंता बिस्व सरमा ने केंद्र के सहयोग के लिए आभार जताया।

टैक्सी से टकराई बाइक मां की मौत, बेटा घायल

जागरण, छतरपुर। बिजावर के पास सड़क हादसे में 48 वर्षीय महिला की मौत हो गई, जबकि उसका बेटा घायल हो गया। मृतका की पहचान दुर्जी अहिरवार के रूप में हुई है। यह हादसा उस समय हुआ जब मां-बेटे धार्मिक स्थल जटाशंकर धाम से दर्शन कर घर लौट रहे थे। दुर्जी अहिरवार अपने बेटे विजय के साथ बाइक पर सवार होकर जटाशंकर धाम गई थीं। दर्शन करने के बाद दोनों छतरपुर लौट रहे थे। रास्ते में बिजावर के समीप तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को जोरदार कट मार दिया।

अंजनीलाल धाम जहां कभी था जंगल, आज गूंजती है आस्था, संकल्प से साकार हुआ धाम

देवधरा राजगढ़ : हर मंदिर की कहानी, आस्था की जुबानी

जागरण, ब्यावरा । कभी घने जंगल, कंटीली झाड़ियों और दुर्गम रास्तों के बीच एक छोटे से चबूतरे पर विराजमान भगवान अंजनीलाल का स्थान आज श्रद्धा, सेवा और संकल्प के भव्य केंद्र श्री अंजनीलाल धाम के रूप में पहचान बना चुका है। करीब 52 वर्ष पहले कुछ युवाओं ने जिस निर्जन स्थल पर सेवा का संकल्प लिया था, वह संकल्प आज एक भव्य धार्मिक एवं सामाजिक केंद्र का स्वरूप ले चुका है।

पांच दशक बाद बनी भव्य धाम की पहचान

वर्ष 1972-73 में कुछ युवाओं ने खुले आसमान के नीचे विराजमान भगवान श्री अंजनीलाल की प्रतिमा के लिए छाया की व्यवस्था करने का संकल्प लिया। करीब 1500 रुपये की लागत से प्रस्तावित टीन शेड के लिए युवाओं ने आपसी सहयोग और जनसहयोग से राशि जुटाई। एक छोटे से प्रयास से शुरू हुई यह यात्रा आगे चलकर मंदिर के निरंतर विकास की आधारशिला बनी। वरिष्ठजनों के मार्गदर्शन और श्रद्धालुओं के सहयोग से युवाओं ने मंदिर समिति का गठन किया। समिति के सदस्यों ने स्वयं श्रमदान किया और जनसहयोग से विकास कार्यों को गति दी। दान राशि के पारदर्शी उपयोग और सेवा भावना ने समाज में विश्वास कायम किया और धीरे-धीरे इस स्थान का स्वरूप बदलता चला गया।

आस्था ने बदल दी अजनार नदी किनारे की तस्वीर

आज यहां मकराना मार्बल से निर्मित भव्य श्री अंजनीलाल मंदिर, विशाल शिवालय, दक्षिण भारतीय शैली में निर्मित श्री राम-जानकी मंदिर, विशाल सभा भवन, आरोग्य भवन, यज्ञशाला, सुंदर पार्क, कार्यालय भवन और विशाल मंदिर द्वार श्रद्धालुओं को आकर्षित करते हैं। स्वच्छ एवं सुंदर परिसर और अजनार नदी के तट का प्राकृतिक परिवेश इस धाम की सुंदरता को और बढ़ाता है। प्राकृतिक सौंदर्य का संगम श्री अंजनीलाल धाम को क्षेत्र का विशिष्ट आकर्षण बनाता है। यहां आने वाले श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक शांति के साथ प्रकृति की सहज सुंदरता का भी अनुभव होता है।

प्रवचन से महोत्सवों तक निरंतर बढ़ता रहा आस्था का कारवां

वर्ष 1974 की चैत्र नवरात्रि में मंदिर पर कलशारोहण के साथ प्रवचन परंपरा की शुरुआत हुई। समय के साथ यहां नवरात्रि महोत्सव, हनुमान जयंती, शरद पूर्णिमा सहित विभिन्न धार्मिक आयोजन होने लगे। संत-महात्माओं और विद्वानों के प्रवचनों ने इस धाम की आध्यात्मिक पहचान को और मजबूत किया। श्री अंजनीलाल मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष कैलाश गुप्ता टाटा के अनुसार, मंदिर निर्माण और विकास की लंबी यात्रा के बाद अब ट्रस्ट सामाजिक एवं रचनात्मक कार्यों को विस्तार देने की दिशा में आगे बढ़ने का संकल्प लेकर कार्य कर रहा है।

ईद-ए-मिलाद-उन-नबी पर अकीदत के साथ निकला जुलूस-ए-मोहम्मदी

अमन-चैन की मांगी गई दुआएं, गूंजे नारे

जामा मस्जिद में मिलाद के बाद लंगर का किया गया वितरण

मऊगंज ब्यूरो। मऊगंज में पैगंबर हजरत मोहम्मद साहब का यौमे विलादत यानी ईद मिलाद-उन-नबी का त्योहार बड़े ही अकीदत, उत्साह और ऐतिहासिक धूमधाम के साथ मनाया गया। इस मुबारक मौके पर मऊगंज जामा मस्जिद से एक विशाल और भव्य जुलूस निकाला गया, जिसमें हजारों की संख्या में मुस्लिम समाज के लोग और अकीदतमंद शामिल हुए।इस वर्ष जुलूस का आकर्षण बेहद खास रहा। सुबह ठीक 11 बजे पारंपरिक ढोल-ताशों की गूंज और सुसज्जित बग्गी के साथ जुलूस की शुरुआत जामा मस्जिद से हुई। ढोल-ताशों की थाप पर अकीदतमंदों का उत्साह देखते ही बनता था, वहीं भव्य बग्गी जुलूस की शोभा बढ़ा रही थी। जुलूस में शामिल लोग हाथों में इस्लामी परचम थामे हुए पैगंबर साहब की शान में नात-ओ-मनकबत पढ़ते हुए चल रहे थे। पूरे रास्ते सरकार की आमद मरहबा के नारों से मऊगंज गूंज उठा। पूरे कार्यक्रम के दौरान गंज जामा मस्जिद कमेटी के सदर समीर अंसारी, अली हसन सिद्दीकी, वार्ड नंबर 5 के पार्षद अन्नू खान, रिंकू खान, बेटा खान, के नेतृत्व में बेहद शानदार और पुख्ता व्यवस्थाएं की गईं। कमेटी की मुस्तैदी के कारण जुलूस अनुशासित और सुचारू ढंग से आगे बढ़ा। जुलूस के दौरान कॉलेज मोड़ के पास मऊ कमेटी के हनीफ खान, मकसूद खान और लाल बाबू द्वारा गंज जामा मस्जिद से आए हुए अकीदतमंदों और मेहमानों का बड़े ही गर्मजोशी और अदब के साथ स्वागत किया गया।त्योहार के दौरान पूरे मऊगंज में जगह-जगह लोगों द्वारा लंगर और तबर्रुक की विशेष व्यवस्था की गई थी। जुलूस के मार्ग पर विभिन्न स्थानों पर स्थानीय नागरिकों और कमेटियों द्वारा स्टाल लगाकर अकीदतमंदों और राहगीरों के लिए भोजन, शरबत, पानी और फल बांटे गए। इसके साथ ही मुख्य मार्गों से होते हुए जुलूस पर जगह-जगह पुष्पवर्षा की गई। दिनभर के कार्यक्रमों के बाद, शाम को मऊगंज जामा मस्जिद में एक विशेष महफिल-ए-मिलाद का आयोजन किया गया। इसमें उलेमाओं ने पैगंबर हजरत मोहम्मद साहब की जीवनी और उनकी शिक्षाओं पर प्रकाश डाला। मिलाद के समापन पर देश और दुनिया में अमन-चैन, खुशहाली और आपसी भाईचारे की विशेष दुआएं मांगी गईं। इसके बाद जामा मस्जिद परिसर में भी बड़े पैमाने पर लंगर का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। पूरे आयोजन के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस बल का बेहतरीन और सराहनीय सहयोग रहा। कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए मऊगंज टीआई राम सिंह पटेल, हनुमना टीआई अनिल काकड़े और उनके साथ आए समस्त पुलिस स्टाफ ने मुस्तैदी से अपनी जिम्मेदारी निभाई। पुलिस टीम के बेहतर प्रबंधन के कारण यातायात सुचारू रूप से चलता रहा और पूरा पर्व शांतिपूर्ण, सुरक्षित और सौहार्दपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। इस ऐतिहासिक जुलूस में सिराज ताज वारसी, फतेह खान, पिंटू खान, टिंकू खान, इमरान, अलाउद्दीन खान(खजुरहन), अंकित खान, समीर खान,पंकज खान, रोहित खान सहित हजारों की तादाद में आम जनमानस और अकीदतमंद मौजूद रहे।

बाढ़ पीड़ितों की उजड़ी घर गृहस्थी, कैसे मनाएं त्योहार

बैकुंठपुर नि.प्र.। रीवा समेत बैकुंठपुर और सिरमौर 19 और 20 अगस्त की दरम्यानी रात में आई बाढ़ से लोगों की सारे अरमान घर गृहस्थी के सामान खराब हो गए। लोगों को घर तक छोड़कर सड़क तक आना पड़ा । रक्षाबंधन समेत आने वाले अन्य त्योहार की खुशियां डूब गई है। सिरमौर ब्लाक के आधा सैकड़ा गांव लगभग बाढ़ प्रभावित रहा सबसे ज्यादा नुकसान बैकुंठपुर और ते दुन गांव में रहा शिवरंजन सिंह, भजन यादव, यादवेंद्र यादव, राजेंद्र यादव, गुलाब तिवारी, गणेश सिंह, टिकुरा, कोलान बस्ती,महत में सैकड़ों परिवार घर-द्वार, सामान सब डूब चुकी है। तेंदुन गांव में डेगूं और सांप का चुनौतियां दस्तक देने लगी हैं। कई गांव में पानी भरने से डेगूं मच्छर का प्रकोप बढ़ रहा है। त्योहार से बीच किसान और ग्रामीण अपने दिन चिंता और डर में काट रहे है। बाढ़ के पानी में अनाज, घरेलू सामान और दोपहिया वाहन तक डूब गए। कई जगह पशु भी इसकी चपेट में आ गए। चावल, गेहूं, राई, दाल, प्याज सहित अन्य खाद्यान्न और घरेलू सामान पानी में तैरने लगे। घर में रखे कीमती सामान के साथ दोपहिया वाहन भी पानी में डूब गए। गणेश सिंह की गाय बाढ़ की चपेट में आकर मर गई, वही तेंदुन निवासी बैजनाथ यादव की बेटी को डूबने से बचाया घरों में भरे पानी के बीच रात काटना मुश्किल हो गया था। रामसमुझ यादव के घर क्षतिग्रस्त हो गया। सिरमौर ब्लॉक के तेंदुन के अलावा बड़ी हरदी, माड़ौ, नेबुहा सहित कई गांवों में बाढ़ का पानी पहुंचा। बाढ़ का पानी उतरने के बाद अब ग्रामीण अपने घरों से गीला सामान बाहर निकालकर धूप में सुखाने और बची हुई सामग्री को सुरक्षित करने में जुटे हैं। ग्रामीणों द्वारा संवाददाता को बताया गया कि जिन पात्र हितग्रहियों का सर्वे करके रिपोर्ट तहसील में भेजना अब वह हितग्रहियों के घर में सर्वे नहीं किया बल्कि रिकॉर्ड एक जगह बैठ कर मंगवाया गया है।

जन विश्वास अभियान का शिविर 29 अगस्त को हनुमना में

मऊगंज। आम जनता के आवेदन पत्रों का मौके पर निराकरण करने तथा शासन की योजनाओं की मानीटरिंग के लिए मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत जिले का चौथा शिविर 29 अगस्त को जनपद पंचायत हनुमना में आयोजित किया जा रहा है। इस संबंध में कलेक्टर संजय कुमार जैन ने बताया कि शासन की उच्च प्राथमिकता का मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान का शिविर जनपद पंचायत हनुमना में आयोजित किया जा रहा है। इन ग्राम पंचायतों के सीएम हेल्पलाइन, जनसुनवाई तथा लोक सेवा गारंटी योजना में दर्ज आवेदनों का शत-प्रतिशत निराकरण किया जाएगा। कलेक्टर ने बताया कि जिला और खण्ड स्तर के सभी अधिकारी शिविर में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहें। शिविर का आयोजन सादगीपूर्ण रूप से करें। सभी अधिकारियों को हनुमना विकासखण्ड में लंबित सीएम हेल्पलाइन तथा जनसुनवाई के आवेदन पत्रों की सूची उपलब्ध करा दी गई है। शिविर से पहले आवेदन पत्रों का निराकरण कराकर प्रतिवेदन प्रस्तुत करें।

भाजपा नेता मृगेंद्र सिंह ने शोकाकुल परिवार को बंधाया ढाढ़स

हनुमना, नि.प्र.। हनुमाना तहसील अंतर्गत मर्यादपुर निवासी वरिष्ठ समाजसेवी मध्य प्रदेश कार्यसमिति सदस्य (भाजपा) मृगेंद्र सिंह 25 अगस्त को मऊगंज विधानसभा के विभिन्न ग्रामों में पहुंचकर शोकाकुल परिवारों से मुलाकात कर अपनी गहरी शोक संवेदनाएं व्यक्त कीं तथा दिवंगत आत्माओं को श्रद्धांजलि अर्पित की। ग्राम गाड़ा में जोखू पटेल की माता जी के निधन पर, ग्राम कोलहा मे स्व बाल्मीकि प्रसाद शुक्ला के निधन पर, ग्राम खटखरी में चंद्रमणि प्रसाद शर्मा की माता जी के निधन पर ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्माओं को अपने श्रीचरणों में स्थान दें एवं शोकाकुल परिवारों को इस अपार दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

सेमरिया क्षेत्र की दो बड़ी सड़कों को मिली कैबिनेट की मंजूरी

विधायक अभय मिश्रा ने 2024 में लिखा था पत्र

सेमरिया। सेमरिया विधानसभा क्षेत्र में सड़क कनेक्टिविटी को मजबूत करने और आमजन के आवागमन को सुगम बनाने की दिशा में बड़ी उपलब्धि हासिल हुई है। सुन्दरा, सिंहपुर, कोठी, बिरसिंहपुर तथा सेमरिया-गोदहा-सिरमौर मार्ग के निर्माण को कैबिनेट से मंजूरी मिल गई है। विधायक अभय मिश्रा ने बताया कि इन महत्वपूर्ण मार्गों की स्वीकृति के लिए वर्ष 2024 से लगातार प्रयास किए जा रहे थे। उन्होंने बताया कि वर्ष 2024 में ही संबंधित मार्गों के निर्माण एवं विकास को लेकर पत्र लिखा गया था। इसके बाद विधानसभा में भी इस विषय को कई बार प्रमुखता से उठाया गया तथा लगातार पत्राचार किया गया। विधायक ने कहा कि मुख्यमंत्री, लोक निर्माण विभाग के मंत्री एवं संबंधित अधिकारियों से मुलाकात कर मार्गों की आवश्यकता और क्षेत्र की जनता को होने वाली परेशानियों से अवगत कराया गया था। लंबे समय से किए जा रहे इन प्रयासों के परिणामस्वरूप अब इन मार्गों को कैबिनेट से स्वीकृति मिली है। विशेष रूप से सेमरिया में एक और बाईपास सहित सेमरिया-गोदहा-सिरमौर मार्ग के निर्माण से क्षेत्र के लोगों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है। इन मार्गों के निर्माण से सेमरिया विधानसभा क्षेत्र के अनेक गांव मुख्य मार्गों से बेहतर तरीके से जुड़ेंगे। विधायक अभय मिश्रा ने कहा कि सड़क निर्माण से आवागमन सुगम होने के साथ क्षेत्र के आर्थिक एवं सामाजिक विकास को भी गति मिलेगी। लंबे समय से लंबित इस मांग की स्वीकृति को उन्होंने सेमरिया विधानसभा क्षेत्र की जनता के लिए महत्वपूर्ण विकासात्मक सौगात बताया।

मिशन शक्ति के मंच से गूंजा नारी सम्मान और सशक्तिकरण का संदेश

रायपुर कर्चुलियान। महिला सुरक्षा, सम्मान, स्वावलंबन और समान अवसर के उद्देश्य से मिशन शक्ति एवं हब फॉर इम्पॉवरमेंट ऑफ वूमेन (एचईडब्ल्यू) के तहत महिला एवं बाल विकास परियोजना क्रमांक-1 रायपुर कर्चुलियान में प्रेरणादायी कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में महिलाओं को उनके अधिकारों, सुरक्षा, आत्मनिर्भरता और सामाजिक भागीदारी के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम जिला पंचायत उपाध्यक्ष एवं शिक्षा समिति अध्यक्ष प्रणव प्रताप सिंह के मुख्य आतिथ्य तथा परियोजना अधिकारी अंजना सिंह की अध्यक्षता में हुआ। जनपद अध्यक्ष सुमन साकेत, सरपंच शुभकरण दाहिया, रामकुमार सिंह ढिल्लों एवं समाजसेवी अलखमुनि तिवारी विशिष्ट अतिथि रहे। संचालन आशीष तिवारी निर्मल ने किया। कार्यक्रम में सुपरवाइजर, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं ने लोकगीत, रंगोली, कहानी और कविता के माध्यम से महिला सशक्तिकरण का संदेश दिया। कवि बृजेश सिंह सरल ने बघेली कविता प्रस्तुत कर नारी शक्ति की महत्ता रेखांकित की। मुख्य अतिथि प्रणव प्रताप सिंह ने आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं से राखी बंधवाई तथा उनके सेवाभाव की सराहना करते हुए उपहार स्वरूप साड़ी भेंट की। उन्होंने कहा कि सशक्त नारी ही सशक्त समाज और राष्ट्र की मजबूत नींव है। महिलाओं को शिक्षा, रोजगार, कौशल विकास और स्वरोजगार के समान अवसर मिलना जरूरी है। कार्यक्रम में महिलाओं को 112 पुलिस हेल्पलाइन, 181 महिला हेल्पलाइन और शी-बॉक्स पोर्टल की जानकारी दी गई। वक्ताओं ने महिलाओं से हिंसा या उत्पीड़न की स्थिति में चुप न रहने और उपलब्ध सहायता तंत्र का उपयोग करने की अपील की। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विभागीय कर्मचारी एवं क्षेत्रीय नागरिक उपस्थित रहे।

हनुमना नगर परिषद : पानी की टंकी निर्माण में भ्रष्टाचार के आरोप

नया नदी के समीप बन रही टंकी में निर्धारित मानकों का नहीं हो रहा पालन

हनुमना, नि.प्र.। मऊगंज जिले के हनुमना नगर परिषद क्षेत्र अंतर्गत नया नदी के समीप निर्माणाधीन पानी की टंकी शुरुआत से ही भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ने के आरोप लग रहे हैं। स्थानीय निवासियों ने बातया कि नगर परिषद द्वारा ठेकेदार को सौंपे गए इस महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट में निर्माण मानकों और शासकीय नियमों की खुलेआम अनदेखी की जा रही है, जिससे भविष्य में बड़े हादसे और सरकारी धन के दुरुपयोग की आशंका बढ़ गई है।

नियमों को ठेंगा: कार्यस्थल पर नहीं लगा सूचना बोर्ड : शासकीय नियमानुसार किसी भी सरकारी निर्माण कार्य के स्थल पर परियोजना की लागत, ठेकेदार का नाम, कार्य शुरू व पूरा होने की तिथि और तकनीकी मापदंडों को दर्शाने वाला साइन बोर्ड लगाना अनिवार्य होता है। हालांकि, नया नदी के पास चल रहे इस निर्माण कार्य स्थल से साइन बोर्ड नदारद है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि पारदर्शिता छिपाने और भ्रष्टाचार पर पर्दा डालने के मकसद से साइन बोर्ड नहीं लगाया गया है।

गुणवत्ता पर उठे गंभीर सवाल, जनता में आक्रोश

क्षेत्रीय नागरिकों का संवाददाता से कहना है कि टंकी के निर्माण में घटिया सामग्री का उपयोग किया जा रहा है। यदि निर्माण इसी तरह बिना किसी निगरानी और गुणवत्ता जांच के चलता रहा, तो पेयजल आपूर्ति शुरू होने से पहले ही यह संरचना धराशायी हो सकती है। नगर परिषद के जिम्मेदार अधिकारी पूरे मामले पर आंखें मूंदे बैठे हैं। क्षेत्रवासियों ने संवाददाता से बात करते हुए कहा कि निर्माण सामग्री की गुणवत्ता की जांच के लिए नगर परिषद के सब-इंजीनियर और जिम्मेदार अधिकारी मौके पर क्यों नहीं पहुंचते? लोगों का कहना है कि क्या जिला प्रशासन और मऊगंज कलेक्टर इस निर्माण कार्य की निष्पक्ष तकनीकी जांच कराएंगे?

डभौरा में मनाया गया वीर शहीद पं. रणजीत राय दीक्षित का 168वां बलिदान दिवस

वीरता एवं शौर्य के प्रतीक थे पंडित रणजीतराय दीक्षित : राजमणि पटेल

3 किमी लंबी निकली भव्य शौर्य यात्रा

जवा ब्यूरो। प्रथम स्वतंत्रता संग्राम सेनानी शहीद पंडित रणजीतराय दीक्षित का 168वां बलिदान दिवस वीर शहीद के वंशजों गणमान्य नागरिकों के नेतृत्व में लगभग 3 किमी लंबी शौर्य यात्रा निकाली गई। यह यात्रा डभौरा के मुख्य बाजार, चौराहों से होते हुए दुशाहनाई पैलेस डभौरा से जानकी मंदिर बस्ती तक गई। यात्रा का समापन शिव मंदिर में हुआ जहां विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। इसमें हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। यात्रा के दौरान बाजे गाजे और तिलक लगाकर स्वागत किया गया। युवा हाथों में तिरंगा और बैनर लेकर भारत माता की जय के नारे लगाए। कार्यक्रम के दूसरे चरण में शोक सभा का आयोजन बस्ती में किया गया। इस सभा में क्षेत्र के गणमान्य नागरिक, सामाजिक संगठन, युवा और छात्र शामिल होकर शहीद रणजीत राय दीक्षित को श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए मध्य प्रदेश शासन के पूर्व मंत्री पूर्व सांसद राजमणि पटेल ने कहा कि 1857 की स्वतंत्रता संग्राम के अमर शहीद पंडित रणजीत राय वीरता शौर्य साहस एवं स्वाभिमान के प्रतीक थे। यात्रा में पूर्व राज्य सभा सदस्य राजमणि पटेल, सेवा निवृत्त उप पुलिस अधीक्षक बीड़ी पाण्डेय, बृजेन्द्र पाण्डेय, कृपा शंकर गौतम, अरुण सिंह पिंटू, निरंजन तिवारी, राधा गोविंद तिवारी, सुभाष चौरसिया, प्रशांत राय, दिनेश केशरवानी, लालता प्रसाद साहू, लवलेश द्विवेद, रणजीतराय दिक्षित के वंशज अनिल दीक्षित, ललित दीक्षित, अभिषेक दीक्षित, महाराज राम दीक्षित, सौरभ दीक्षित, मोनू दीक्षित सहित अन्य गणमान्य लोग एवं बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

न्यूज कार्नर

विश्व प्रसिद्ध बौद्ध स्तूप पहुंच मार्ग के कई पुल एवं रपटा छतिग्रस्त

कटरा नि.प्र.। त्योंथर जनपद अंतर्गत देउर कोठार में विश्व प्रसिद्ध बौद्ध स्तूप है, जहां प्रतिदिन हजारों पर्यटक बौद्ध स्तूप एवं वहां के प्राकृतिक सौंदर्य को देखने के लिए आते हैं, स्तूप तक पहुंचने के लिए दो मार्ग हैं, एक राष्ट्रीय राजमार्ग 30 से यूमा गांव से होते हुए बौद्ध स्तूप तक जाता है, दूसरा लाल गांव रोड के डाढ़ गांव से कांकर, बरहट, देउर होते हुए बौद्ध स्तूप तक पहुंचता है, यह मार्ग बीते वर्ष पर्यटन विभाग द्वारा बनाया जाना था, जिसमें गिट्टी डालकर छोड़ दिया गया है, इस पहुंच मार्ग में कई जगह छोटे पुल एवं रपटा बने हुए थे, जो अति वृष्टि के कारण क्षतिग्रस्त हो गए हैं, कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है, इस मार्ग पर देउर ,बरहठ एवं कांकर गांव भी पढ़ते हैं जहां की जनता के लिए आवागमन का साधन यही एक मार्ग है।`ग्राम वासियों ने जिला प्रशासन एवं संबंधित विभाग का ध्यान इस और आकृष्ट कराते हुए मांग किया है कि अबिलंब इस मार्ग के पुल एवं रपटों को दुरुस्त कराया जाए, जिससे आवागमन सुगम हो सके।

महाना नदी गुरदी घाट से लोकेश्वर नाथ तक निकाली गई भव्य कांवड़ यात्रा

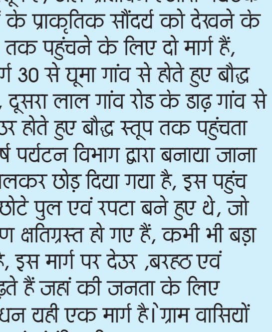

जवा ब्यूरो। प्रेरणा जन कल्याण समिति के तत्वावधान में सावन मास में विशाल कांवड़ यात्रा का आयोजन किया गया। कांवड़ यात्रा का शुभारंभ महाना नदी गुरदी घाट से कावड़ में जल भरकर पैदल तीन किलोमीटर चलकर कर सिद्ध तीर्थ स्थल लोकेश्वर नाथ शिव मंदिर में जलाभिषेक पूजन अर्चन कर किया गया। समापन अवसर पर भव्य विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। कांवड़ यात्रा में वरिष्ठ भाजपा नेता रमाशंकर मिश्रा, जिला पंचायत सदस्य वार्ड 2 पूर्णिमा तिवारी, संतोष मिश्रा, मंजू मिश्रा जवा सहित अन्य धर्मानुरागी भक्त जनो ने जलाभिषेक कर क्षेत्र घर परिवार की खुशहाली का आशीर्वाद मांगा। आयोजक अध्यक्ष संतोष मिश्रा ने बताया कि विगत कई वर्षों से सावन मास में कांवड़ यात्रा निकाली जा रही है उसी तारतम्य में उक्त कांवड़ यात्रा का निकाल कर लोकेश्वर नाथ को जलाभिषेक कर क्षेत्र के खुशहाली का आशीर्वाद मांगते हुए कांवड़ यात्रा में भाग लेने वाले सभी धर्मानुरागी भक्त जनों के प्रति आभार व्यक्त किया।

गोविंदगढ़ पुलिस ने सटोरियों को खदेड़ा त्योहारों के मद्देनजर बढ़ाई गश्त

मड़वा स्टैंड के पास ताश के पत्तों पर दांव लगा रहे थे युवक, पुलिस वाहन देखते ही मची भगदड़

गोविंदगढ़ ब्यूरो। आगामी त्योहारों को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न कराने के लिए गोविंदगढ़ पुलिस द्वारा क्षेत्र में लगातार गश्त की जा रही है। इसी क्रम में बुधवार को पुलिस की गश्ती टीम ग्राम पंचायत मड़वा स्टैंड के पास पहुंची, जहां कुछ लोग ताश के पत्तों पर जुआ खेलते नजर आए। पुलिस का वाहन देखते ही मौके पर मौजूद लोगों में भगदड़ मच गई और सभी इधर-उधर भागने लगे। जानकारी के अनुसार मड़वा स्टैंड के पास कुछ युवक ताश के पत्तों पर दांव लगाकर जुआ खेल रहे थे। इसी दौरान त्योहारों को लेकर क्षेत्र में गश्त कर रही गोविंदगढ़ पुलिस की डायल-100 एवं थाना प्रभारी के वाहन वहां पहुंच गए। पुलिस वाहनों को देखते ही जुआ खेल रहे लोगों में अफरा-तफरी मच गई। पुलिस ने मौके से भाग रहे लोगों को कुछ दूर तक खदेड़ा और उन्हें जुआ-सट्टा जैसी गतिविधियों से दूर रहने की सख्त हिदायत दी। पुलिस की कार्रवाई को देखते हुए मौके पर मौजूद सभी लोग वहां से भाग निकले।

पुलिस की गश्त से असामाजिक तत्वों में हड़कंप : त्योहारों के मद्देनजर गोविंदगढ़ पुलिस द्वारा संवेदनशील एवं प्रमुख स्थानों पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। डायल-100 सहित थाना पुलिस के वाहनों से क्षेत्र में भ्रमण किया जा रहा है। पुलिस की इस सक्रियता से जुआ-सट्टा सहित अन्य असामाजिक गतिविधियों में शामिल लोगों में हड़कंप की स्थिति बनी हुई है।

पुलिस ने आम नागरिकों से भी अपील की है कि त्योहारों के दौरान शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस का सहयोग करें तथा किसी भी संदिग्ध अथवा असामाजिक गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को दें।

कलवारी में 16 अगस्त से जला है ट्रांसफार्मर, 150 घरों में अंधेरा

कटरा निप्र। त्योंथर विधानसभा के ग्राम कालवारी में ओवर ब्रिज के पास का ट्रांसफार्मर विगत 16 अगस्त से जला हुआ है जिस कारण 150 घरों में अंधेरा है। ग्रामीणों ने संवाददाता को बताया कि लाख निवेदन के बाद भी ट्रांसफार्मर विभाग द्वारा नहीं बदला जा रहा है, कटरा सब स्टेशन के विद्युत विभाग के कर्मचारियों द्वारा कहा जा रहा है कि बिल नहीं जमा है जब तक बिल नहीं जमा होगा ट्रांसफार्मर नहीं लगाया जाएगा। ग्राम वासियों का कहना है कि उक्त ट्रांसफार्मर में 150 कनेक्शन है दो-चार लोगों को छोड़कर सबके बिल जमा हैं, एक-दो महीने का जरूर शेष है वह भी सभी कनेक्शन धारी जमा करने को तैयार है, बावजूद उसके भी 16 अगस्त से अभी तक ट्रांसफार्मर नहीं लगाया गया, बरसात के दिनों में वह भी जब अतिवृष्टि हो रही है, घरों में पानी भर रहा है, मच्छरों का प्रकोप है, ऐसे में बिजली न रहने से बच्चे बूढ़े सभी बीमार हो रहे हैं, कनेक्शन धारी कौशल प्रसाद पटेल, देव प्रसाद पटेल, रमेश पटेल, अच्छे लाल पटेल ,विनोद पटेल, दिलीप विश्वकर्मा, प्रदीप विश्वकर्मा, राम सखी पटेल, गैबी पटेल, छोटेलाल पटेल, राम लखन नामदेव ,राम सिया नामदेव, बृजेश सेन ,सूरज सेन, राममिलन नामदेव, राम निवास पटेल, साधना तिवारी, राजेंद्र पटेल ,रामकिशोर पटेल, छोटेलाल पटेल, रामकृपाल पटेल, लोलर पटेल ,राजमणि द्विवेदी जगन्नाथ साकेत, राम जी साकेत, रामबहोर साकेत ,प्रहलाद पटेल, लक्ष्मी दीन पटेल, राम प्रसाद पटेल, रामकिशोर पटेल ,बाबूलाल पटेल, विश्राम कोल आदि लोगों ने जिला प्रशासन एवं विद्युत विभाग के उच्च अधिकारियों का ध्यान इस और आकृष्ट कराते हुए मांग किया है कि अभिलंब ट्रांसफार्मर बदला जाए अन्यथा सभी कनेक्शन धारी राष्ट्रीय राजमार्ग पर चक्का जाम आंदोलन करने को मजबूर हो जाएंग।

सफाई व्यवस्था के बाद स्ट्रीट लाइट में सुधार की मांग

हनुमना, नि.प्र.। नगर परिषद हनुमना के नवनिर्वाचित मनोनीत पार्षद राम प्रसाद गुप्ता ने विभिन्न वार्ड वार्ड 4, 6, 7, 8, 9, 10 , 11 में सफाई न होने से कई दिनों तक कचरा डंप होने के कारण गंदगी एवं बीमारी का खतरा फैल रहा था जिसे लोगों द्वारा कई बार शिकायत करने के बावजूद भी सफाई न होने से समस्या विकराल रूप ले रही थी, जिसको देखते हुए मनोनीत पार्षद लवकुश गुप्ता ने मुख्य नगर परिषद अधिकारी को अवगत कराकर सफाई व्यवस्था कराई गई। मनोनीत पार्षद समाजसेवी अनसूईया सोनी, पूर्व नगर परिषद उपाध्यक्ष भरत लाल गुप्ता ने मांग करते हुए कहा कि बरसात का मौसम चल रहा है, ब्लीचिंग पाउडर दवाइयां अभी तक नहीं डाली गई हैं।

बाढ़ में राजनीति करना गलत कदम : समीर

किसने साथ दिया जनता भली भांति जानती है

त्योंथर ब्यूरो। जिले समेत त्योंथर में आई बाढ़ की आपदा में कांग्रेस पार्टी घटिया राजनीति पर उतारू है प्रभावित गांवों में कांग्रेस नेताओं का दौरा सिर्फ और सिर्फ अखबारों में सुर्खियां बटोरने का प्रयास मात्र है। उक्त आरोप गढ़ी मंडल के अध्यक्ष ठाकुर समीर सिंह ने लगाते हुए कहा कि प्राकृतिक आपदा के इस संकट काल में प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव, विधायक सिद्धार्थ तिवारी राज और पूरा प्रशासनिक अमला युद्ध स्तर पर पूरी तन्मयता से जनता की सेवा में जुटा हुआ है। मुख्यमंत्री मोहन यादव के कड़े और स्पष्ट निर्देशों के तहत भोपाल से लगातार जिले व त्योंथर की स्थिति की मॉनिटरिंग की जा रही है। सरकार का संकल्प है कि हर बाढ़ प्रभावित व्यक्ति को मदद बिना किसी देरी के मिले। त्योंथर क्षेत्र में जनता के हितों के लिए समर्पित विधायक सिद्धार्थ तिवारी संकट की इस घड़ी में स्वयं अथक मेहनत कर राहत कार्यों का नेतृत्व कर रहे हैं। उन्होंने प्रभावित ग्रामों का सघन दौरा कर हर परिवार को राशन, साफ पानी और सुरक्षित आश्रय सुनिश्चित कराया है।उनकी मुस्तैदी के कारण ही क्षेत्र में समय रहते बड़ी जनहानि को टाला जा सका है। जिला प्रशासन, राजस्व, स्वास्थ्य और पुलिस विभाग की टीमें प्रभावित क्षेत्रों में लगातार कैंप किए हुए हैं। जलभराव जनित बीमारियों से बचाव के लिए स्वास्थ्य विभाग की मोबाइल टीमें लगातार दवा वितरण और ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव कर रही हैं। इसके साथ ही, फसलों और मकानों के नुकसान का पारदर्शी आकलन करने के लिए पटवारियों के सर्वे दल तत्काल मैदान में उतार दिए गए हैं और हर प्रभावित किसान और गरीब को उचित मुआवजा दिलाया जाएगा।कांग्रेस पार्टी ने हमेशा संकट के समय सिर्फ राजनीति की है और आज भी वे पीड़ितों के आंसू पोंछने के बजाय केवल घटिया बयानबाजी कर राजनीतिक रोटी सेकने में लगे हुए हैं।सबको पता है कि है कि कौन सिर्फ फोटो खिंचवा रहा है और कौन पूरी तन्मयता से दिन रात सेवा कर रहा है।समय आने पर जनता इसका माकूल जवाब अवश्य देगी।

आखिरी दिन रोमांचक होगा कोलंबो टेस्ट, भारत सीरीज जीत के करीब

जेएनएन, कोलंबो

श्रीलंकाई बल्लेबाजों ने कुछ समय तक डटकर मुकाबला किया, लेकिन भारतीय गेंदबाजों ने सही समय पर विकेट लेकर बुधवार को दूसरे और अंतिम टेस्ट के चौथे दिन मेजबान टीम के दूसरी पारी में स्टंप तक 229 रन तक छह विकेट झटक लिए। स्टंप तक सोनल दिनुशा सात और केशारा नुवंता तीन रन बनाकर क्रीज पर थे। जैसा कि अब इस मैच में आम हो गया है, शाम की बारिश और खराब रोशनी के कारण खेल रोकना पड़ा। अब भारत की कोशिश होगी कि पांचवें दिन मैच और सीरीज दोनों अपने नाम कर ले। भारतीय गेंदबाजों के दबदबे से पहले पसिंदु सूर्याबंदारा (92) और कामिंडु मेंडिस (55) के बीच तीसरे विकेट के लिए हुई 115 रन की साझेदारी श्रीलंका की वापसी का मुख्य आधार रही। सूर्याबंदारा और मेंडिस ने तब मोर्चा संभाला जब श्रीलंका 63 रन तक दो विकेट खोकर संघर्ष कर रहा था। इन दोनों ने अगले 110 मिनट तक भारतीय गेंदबाजों का डटकर सामना किया। इस साझेदारी ने श्रीलंका को पहली पारी में 213 रन से पिछड़ने के बाद फॉलोऑन की स्थिति से उबरने में मदद की। हालांकि, उस दौरान श्रीलंका का प्रदर्शन पहली पारी की तुलना में काफी बेहतर था। पहली पारी में टीम 290 रन पर ऑलआउट हो गई थी और फॉलोऑन के स्कोर से सिर्फ 13 रन दूर रह गई थी। दिनुशा ने सीरीज का अपना दूसरा शतक लगाते हुए 103 रन की पारी खेली थी। लेकिन सूर्याबंदारा और मेंडिस की साझेदारी की वजह से मैच पांचवें दिन तक खिंच गया, जबकि उन्होंने दूसरी पारी में सलामी बल्लेबाज लाहिरू उदारा और कामिल मिशारा के विकेट जल्दी गंवा दिए थे।

सूर्याबंदारा को आउट करते पंत

02 शतक दिनुशा ने भारत के खिलाफ श्रीलंका के लिए नंबर 6 या इससे नीचे बल्लेबाजी करते जड़े। वे ऐसा करने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं। टेस्ट में भारत के खिलाफ नंबर 6 या इससे नीचे बल्लेबाजी करते हुए दिनेश चांदीमल, तिलकरत्ने दिलशान, प्रसन्ना जयवर्धने, अर्जुन राणातुंगा, थिलन समरवीरा और हशन तिलकरत्ने ने एक-एक बार भारत के खिलाफ शतक जड़ा था।

गैरी सोबर्स की लिस्ट में शामिल हुए दिनुशा

- दिनुशा ने भारत के खिलाफ अपने शुरुआती दो टेस्ट में दो शतक लगाए। इस सूची में वेस्टइंडीज के महान एवर्टन वीक्स और सर गैरी सोबर्स से लेकर जहीर अब्बास, गैरी कर्स्टन और जेसी राइडर जैसे बड़े नाम शामिल हैं।
- दिनुशा भारत के खिलाफ लगातार टेस्ट में शतक लगाने वाले खिलाड़ियों की सूची में शामिल हो गए। इससे पहले अरविंदा डीसिल्वा, कुमार संगकारा, सनथ जयसूर्या, महेला जयवर्धने और एंजेलो मैथ्यूज शतक लगा चुके हैं।
- दिनुशा ने जहीर अब्बास और एवर्टन वीक्स जैसे महान बल्लेबाजों के साथ अपना नाम जोड़ लिया है। जहीर अब्बास ने भारत के खिलाफ अपनी पहली तीन पारियों में 176, 96 और नाबाद 235 रन बनाए थे, जबकि एवर्टन वीक्स ने 128, 194 और 162 रन बनाए। वीक्स ने तो भारत के खिलाफ अपनी पहली चार पारियों में शतक लगाए थे और पांचवीं पारी में 90 रन पर आउट हुए थे। दिनुशा का 100, 84 और 100 का रिकॉर्ड इसीलिए बेहद खास है।

दूसरा टेस्ट मैच
सूर्याबंदारा-कामिंडु के अर्धशतकों के बावजूद टीम इंडिया मुकाबले में आगे

- यह दूसरा मौका है, जब श्रीलंका की अंतिम तीन जोड़ियों (आठवें से दसवें विकेट तक) ने भारत के खिलाफ किसी टेस्ट पारी में 40 से ज्यादा ओवरों तक बल्लेबाजी की हो। इससे पहले 2010 में कोलंबो में श्रीलंका ने 31.2 ओवरों में केवल 87 रन पर 7 विकेट गंवा चुकी थी, लेकिन अंत में वे 85.2 ओवरों में 267 रनों तक पहुंचने में सफल रहे। उस पारी में टीम की आखिरी तीन जोड़ियों ने कुल 54 ओवरों तक संघर्ष किया था।

स्कोर बोर्ड

भारत पहली पारी: 503/9 घोषित
श्रीलंका पहली पारी: 290/10 (89.4 ओवर)
कल के स्कोर 265/8 से आगे

	रन	गेंद	4	6
दिनुशा का. राहुल बो. जैन	103	192	8	3
कुमारा का. जुरेल बो. जैन	12	58	2	0
असिता फर्नांडो नाबाद	1	4	0	0

अतिरिक्त: 14, **कुल**: 89.4 ओवर में 290 रन पर सभी आउट, **विकेट पतन**: 1-1, 2-8, 3-35, 4-122, 5-137, 6-171, 7-173, 8-230, 9-288, 10-290, **गेंदबाजी**: सिराज 11-0-33-1, कृष्णा 16-2-52-3, मानव सुथार 22-1-85-3, जैन 20.4-5-69-2, जडेजा 20-4-45-1.

श्रीलंका दूसरी पारी: 229/6 (72.4 ओवर)

	रन	गेंद	4	6
उदारा का. जैन बो. सिराज	3	15	0	0
मिशारा पगबाधा बो. जडेजा	32	39	3	1
सूर्याबंदारा स्टं. पंत बो. सुथार	92	173	10	1
मेंडिस का. गिल बो. कृष्णा	55	92	2	3
डिसिल्वा का. पडिक्कल बो. सुथार	23	44	1	1
सोनल दिनुशा खेल रहे हैं	7	37	0	0
डिकवेला पगबाधा बो. जैन	6	12	1	0
केशरा नुवंता खेल रहे हैं	3	29	0	0

अतिरिक्त: 8, **कुल**: 72.4 ओवर में छह विकेट पर 229 रन, **विकेट पतन**: 1-5, 2-63, 3-178, 4-209, 5-212, 6-218, **गेंदबाजी**: प्रसिद्ध कृष्णा 10-1-31-1, मोहम्मद सिराज 9-4-11-1, सुथार 18-2-81-2, जैन 17.4-3-55-1, जडेजा 18-2-48-1.

महिला टी-20 एशिया कप 28 अगस्त से
पहली बार यूएई में एशिया कप टीम इंडिया खिताब की दावेदार

दुबई, जेएनएन

पहली बार दुबई में खेले जा रहे महिला टी-20 एशिया कप की शुरुआत 28 अगस्त से होगी। 13 सितंबर तक चलने वाले इस टूर्नामेंट में भारत और श्रीलंका सहित कुल आठ टीमें हिस्सा लेंगी। भारत जहां एक बार फिर खिताब पर कब्जा जमाने के प्रबल दावेदार के रूप में उतरेगा, वहीं मौजूदा चैंपियन श्रीलंका 2024 में जीते खिताब का बचाव करने की कोशिश करेगा। टूर्नामेंट में भारत, श्रीलंका, पाकिस्तान और बांग्लादेश के अलावा चार एसोसिएट टीमें भी शामिल होंगी। सभी मुकाबले दुबई में खेले जाएंगे। प्रतियोगिता में कुल 15 मैच होंगे, जिनमें 12 ग्रुप मुकाबले, दो सेमीफाइनल और फाइनल शामिल है। ग्रुप चरण के मुकाबले 8 सितंबर तक खेले जाएंगे। इस दौरान हर दिन एक मुकाबला होगा। इसके बाद 10 और 11 सितंबर को सेमीफाइनल खेले जाएंगे, जबकि खिताब के लिए अंतिम मुकाबला 13 सितंबर को होगा। भारत टूर्नामेंट में प्रबल दावेदार के तौर पर प्रवेश करेगा। इस साल उन्होंने 16 टी-20 में नौ में हार मिली है, लेकिन टीम में गहराई उन्हें काफी मजबूत दल बनाता है। श्रीलंका भारत को चुनौती प्रदान कर सकता है, इस साल उन्हें इस प्रारूप में 10 जीत और तीन हार नसीब हुई है। वेस्टइंडीज को उन्होंने 2-1 से हराया था, बांग्लादेश के खिताब 3-0 से क्लीन स्वीप करने के साथ ही पाकिस्तान के खिताब उन्होंने 2-1 से जीत दर्ज की थी।

- भारत, पाकिस्तान, हॉन्ग कॉन्ग और थाईलैंड ग्रुप-ए में हैं, जबकि बांग्लादेश, श्रीलंका, यूएई और इंडोनेशिया ग्रुप-बी में हैं। हर टीम अपने ग्रुप की अन्य टीम के साथ एक मैच खेलेगी और दोनों ग्रुप से शीर्ष दो टीमों को सेमीफाइनल में प्रवेश मिलेगा। यह दूसरा संस्करण होगा, जब आठ टीमें हिस्सा लेंगी। 2022 में टूर्नामेंट में सात टीमों ने हिस्सा लिया था, जबकि 2024 में एक और टीम को जोड़ा गया।
- **एसोसिएट टीमः** इंडोनेशिया, हॉन्ग कॉन्ग, थाईलैंड और यूएई ने 2026 के महिला प्रीमियर कप के जरिए प्रवेश पाया। 18 टीमों वाले इस टूर्नामेंट में इन टीमों ने अपने ग्रुप को टॉप किया और क्वार्टर-फाइनल में जीत हासिल करते हुए उन्होंने अपना स्थान सुनिश्चित किया। इंडोनेशिया का यह पहला एशिया कप होगा, जबकि 2012 के बाद पहली बार हॉन्ग कॉन्ग की इस टूर्नामेंट में वापसी होगी।
- भारत इस टूर्नामेंट में हावी रहा है, अब तक इसके पांच टी-20 संस्करणों में से भारत ने तीन जीते हैं। अन्य दो मौकों पर भारत उपविजेता रहा है। 2018 में भारत को बांग्लादेश और 2024 में श्रीलंका के खिताब फाइनल में हार मिली थी।

6 सितंबर को होगा भारत-पाक मुकाबला

भारत और पाकिस्तान के बीच मुकाबला 6 सितंबर को होगा। दोनों टीमों के बीच अब तक खेले गए 17 टी-20 मुकाबलों में भारत ने 14 मैच जीते हैं। इसके अगले दिन गति विजेता श्रीलंका बांग्लादेश के खिताब मुकाबला खेलेगी, हालांकि इन दो टीमों के बीच अब तक मुकाबला एकतरफा ही रहा है। इस प्रारूप में श्रीलंका ने बांग्लादेश को 16 में से 13 मुकाबलों में पटखनी दी है।

खेल एक नजर

डब्ल्यूसीएल का तीसरा सत्र 3 अक्टूबर से यूएई में होगा

नई दिल्ली, जेएनएन। वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स (डब्ल्यूसीएल) के तीसरे सत्र का आयोजन तीन से 18 अक्टूबर तक संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में किया जाएगा। पहली बार यह टूर्नामेंट ब्रिटेन से से बाहर आयोजित किया जाएगा। टूर्नामेंट को यूएई में स्थानांतरित करने के साथ आयोजकों का लक्ष्य वैश्विक स्तर पर बड़े दर्शक वर्ग तक पहुंच बनाना है, साथ ही उन्होंने तीसरे चरण में अधिक दिग्गज खिलाड़ियों, रोमांचक प्रतिद्वंद्विताओं और मनोरंजन का वादा किया है। 'लीजेंड्स' क्रिकेट लीग के तीसरे सत्र में कई पूर्व अंतरराष्ट्रीय सितारे हिस्सा लेने वाले हैं। इनमें युवराज सिंह, एबी डिविलियर्स, ड्वेन ब्रावो, शाहिद अफरीदी, मोइन अली, डेविड वॉर्नर और मोहम्मद महमूदुल्लाह शामिल हैं। पहले चरण का खिताब इंडिया चैंपियंस ने पाकिस्तान चैंपियंस को हराकर जीता था, जबकि दक्षिण अफ्रीका चैंपियंस ने दूसरे सत्र के फाइनल में पाकिस्तान चैंपियंस को हराकर खिताब अपने नाम किया।

अनुशासनहीनता पर नरमी बरतना सही नहीं: मांजरेकर

नई दिल्ली, जेएनएन। भारत के पूर्व बल्लेबाज संजय मांजरेकर ने युवा खिलाड़ियों वैभव सूर्यवंशी और यशस्वी जायसवाल से जुड़े अनुशासनहीनता के मामलों से निपटने के तरीके को लेकर आईसीसी और बीसीसीआई की आलोचना की है। उन्होंने कहा कि यह दोनों संस्थाएं नरम रवैया अपना रही हैं, जिससे खिलाड़ियों को

अनुशासनहीनता के लिए प्रोत्साहन मिल रहा है। मांजरेकर ने एक्स पर लिखा, आईसीसी और बीसीसीआई, वैभव ने हाल ही में भारत-ए के लिए और अब जायसवाल ने (अनुशासनहीनता दिखाई है)। अगर आप उनका इस तरह के व्यवहार में बचाव करते रहेंगे तो आप उन्हें ऐसा व्यवहार दोहराने के लिए प्रशिक्षित कर रहे हैं। यह खेल के लिए अच्छा नहीं है और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि यह उनके भविष्य के लिए भी अच्छा नहीं है। कोलंबो में दूसरे टेस्ट के पहले दिन मैदान पर हुई कहासुनी के लिए जायसवाल और श्रीलंका के तेज गेंदबाज असिथा फर्नांडो पर उनकी मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया।

बुमराह को पछाड़ स्टार्क पहली बार नंबर एक टेस्ट गेंदबाज बने

दुबई, जेएनएन। बांग्लादेश के खिलाफ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप सीरीज के दूसरे मैच में 10 विकेट लेने वाले ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क अपने करियर में पहली बार टेस्ट रैंकिंग में नंबर एक गेंदबाज बन गए हैं। इस 36 साल बाएं हाथ के गेंदबाज ने पहली पारी में 12 रन देकर छह और दूसरी पारी में 39 रन देकर चार विकेट लेकर ऑस्ट्रेलिया की पारी और 51 रन की जीत में अहम भूमिका निभाई। इससे उन्होंने न्यूजीलैंड के मैट हेनरी और भारत के जसप्रीत बुमराह को पीछे छोड़कर नंबर एक स्थान हासिल कर दिया। वह इन दोनों तेज गेंदबाजों से 10 रेटिंग अंक आगे हैं। स्टार्क इससे पहले एक बार दूसरे स्थान पर पहुंचे थे। उन्होंने पिछले साल 'बॉक्सिंग डे' टेस्ट के बाद पहली बार दूसरा स्थान हासिल किया था। बुमराह इस तरह से मौजूदा दौर में केवल दो महीने तक शीर्ष स्थान पर काबिज रहे, लेकिन वह कुल 697 दिन तक नंबर

एक गेंदबाज रहे, जो किसी भी भारतीय गेंदबाज का रिकॉर्ड है। इस मामले में वह सर्वकालिक सूची में 14वें स्थान पर हैं। बुमराह चोट के कारण वे श्रीलंका के खिलाफ चल रही सीरीज से बाहर हो गए थे। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज ओली रॉबिन्सन को भी काफी फायदा हुआ है। लीड्स में तीन टेस्ट मैचों की सीरीज के पहले टेस्ट में इंग्लैंड की पाकिस्तान के खिलाफ एक पारी और 103 रन की जीत में आठ विकेट लेने के कारण वह गेंदबाजों की रैंकिंग में 15 स्थान ऊपर 11वें स्थान पर पहुंच गए हैं। इस मैच में आठ विकेट लेने वाले जोश टोंग रैंकिंग में 16 पायदान ऊपर 17वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

मानव करियर की बेस्ट रैंकिंग पर, पंत टॉप 10 में

स्पिनर मानव सुथार रैंकिंग में 28 पायदान ऊपर करियर के सर्वश्रेष्ठ 48वें स्थान पर पहुंच गए हैं। श्रीलंका के असिथा फर्नांडो और प्रभात जयसूर्या दोनों पांच पायदान ऊपर क्रमशः 15वें और 16वें स्थान पर पहुंच गए हैं। बल्लेबाजी रैंकिंग में हैरी ब्रूक ने शीर्ष पर स्थिति मजबूत करनी है। वह जो रूट से 24 रेटिंग अंक आगे हो गए हैं। भारत के रिषभ पंत छह पायदान ऊपर सातवें स्थान पर पहुंच गए हैं। भारत के केएल राहुल (पांच स्थान ऊपर 30वें) और देवदत्त पडिक्कल (59वें स्थान पर) ने भी अपनी बल्लेबाजी रैंकिंग में सुधार किया है।

वेस्ट जोन को 52 रन से हराकर नार्थ जोन सेमीफाइनल में पहुंचा

दलीप ट्रॉफी: साउथ जोन से भिड़ंत

बेंगलुरु, जेएनएन। बाएं हाथ के स्पिनर आबिद मुश्ताक और निशांत सिंधु ने वेस्ट जोन के निचले क्रम के बल्लेबाजों को चौथे दिन सुबह 6.3 ओवरों में ही पवेलियन भेज दिया, जिससे नार्थ जोन ने 52 रन से जीत हासिल करके दलीप ट्रॉफी के सेमीफाइनल में प्रवेश किया, जहां उसका मुकाबला साउथ जोन से होगा। वेस्ट जोन ने टर्न ले रही पिच पर 287 के मुश्किल लक्ष्य का पीछा करते हुए अंतिम दिन की शुरुआत सात विकेट पर 220 रन से की, लेकिन उसकी टीम 234 रन पर सिमट गई। उर्विल पटेल (25) और भरोसेमंद तनुष कोटियन (00) ने वेस्ट जोन की पारी आगे बढ़ाई। मुश्ताक (22 ओवर में सात रन लेकर चार विकेट) ने जल्दी ही कोटियन को आउट कर दिया और उसके बाद तुषार देशपांडे (05) का विकेट भी लिया। इसके बाद सिंधु ने उर्विल को आउट करके मैच का अंत किया। मुश्ताक ने मैच में 99 रन देकर नौ विकेट लिए और

उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। इस मैच का निर्णायक मोड़ निश्चित रूप से वेस्ट जोन के कप्तान रुतुराज गायकवाड़ (70 गेंदों पर 66 रन) का रन आउट होना रहा, जिन्होंने मुशीर खान (96) के साथ 111 रन की साझेदारी की थी। उस समय वेस्ट जोन का स्कोर तीन विकेट पर 195 रन था और वह अच्छी स्थिति में दिख रहा था। नार्थ जोन ने पहली पारी में 251 रन बनाए थे, जिसके जवाब में वेस्ट जोन की टीम 187 रन पर आउट हो गई थी। नार्थ जोन ने अपनी दूसरी पारी में 222 रन बनाए। सेमीफाइनल 30 अगस्त से खेले जाएंगे, जिसमें नार्थ जोन का सामना साउथ जोन से, जबकि नार्थ ईस्ट जोन का सामना सेंट्रल जोन से होगा।

ग्रैंड फिनाले: कारुआना से हारे आर प्रज्ञानानंदा

सेंट लुइस (अमेरिका), जेएनएन। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा को ग्रैंड चेस टूर के ग्रैंड फिनाले की पहली बाजी में अमेरिका के दिग्गज खिलाड़ी और टूर्नामेंट के प्रबल दावेदार फैबियानो कारुआना से हार का सामना करना पड़ा। प्रज्ञानानंदा शुरुआत से ही अपनी लय में नजर नहीं आए। कारुआना ने धीरे-धीरे उन पर दबाव बनाया और बाजी अपने पक्ष में कर ली। मुकाबला 48 चालों तक चला। क्लासिकल बाजी जीतने पर छह अंक मिलते हैं, इसलिए कारुआना ने शुरुआत में ही बड़ी बढ़त बना ली है। अब देखना होगा कि दुनिया के मौजूदा तीसरे नंबर के खिलाड़ी कारुआना के खिलाफ प्रज्ञानानंदा किस तरह वापसी करते हैं। दो क्लासिकल गेम के बाद दो रैपिड गेम खेले जाएंगे, जिनमें प्रत्येक जीत के लिए चार अंक मिलेंगे। इसके बाद चार ब्लिट्ज गेम होंगे, जिनमें प्रत्येक गेम के लिए दो अंक निर्धारित हैं। तीसरे स्थान की लड़ाई में दिन के दूसरे मुकाबले में विंसेंट कीमर और वेस्ली सो के बीच ड्रॉ रहा। इस टूर्नामेंट की पुरस्कार राशि 4,50,000 अमेरिकी डॉलर है।

पाकिस्तान-इंग्लैंड के बीच दूसरा टेस्ट आज से, बाबर आजम पर रहेंगी नजरें

लंदन, जेएनएन। इंग्लैंड और पाकिस्तान के बीच तीन मैचों की सीरीज का दूसरा टेस्ट क्रिकेट मैच लॉर्ड्स में गुरुवार से शुरू होगा। जो रूट की कप्तानी में हेडिंग्ले में पारी और 103 रन से मिली शानदार जीत के बाद इंग्लैंड की नजरें सीरीज में 2-0 से बढ़त हासिल करने पर होंगी।

मैच दोपहर 3:30 बजे से शुरू होगा, जिसका प्रसारण सोनी स्पोर्ट्स पर होगा। उंगली की चोट दोबारा उभरने के कारण हेडिंग्ले टेस्ट से बाहर रहे बाबर आजम फिट हैं और उनकी वापसी पाकिस्तान की बल्लेबाजी को मजबूती दे सकती है। बाबर पिछले महीने कैरेबियन दौरे पर अच्छी फॉर्म में थे। हेडिंग्ले टेस्ट में पहली ही गेंद पर आउट हुए आजान अवैस के स्थान पर बाबर के आने की संभावना है। गेंदबाजी विभाग में उबैद शाह को तेज गेंदबाजी आक्रमण में मौका मिल सकता है और ऐसी स्थिति में खुर्रम शहजाद को बाहर बैठना पड़ सकता है। रूट अपना 168वां टेस्ट खेलने उतरेंगे और इस मामले में वह स्टुअर्ट ब्रॉड से आगे निकल जाएंगे। वह टेस्ट मैचों की संख्या के मामले में रिकी पोंटिंग और स्टीव वॉ के बराबर पहुंच जाएंगे। पाकिस्तान ने लॉर्ड्स मैदान पर पिछले दोनों टेस्ट 2016 और 2018 में जीते हैं। इंग्लैंड के खिलाफ लॉर्ड्स में कुल 15 टेस्ट में पाकिस्तान ने पांच जीत दर्ज की हैं, जबकि चार में उसे हार मिली है।

एशियाई खेल में श्रेयस की कप्तानी में 28 सितंबर को पहला मैच खेलेगी टीम इंडिया

नई दिल्ली, जेएनएन। भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम जापान में होने वाले एशियाई खेलों में 28 सितंबर से अपने अभियान की शुरुआत करेगी, जबकि महिला टीम 18 सितंबर को मेजबान जापान के खिलाफ अपना पहला मुकाबला खेलेगी। भारत की पुरुष और महिला दोनों टीमें वरीयता प्राप्त हैं और सीधे क्वार्टर फाइनल से अभियान शुरू करेंगी। श्रेयस अय्यर की अगुआई वाली पुरुष टीम और हरमनप्रीत कौर की कप्तानी वाली महिला टीम नागोया के पास कोरोगी एथलेटिक पार्क में होने वाली इस प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक की प्रबल दावेदार हैं। भारत ने पिछले सत्र में दोनों वर्गों में स्वर्ण पदक जीते थे। महिला वर्ग में भारत के क्वार्टर फाइनल प्रतिद्वंद्वी का फैसला पहले ही हो

चुका है, जबकि पुरुष टीम का सामना ग्रुप-ए में दूसरे स्थान पर रहने वाली टीम से होगा। ग्रुप-ए में अफगानिस्तान, जापान और नेपाल शामिल हैं। महिला वर्ग का फाइनल 22 सितंबर को, जबकि पुरुष वर्ग का खिताबी मुकाबला तीन अक्टूबर को खेला जाएगा। पुरुष वर्ग में भारत के अलावा बांग्लादेश, पाकिस्तान और श्रीलंका को वरीयता दी गई है। महिला वर्ग में कुल आठ टीमों को वरीयता दी गई है, जिसमें भारत भी शामिल है।

पांचवें स्थान के साथ विश्व कप से विदा लेने उतरेगी भारतीय महिला हॉकी टीम

एम्सटेलवीन, जेएनएन। पूरे टूर्नामेट में सिर्फ एक मैच हारने वाली भारतीय महिला हॉकी टीम सेमीफाइनल में नहीं पहुंच पाने के गम को भुलाकर गुरुवार को अपने से ऊंची रैंकिंग वाली जर्मनी को हराते हुए विश्व कप में पांचवें स्थान के साथ विदा लेने के इरादे से उतरेगी और मैच का नतीजा चाहे जो हो, यह पिछले 52 साल में उसका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन होगा।

इस साल शानदार फॉर्म में चल रही भारतीय महिला टीम ने अपने प्रदर्शन से सभी को प्रभावित किया है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे पूल चरण का आखिरी मैच अगर गोलरहित ड्रॉ नहीं रहता तो भारतीय टीम सेमीफाइनल खेल रही होती। तीन दिन के ब्रेक ने उस हार की मायूसी को भुलाने में मदद की होगी और अब पांचवीं रैंकिंग वाली दो बार की चैंपियन जर्मन टीम की कठिन चुनौती का सामना करना है, जो विश्व कप से पहले दो अभ्यास मैचों में उसे हरा चुकी है।

इससे पहले हुए 15 विश्व कप में से आठ ही खेल सकी भारतीय टीम का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 1974 में फ्रांस में ही पहले टूर्नामेंट में रहा था जब अजिंदर कौर की कप्तानी में टीम चौथे स्थान पर रही थी। एम्सटेलवीन और स्पेन के टेरेसा में खेले गए विश्व कप में भारतीय टीम नौवें स्थान पर रही थी।

2027 में तीन से 11 अप्रैल तक दक्षिण एशियाई खेलों की मेजबानी करेगा पाक

कराची, जेएनएन। पाकिस्तान छह साल के विलंब के बाद अगले साल तीन से 11 अप्रैल तक 14वें दक्षिण एशियाई खेलों की मेजबानी करेगा। इन खेलों का आयोजन इस्लामाबाद, लाहौर और पेशावर में किया जाएगा। दक्षिण एशिया ओलंपिक परिषद (एसएओसी) ने इस्लामाबाद में हाल में हुई बैठक में इस बहु खेल प्रतियोगिता की तारीखों और आयोजन स्थलों को मंजूरी दी। दक्षिण एशियाई खेलों का आयोजन मूल रूप से 2021 में होना था, लेकिन कोविड-19 महामारी समेत विभिन्न कारणों से इसे कई बार स्थगित किया गया। अगले साल मार्च में होने वाले खेलों की तारीखों को भी एक महीने आगे बढ़ाकर अप्रैल कर दिया गया। पाकिस्तान 2004 में इस्लामाबाद में क्षेत्रीय खेलों की मेजबानी करने के 23 साल बाद फिर इन खेलों की मेजबानी करेगा। एसएओसी ने रविवार को इस्लामाबाद में अपनी कार्यकारी समिति की बैठक में यह फैसला किया। बैठक की अध्यक्षता पाकिस्तान ओलंपिक संघ (पीओए) के अध्यक्ष और दक्षिण एशियाई संस्था के प्रमुख आरिफ सईद ने की। बैठक में खेलों की तैयारियों की समीक्षा करते हुए इस्लामाबाद, लाहौर और पेशावर को आयोजन स्थलों के रूप में मंजूरी दी गई। बांग्लादेश, मालदीव, नेपाल और श्रीलंका के प्रतिनिधियों ने बैठक में व्यक्तिगत रूप से हिस्सा लिया। अधिकारियों ने बाद में इस्लामाबाद में प्रस्तावित खेल स्थलों का निरीक्षण भी किया। पीओए के एक अधिकारी ने पुष्टि की कि भारत के प्रतिनिधि ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिये बैठक में हिस्सा लिया।

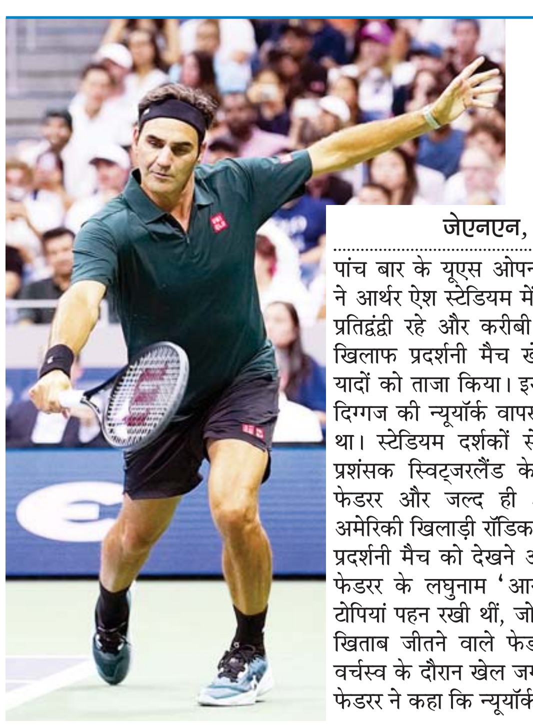

संन्यास के बाद कोर्ट पर उतरे रोजर फेडरर, पुराने प्रतिद्वंद्वी से आर्थर ऐश स्टेडियम में किया मुकाबला

जेएनएन, न्यूयॉर्क

पांच बार के यूएस ओपन चैंपियन रोजर फेडरर ने आर्थर ऐश स्टेडियम में लंबे समय तक अपने प्रतिद्वंद्वी रहे और करीबी मित्र एंडी रॉडिक के खिलाफ प्रदर्शनी मैच खेल कर अपनी पुरानी यादों को ताजा किया। इस मैच का प्रचार 'एक दिग्गज की न्यूयॉर्क वापसी' नाम से किया गया था। स्टेडियम दर्शकों से खचाखच भरा था। प्रशंसक स्विट्जरलैंड के 45 वर्षीय खिलाड़ी फेडरर और जल्द ही 44 वर्षीय होने वाले अमेरिकी खिलाड़ी रॉडिक के बीच होने वाले इस प्रदर्शनी मैच को देखने आए थे। कई दर्शकों ने फेडरर के लघुनाम 'आरएफ' के लोगो वाली टोपियां पहन रखी थीं, जो 20 बार के ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने वाले फेडरर के डेढ़ दशक के वर्चस्व के दौरान खेल जगत में आम हो गई थीं। फेडरर ने कहा कि न्यूयॉर्क में वापसी करके बहुत अच्छा लग रहा है। इस कोर्ट से, यहां के प्रशंसकों से और शहर से मेरी कई यादें जुड़ी हैं। फेडरर ने 1998 में यूएस ओपन के जूनियर टूर्नामेंट में खेलने के लिए पहली बार न्यूयॉर्क आने और फाइनल में पहुंचने की यादें ताजा कीं। इसके तीन साल बाद सीनियर वर्ग में उनका सेंटर कोर्ट पर पहला मैच आंद्रे अगासी से था, जिसमें उन्हें सीधे सेटों में हार का सामना करना पड़ा था। फेडरर ने कहा कि उन्होंने मुझे 6-1, 6-2, 6-4 से करारी शिकस्त दी। मेरे पास कोई विकल्प नहीं था। मैंने सोचा, ठीक है रोजर, यह इतना आसान नहीं था, लेकिन फिर भी मैं इस सेंटर कोर्ट को हमेशा याद रखूंगा। इसके बाद 2005 में फेडरर ने अगासी को हराकर यूएस ओपन जीता। यह उनका 2008 तक लगातार पांच खिताबों में से दूसरा खिताब था। फेडरर ने आखिरी बार 2019 में यूएस ओपन में हिस्सा लिया था।

पति-पत्नी की जोड़ी खिताब से दो कदम दूर

एलिना स्वितोलिना और गेल मोनफिल्स दोनों यूएस ओपन टेनिस टूर्नामेंट में कभी खिताब नहीं जीत पाए हैं, लेकिन इस बार हो सकता है कि यह विवाहित जोड़ा एक साथ कोई ट्रॉफी जीत सके। पति-पत्नी की यह जोड़ी कैटेरीना

सिनियाकोवा और हेनरी पैटन को 5-4 (6), 4-5 (3) (10-8) से हराकर मिश्रित युगल सेमीफाइनल में पहुंचने वाली पहली टीम बन गई। सेरेना विलियम्स और कार्लोस अल्काराज ने अपना पहला दौर का मैच तो जीत लिया, लेकिन बेलिंडा बेनसिच और फ्लेवियो कोबोली से 5-4 (4), 4-1 से हारने के बाद वे टूर्नामेंट से बाहर हो गए।

मृतक के आश्रितों को मिली 4 लाख की राहत राशि

रीवा। रीवा में 19 अगस्त को लगातार भारी वर्षा के कारण कोठी कम्पाउंड में पुराने भवन की दीवाल गिर गई। इस दुर्घटना में ग्राम बहुरीबांध निवासी राकेश उपाध्याय की दुखद मौत हो गई। कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी के निर्देशों के अनुसार एसडीएम हुजूर डॉ. अनुराग तिवारी तथा तहसीलदार अनुपम पाण्डेय ने तत्परता से कार्यवाही करते हुए राजस्व परिपत्र 6-4 के तहत आर्थिक सहायता का प्रकरण तैयार किया।

बाणसागर सभागार कलेक्ट्रेट में लघु उद्योग संवर्धन बोर्ड की बैठक आज

रीवा। लघु उद्योग संवर्धन बोर्ड की बैठक 27 अगस्त को सुबह 11 बजे से बाणसागर सभागार कलेक्ट्रेट में आयोजित की जा रही है। इसकी अध्यक्षता अपर कलेक्टर सपना त्रिपाठी करेंगी। इस संबंध में जिला महाप्रबंधक उद्योग जेपी तिवारी ने बताया कि बैठक में रीवा जिले में लघु उद्योगों के संवर्धन के प्रयासों, प्रदेश की एमएसएमई विकास नीति तथा उद्योगों की स्थापना में आने वाली कठिनाईयों को दूर करने पर चर्चा की जाएगी।

Dr. Juneja's EYE Mantra ®
दीजिए अपनी आँखों को कुदरती आई मंत्रा
Clinically Tested
प्रयोग विधि: 2 से 3 ड्रॉप्स दिन में तीन बार या चिकित्सकीय परामर्शानुसार इस्तेमाल करें।
12 गुणकारी आयुर्वेदिक औषधियों जैसे गुलाब, तुलसी, आंवला, नीम, पुदीना, शहद इत्यादि के योग से बनी 'आई मंत्रा' आयुर्वेदिक आई ड्रॉप्स आँखों में होने वाली समस्याओं जैसे आँखों की थकान, आँखों का सूखापन, आँखों पर दबाव कम कर उन्हें स्वस्थ व शीतल रखने में सहायक है। आयुर्वेदिक होने के कारण यह सुरक्षित है एवं इसका आँखों पर कोई दुष्प्रभाव भी नहीं पड़ता।
24x7 Helpline: 8196822222 • www.eyemantra.com

चोरी के बाद सूने मकान में लगाई आग करीब 80 हजार का खाद्यान्न गायब

शाहपुर चौकी क्षेत्र के मोहरबा गांव की घटना

पीड़ित ने रिश्तेदार पर जताया संदेह, शाहपुर चौकी पुलिस जांच में जुटी

जागरण, रीवा

सेमरिया थाना क्षेत्र की शाहपुर चौकी अंतर्गत मोहरबा गांव में सूने मकान में चोरी और आगजनी का मामला सामने आया है। अज्ञात व्यक्ति ने घर में रखा करीब 80 हजार रुपये कीमत का खाद्यान्न चोरी करने के बाद मकान में आग लगा दी। घटना की शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पीड़ित राम यश साहू के मुताबिक मोहरबा गांव स्थित उनके पैतृक मकान में बड़ी मात्रा में खाद्यान्न रखा हुआ था। इसमें 15 बोरी गेहूं, दो बोरी चना, तीन बोरी अरहर और तीन बोरी राई शामिल थी। आरोप है कि चोरी की घटना के बाद मकान में आग लगा दी गई, जिससे घर में रखा सामान भी प्रभावित हुआ। रामयश साहू रीवा के बोदा रोड पर कृष्णा पैथोलॉजी के नाम से लैब संचालित करते हैं। उनके अनुसार गांव का मकान अक्सर सूना रहता है। घटना की जानकारी मिलने के बाद उन्होंने शाहपुर चौकी पहुंचकर पुलिस को शिकायत दी। पीड़ित ने अपने ही एक रिश्तेदार पर चोरी की आशंका जताई है। उनका कहना है कि पूर्व में वर्ष 2017 में भी उनके घर में चोरी की घटना हो चुकी है। हालांकि चोरी और आगजनी में वास्तव में किसकी भूमिका है, यह पुलिस जांच के बाद ही स्पष्ट होगा। शाहपुर चौकी पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामले की पड़ताल शुरू कर दी है। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ करने के साथ घटना से जुड़े अन्य पहलुओं की जांच कर रही है। फिलहाल किसी व्यक्ति की संलिप्तता की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। पुलिस जांच पूरी होने के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि खाद्यान्न की चोरी किसने की और मकान में आग किन परिस्थितियों में लगी। पीड़ित परिवार ने पुलिस से मामले का जल्द खुलासा करने और नुकसान की भरपाई के लिए कार्रवाई की मांग की है।

चर्म, सौन्दर्य, एलर्जी एवं स्कीन केयर
डॉ. सिद्धार्थ तिवारी
MBBS, MD (Dermatology & STD)
परामर्श शुल्क मात्र 300/-
मिलने का समय प्रतिदिन सुबह 10 से 2 बजे सायं 4 से 7 बजे (रविवार अवकाश)
चर्म, सौन्दर्य, नाखून, बाल, कुष्ठ, गुप्त (यौन) एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ
परामर्श- दाद, खाज, खुजली, मुंहासे, मस्से, अपरस, सोरायसिस, सफेद दाग, एक्जिमा, गंजापन, त्वचा की एलर्जी, नाखुनों का खराब होना, चेहरे पे दाग धब्बे, झाइयाँ, (Glow & Fairness), सेहुंआ, फोड़े, फुन्सी, गुप्त एवं यौन समस्या आदि।
Kamta कामता मेडिकल
ए-ब्लॉक समदड़िया, न्यू बस स्टैन्ड रीवा (म.प्र.)
9399312433 9981287311

अतिरिक्त कॉलेज लेवल काउंसलिंग की अंतिम तिथि 31 तक

जागरण,रीवा। शैक्षणिक सत्र 2026-27 में कॉलेजों की खाली सीटों को भरने के लिए उच्च शिक्षा विभाग ने विद्यार्थियों को एक और मौका दिया है। उच्च शिक्षा संचालनालय ने अतिरिक्त कॉलेज लेवल काउंसलिंग (सीएलसी) चरण की अवधि बढ़ाकर 31 अगस्त 2026 तक कर दी है। इस दौरान उपलब्ध रिक्त सीटों पर पहले आओए पहले पाओ के आधार पर प्रवेश दिया जाएगा। संचालनालय ने 20 अगस्त को इस संबंध में आदेश जारी किया है। अतिरिक्त सीएलसी चरण में शासकीय, अनुदान प्राप्त अशासकीय और अशासकीय महाविद्यालयों में उपलब्ध रिक्त सीटों पर प्रवेश दिया जाएगा। ऐसे विद्यार्थी, जो पूर्व की प्रवेश प्रक्रिया में प्रवेश नहीं ले पाए हैं या अभी तक किसी कॉलेज में सीट हासिल नहीं कर सके हैं, उनके लिए यह अवसर महत्वपूर्ण है।

गंगेव नंबर दो में सड़क नहीं, घुटने भर कीचड़ से होकर घर पहुंचा पार्थिव शरीर

विकास के दावों के बीच बदहाल रास्ते की तस्वीर आई सामने, शव वाहन गांव तक नहीं पहुंच सका

जागरण, रीवा। विकास और बुनियादी सुविधाओं के दावों के बीच गंगेव क्षेत्र के ग्राम गंगेव नंबर-2 से बदहाल सड़क व्यवस्था की एक तस्वीर सामने आई है। गांव के रास्ते में कीचड़ और जलभराव इतना अधिक था कि शव वाहन गांव के अंदर तक नहीं पहुंच सका। इसके बाद परिजनों और ग्रामीणों को घुटने भर कीचड़ के बीच पार्थिव शरीर को कंधे पर लेकर घर तक पहुंचाना पड़ा। जानकारी के अनुसार गंगेव नंबर-2 निवासी संदीप तिवारी का सिंगरौली में निधन हो गया था। मंगलवार को उनका पार्थिव शरीर अंतिम संस्कार के लिए पैतृक गांव लाया गया। परिजनों को उम्मीद थी कि शव वाहन सीधे घर तक पहुंच जाएगा, लेकिन गांव तक पहुंचने वाला रास्ता बारिश के कारण पूरी तरह कीचड़ और दलदल में बदल चुका था। रास्ते की स्थिति इतनी खराब थी कि वाहन को आगे ले जाना संभव नहीं हुआ। इसके बाद ग्रामीणों और परिजनों ने मिलकर पार्थिव शरीर को वाहन से उतारा और कीचड़ से भरे रास्ते पर कंधे के सहारे घर तक पहुंचाया। घटना का वीडियो और तस्वीरें सामने आने के बाद ग्रामीण क्षेत्र की सड़क व्यवस्था को लेकर सवाल उठा रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि बारिश के मौसम में यह रास्ता हर साल परेशानी का कारण बनता है। सड़क की स्थायी व्यवस्था नहीं होने से मरीजों, बुजुर्गों और स्कूली बच्चों को भी परेशानी उठानी पड़ती है। ग्रामीणों ने सड़क निर्माण और आवागमन की स्थायी व्यवस्था की मांग की है। वहीं, स्थानीय लोगों ने जनप्रतिनिधियों से भी क्षेत्र की समस्या को प्राथमिकता के आधार पर दूर कराने की मांग की है। सोशल मीडिया पर सामने आई तस्वीरों को लेकर विकास कार्यों की जमीनी स्थिति पर भी बहस शुरू हो गई है।

बेलन नदी में डूबे युवक का शव एसडीआरएफ ने किया बरामद, पुलिस के सुपुर्द

जागरण, रीवा। चाकघाट थाना क्षेत्र अंतर्गत डीह पुल से बेलन नदी में छलांग लगाने वाले युवक का शव बुधवार को एसडीआरएफ की टीम ने रेस्क्यू अभियान चलाकर बरामद कर लिया। युवक की पहचान उत्तर प्रदेश के ग्राम खीरी निवासी आर्यन यादव के रूप में हुई है। वह अपने नाना के घर आया हुआ था। जानकारी के अनुसार, आर्यन यादव ने डीह पुल से अचानक बेलन नदी में छलांग लगा दी थी। घटना की सूचना मिलते ही एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची और युवक की तलाश शुरू की। मंगलवार को सुबह से शाम तक लगातार सर्च अभियान चलाया गया, लेकिन युवक का कोई पता नहीं चल सका था। इसके बाद बुधवार सुबह पुनः सर्च अभियान शुरू किया गया। एसडीआरएफ की टीम ने लगातार प्रयास करते हुए युवक को नदी से बरामद कर लिया और आवश्यक कार्रवाई के लिए चाकघाट पुलिस के सुपुर्द कर दिया। घटना के बाद पुलिस द्वारा मामले की जांच एवं वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

जर्जर मकान का छज्जा और सीढ़ी गिरने से युवक की मौत

जलभराव के बीच कमजोर हो गया था मकान; पार्षद ने प्रशासन पर लगाए लापरवाही के आरोप

जागरण, रीवा। शहर के वार्ड क्रमांक 23 में मंगलवार को जर्जर मकान का हिस्सा अचानक गिरने से 22 वर्षीय युवक समीर खान की मौत हो गई। हादसा एक पुराने मकान में हुआ। बताया जा रहा है कि लगातार जलभराव के कारण मकान की स्थिति और खराब हो गई थी। जानकारी के मुताबिक समीर खान हादसे के समय मकान के पास मौजूद था। अचानक मकान का छज्जा और सीढ़ी भरभराकर गिर गई, जिसकी चपेट में युवक आ गया। मलबे में दबने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई और परिवार में मातम पसर गया। स्थानीय लोगों के अनुसार क्षेत्र में पिछले कई दिनों से जलभराव की स्थिति बनी हुई थी। लगातार पानी जमा रहने के कारण पुराने और जर्जर मकानों को लेकर भी खतरा बना हुआ था। इसी बीच मकान का हिस्सा गिरने से हादसा हो गया। मृतक समीर खान आर्थिक रूप से कमजोर परिवार से था और ऑटो चलाकर परिवार का भरण-पोषण करता था। बताया गया है कि बचपन में ही उसके माता-पिता का निधन हो गया था। इसके बाद उसकी बड़ी मां ने उसका पालन-पोषण किया था। हादसे के बाद वार्ड क्रमांक 23 के पार्षद अकरम अंसारी ने प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए। पार्षद का आरोप है कि क्षेत्र में लंबे समय से जलभराव और जर्जर मकानों की समस्या बनी हुई थी, इसके बावजूद समय रहते प्रभावी सर्वे और आवश्यक कार्रवाई नहीं की गई। हादसे के बाद जर्जर मकानों के सर्वे और जलभराव वाले क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं। हालांकि घटना की वास्तविक परिस्थितियां प्रशासनिक जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेंगी।

आम रास्ते को बहाल करने पनगड़ी वासियों ने सौंपा ज्ञापन

जागरण, रीवा। ग्राम पनगड़ी खुर्द से वन पताई व पनगड़ी से पोखरी टोला यादव बस्ती एवं हरिजन बस्ती के लगभग 2 से 3 हजार आम जनमानस के लिए आम रास्ते को बहाल कराए जाने के संबंध में ग्रामवासियों ने मनगवां विधायक को ज्ञापन सौंपा। जिसमें बताया कि ग्राम पनगड़ी कला (पोखरी टोला) यादव व हरिजन बस्ती पहुंच मार्ग को सतानंद पांडे द्वारा लगाए गए पेड़ों की डाल एवं रास्ते में निर्माणाधीन मकान का अवलोकन करने की मांग करते हुए कहा कि बस्ती के लिए बनी रोड मात्र 100 मीटर सीमांकन न होने की वजह से अवरुद्ध है, सीमांकन होने पर भूमित स्वामी रास्ता देने के लिए तैयार है। कुशवाहा बस्ती में जाने वाली सड़क में अतिक्रमण कर बाउंड्री वॉल जर्जर हालत में बाधा बनी है, वर्षा के समय बाउंड्री गिरने से बड़ी घटना घटित हो सकती है जो कि शासकीय रास्ते में होकर देखने योग्य है। सीमांकन कार्य पूर्ण यिका गया है, लेकिन आज भी अतिक्रमण की भेंट चढ़ी हुई है जबकि अतिक्रमणकर्ता परिवार पूर्णरूपेण ग्राम भटवां में आबाद है। सभी ग्रामवासी बच्चों की पढ़ाई, बुजुर्गों की दवाई, रोजमर्रा की खाने-पीने की सामग्री से वंचित हैं। वर्षा का कहर अलग है, जिससे ग्राम पंचायत को आम रास्ते से जोड़ा जाए। जनसुनवाई में 11 व 14 अगस्त को मुख्यमंत्री जन विश्वास शिविर में दिए गए आवेदनों पर अभी तक कोई सुनवाई नहीं हुई, ऐसे में लाचार जनता कहां जाए। ग्रामवासियों ने रास्ता विहिन लोगों को अतिक्रमणकारियों के बंधन से मुक्त कराकर आजादी दिलाए जाने की मांग की है।

पेट्रोल डालकर जिंदा जलाने के प्रयास का आरोपी गिरफ्तार

लौर पुलिस की त्वरित कार्रवाई, ईद मिलाद उन नबी की तैयारी दौरान कारित की थी घटना

मऊगंज। लौर थाना क्षेत्र के ग्राम अल्हौआ में युवक पर पेट्रोल डालकर आग लगाने के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए घटना के 24 घंटे के भीतर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी रामरशीश को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार 24 अगस्त की शाम करीब 7.30 बजे ग्राम अल्हौआ निवासी रामरशीश ने अजहरुद्दीन पर पेट्रोल डालकर आग लगा दी थी। इस घटना में अजहरुद्दीन के चेहरे, सिर, पेट, सीने, दोनों हाथ, गर्दन और पीठ गंभीर रूप से झुलसे हैं। घटना की सूचना 25 अगस्त को फरियादी द्वारा लौर थाने में दी गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर आरोपी की गिरफ्तारी के लिए विशेष टीम गठित की। पुलिस टीम ने मुखबिर तंत्र और तकनीकी सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए आरोपी रामरशीश को 25 अगस्त को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया, जहां से उसे जेल दाखिल कर दिया गया। पुलिस ने बताया कि मामले में उपलब्ध तथ्यों, साक्ष्यों और परिस्थितियों के आधार पर वैधानिक कार्रवाई जारी है। पुलिस ने आमजन से अपील की है कि घटना को लेकर किसी भी प्रकार की अफवाह या अपुष्ट सूचना पर विश्वास न करें तथा क्षेत्र में कानून-व्यवस्था एवं सामाजिक सौहार्द बनाए रखने में पुलिस का सहयोग करें।

बाढ़ के बाद राहत और बचाव कार्य के लिए प्रशासन ने कसी कमर

यूपी के मेजा, सिरसी तथा अंदवा बांधों से पानी छोड़ने से बिगड़ी स्थिति

जागरण, रीवा। जिले में 19 और 20 अगस्त को आयी बाढ़ के बाद नदी, नालों का जल स्तर सामान्य हो गया है। केवल त्योंथर क्षेत्र में टमस, बेलन और नैना नदियों का जल स्तर बढ़ा हुआ है। उत्तरप्रदेश के मेजा, सिरसी तथा अंदवा बांधों से पानी छोड़े जाने के कारण यह स्थिति उत्पन्न हुई है। बाढ़ का पानी उतरने के बाद प्रशासनिक अमला राहत और बचाव कार्य में तत्परता से लगा हुआ है। बताया गया है कि कलेक्टर के निर्देशों के अनुसार राजस्व विभाग की टीम बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में लगातार सर्वे का कार्य कर रही है।

बाढ़ राहत में लापरवाही बरतने वाला पटवारी निलंबित

एसडीएम सिरमौर दृष्टि जायसवाल ने हल्का पटवारी मनोज सिंह को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने के आदेश दिये हैं। बाढ़ राहत कार्य में लापरवाही बरतने तथा बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में हानि का सर्वे न करने पर यह कार्यवाही की गई है। प्राकृतिक आपदा में इस तरह की संवेदनहीनता और लापरवाही पर यह कार्यवाही की गई है। यह कार्यवाही मध्यप्रदेश सिविल सेवा वर्गीकरण नियंत्रण तथा अपील नियम 1966 के तहत की गई है। निलंबन अवधि में श्री सिंह का मुख्यालय तहसीलदार कार्यालय सिरमौर रहेगा। उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता दिया जायेगा।

हैण्डपंपों के सुधार के साथ क्लोरिनेशन

बाढ़ राहत के लिए तत्परता से कार्यवाही की जा रही है। त्योंथर, रायपुर कर्चुलियान, सिरमौर तथा जवा तहसीलों में पीएचई विभाग की टीम ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में हैण्डपंपों के सुधार के साथ-साथ जल स्त्रोतों में सोडियम हाईपोक्लोराइट घोल डालकर उसका क्लोरिनेशन कराया। त्योंथर में पशु पालन विभाग द्वारा शिविर लगाकर पशुओं का टीकाकरण तथा उपचार किया जा रहा है। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में साफ-सफाई का कार्य लगातार कार्य किया जा रहा है।

बाणसागर के तीनों गेट हुए बंद, 341.12 मीटर पानी भरा

सोमवार व मंगलवार को बाणसागर बांध के तीन गेट खुले रहे, जबकि बुधवार को तीनों गेट बंद कर दिए गए। बाणसागर बांध की क्षमता 341.64 है, जबकि मौजूदा परिस्थिति में डेम में 341. 12 भर चुका है। इसी प्रकार बकिया बैराज में वर्तमान में 279.80 पानी भरा है, जिसके 10 गेटों में से छह गेट 50 सेमी व 4 गेट 25 सेमी खुले हैं। बीहर बैराज 279.60 पानी जमा है, जिसके 3 गेट 50-50 सेमी खुले हैं। मेजा बांध में 177.30 पानी भरा है, इसके 7 गेट 60-60 सेमी खुले हैं। अंदवा में 191.60 पानी भरा है, माधवगढ़ में 287.55 पानी भरा है, सिरसी में 217.30 पानी भरा है, इसके 5 गेट 2-2 फीट खुले हैं। सिलपरा में 293.30 पानी भरा है, पटेहरा में 99.55 पानी भरा है, बीहर विक्रम में 291.70 पानी भरा है जबकि बेलन नदी में 105.00 पानी भरा है। शहर में बुधवार को सुबह आसमान साफ रहा, किन्तु शाम 4 बजे अचानक आसमान पर काले बादल छा गए और कहीं तेज तो कहीं हल्की बूंदाबांदी हुई। कुछ देर बाद बारिश फिर थम गई।

प्रवेश
बी.एड. 2026
अंतिम अवसर
दिनांकः 27.08.2026 से 30.08.2026 तक
शीघ्र संपर्क करें
श्रीराम कॉलेज
प्रयागराज काम्पलेक्स प्रयागराज रोड, रीवा
मो.: 9424337730,7000177901,6262666812

विंध्य के वरिष्ठ डॉक्टर
डॉ प्रदीप निगम
MD, DrNB (गैस्ट्रो)
उपलब्ध सुविधा
• एंडोस्कोपी
• कोलोनोस्कोपी
• फाइब्रोस्केन
• ERCP
• मैनोमेट्री
पेट, लीवर, पित, आंत पैंक्रियाज एवं डायबिटीज रोग विशेषज्ञ
Call Now 8770352872,7566926696
पता -बाल भारती स्कूल के सामने, समदड़िया गोल्ड सिरमौर चौराहा रीवा

विंध्य की एक मात्र महिला चर्म रोग विशेषज्ञ
डॉ. कोम्पल अग्रवाल
MBBS, MD (Dermatology & STD)
चर्म, सौंदर्य, नाखून, बाल, यौन, एवं कुष्ठ रोग विशेषज्ञ
समय- प्रतिदिन सुबह 10 से 2 एवं शाम 4 से 7 बजे तक रविवार अवकाश
अत्याधुनिक Laser द्वारा Hair Removal, Tatto Removal एवं Facial की सुविधा उपलब्ध
परामर्श:- दाद, खाज, खुजली, एक्जिमा, सोरायसिस, सफेद दाग, चेहरे की कील, मुहांसे, बालों का झड़ना, गंजापन, इत्यादि समस्त चर्म, नाखून, बाल एवं यौन संबंधी समस्याएं।
विशेष:- Co2 एवं MNRF LASER के द्वारा पिम्पल के गढ्ढे, दाग, झुर्रियाँ Stretch Marks, आदि के लिए इलाज की सुविधा
मो.-7247097637
परामर्श शुल्क 300/-
सौन्दर्य क्लीनिकः मेडिकल माल ग्राउंड फ्लोर डॉ. बजाज क्लीनिक के सामने सिरमौर चौराहा रीवा

Minerva The Medicity A MULTI SUPERSPECIALITY HOSPITAL
मिनर्वा द मेडिसिटी
मल्टी सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, रीवा
जन्मजात बाल्य हृदय रोग एवं बाईपास सर्जरी
आयुष्मान कार्ड के तहत निःशुल्क इलाज
फोर्टिस हॉस्पिटल के विशेषज्ञों द्वारा
विशेष सूचना
कार्डियक सर्जरी पुनः निःशुल्क उपलब्ध
असुविधा से बचने के लिए पूर्व में ही रजिस्ट्रेशन करवाएं
खन्ना टॉवर, पुराना बस स्टैंड, रीवा (म.प्र.)
9893516364, 8770288324 | टोल-फ्री नंबरः- 18008892250

मिनर्वा आई.व्ही.एफ. (टेस्ट ट्यूब बेबी सेन्टर)
(निः संतान दंपत्तियों के लिए)
कम खर्च बेहतर इलाज
सर्वश्रेष्ठ टेस्ट ट्यूब बेबी सुविधा
उपलब्ध सुविधाएँ
* IUI, IVF, ICSI
* फ्रोजन एंब्रिया ट्रांसफर साइकिल (FET)
* एग फ्रीजिंग
* एंब्रियो फ्रीजिंग
* स्पर्म फ्रीजिंग
डॉ. ज्योति ओझा मिश्रा
स्त्री एवं प्रसूति रोग
निःसंतानता रोग एवं टेस्टट्यूब बेबी विशेषज्ञ
MBBS, MD (ऑब्स & गायनी)
फैलोशिप इन रिप्रोडक्टिव मेडिसिन एण्ड लैप्रोस्कोपिक सर्जरी
मध्यप्रदेश की प्रथम एवं अत्याधुनिक ICSI मशीन द्वारा इलाज उपलब्ध
टोल फ्री : 18008892250, मो.: 8878819362, 9303733830
खन्ना टॉवर, पुराना बस स्टैण्ड, रीवा

जागरण पब्लिकेशन प्रा. लिमि. के लिए मुद्रक/प्रकाशक मदन मोहन गुप्ता द्वारा दैनिक जागरण प्रेस गांधी नगर उर्रहट रीवा (म.प्र.)से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादकः **मदन मोहन गुप्ता**। आर.एन.आई. नं- 1505/57, डाक पंजीयन क्र.- रीवा संभाग 04 /म.प्र. संस्थापक **स्व. गुरुदेव गुप्त**
कार्यालयः- मोबाइल नं रीवा- 9098357869, 9425018958 **सतना -** 9993315949 **सीधी-**7089620900 **सिंगरौली-**9424652999 E-mail: rewajagrannew2015@gmail.com